■ स्वचालन बढ़ा लेकिन स्वामित्व हो रहा है कम : आरबीआई डिप्टी गवर्नर स्वामी नाथन जे - 12

■ भारत-ईयू के बीच अब तक 12 दौर की हो चुकी है वार्ता : जितिन प्रसाद - 12

■ हार्वर्ड विश्वविद्यालय में फिर सेवाएं देंगी गीता गोपीनाथ - 13

■ अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो इरफान पठान ने बुमराह से कहा- 14

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.29 सूर्यास्त 07.08

अमृत विचार
| बरेली |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 02:29 तक उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2082

बुधवार, 23 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 243, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सूरत हवाई अड्डे पर 24 किग्रा सोना जब्त

अहमदाबाद। सीमा शुल्क विभाग के अधीन काम करने वाली एजेंसी एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) की अहमदाबाद यूनिट ने गुजरात में सूरत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पश्चिम एशिया से आ रहे पति-पत्नी के पास से 25.57 करोड़ रुपये मूल्य का 24.827 किलोग्राम सोना जब्त कर दोनों को गिरफ्तार किया है। यह अहमदाबाद सीमा शुल्क आयुक्तालय द्वारा गुजरात में की गई सोने की बड़ी ज़ब्ती में एक है।

पोत निर्माण पर चर्चा करेगी नौसेना

नई दिल्ली। नौसेना का युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो बुधवार को यहां एक संगोष्ठी का आयोजन करेगा जिसमें प्रतिभागी जहाज निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर इस्तेमाल की जा रहीं भविष्य की तकनीकों पर प्रकाश डालेंगे। अधिकारियों ने कहा कि संगोष्ठी में प्रतिभागी जहाजों की आपूर्ति में भारतीय शिपयार्ड एवं उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करेंगे। सेमिनार में केंद्र सरकार, नौसेना, शिपयार्ड, उद्योग जगत, वर्गीकरण समितियों और शिक्षा जगत के प्रमुख एक साथ होंगे।

नागपुर हवाई अड्डे को उड़ाने की धमकी

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर के डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को मंगलवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों और स्थानीय पुलिस ने तुरंत हरकत में आई। सूत्रों के अनुसार यह ईमेल सुबह लगभग साढ़े सात बजे मिला, जिसमें दावा किया गया था कि हवाई अड्डे के टर्मिनल में एक आईईडी छिपाया गया है।

अंदर देखें... रंगोली

अमृत विचार रंगोली
शास्त्रीय नृत्य को बना दिया लोक संस्कृति का उत्सव
कानपुर का माचिस मै
बरेली के फर्नीचर की दुनिया में पहचान

महिलाओं को एक करोड़ रुपये तक की रजिस्ट्री पर स्टाम्प शुल्क में 1 फीसदी छूट

अभी तक 10 लाख रुपये तक की रजिस्ट्री के स्टाम्प पर था 6 फीसदी शुल्क

- योगी कैबिनेट ने लगाई 37 अहम प्रस्तावों पर मुहर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला लिया है। अब प्रदेश में एक करोड़ रुपये तक मूल्य की संपत्ति (जैसे मकान, जमीन आदि) यदि किसी महिला के नाम खरीदी जाती है, तो उस पर स्टाम्प शुल्क में एक फीसद की छूट मिलेगी। अब तक राज्य में यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक की संपत्ति पर ही लागू थी, जिसमें अधिकतम 10 हजार रुपये तक की छूट मिलती थी।

लोकभवन में अपरान्ह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 37 प्रस्ताव पारित किए गए। निर्णय की जानकारी देते हुए प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि रजिस्ट्री पर शुल्क सात प्रतिशत है। जिसमें अभी तक 10 लाख रुपये की संपत्ति पर महिलाओं को छह प्रतिशत शुल्क देना पड़ता था, अब यह सीमा एक करोड़ रुपये तक बढ़ा दी गई है। योगी कैबिनेट ने मंगलवार को 15 वर्ष पुराने सरकारी वाहनों को कबाड़ घोषित किए जाने पर मुहर लगा दी। सरकार ने पहले ही एक अप्रैल, 2023 को 15 वर्ष पुराने हो चुके सरकारी वाहनों के पंजीकरण का नवीनीकरण नहीं करने का निर्णय लिया था। अब मूल्यांकन करके नीलामी का रास्ता साफ हो गया है।

लोकभवन में कैबिनेट की बैठक में प्रस्तावों पर चर्चा करते मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

विधानमंडल का मानसून सत्र 11 अगस्त से

योगी कैबिनेट ने राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का वर्ष 2025 का द्वितीय (मानसून) सत्र 11 अगस्त से आहूत करने का निर्णय लिया है। पिछला सत्र 18 फरवरी को आरंभ होकर 5 मार्च, 2025 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ था। 12 मार्च को सत्रावसान की अधिसूचना जारी की गई थी। नियमानुसार 5 सितंबर से पूर्व नए सत्र का आयोजन जरूरी था।

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे को मंजूरी

योगी कैबिनेट ने चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के निर्माण को भी मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 939.67 करोड़ रुपये की लागत से इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) पद्धति पर पूरी की जाएगी। 15.172 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होकर ग्राम अहमदगंज तक जाएगा। एक्सप्रेस-वे को प्रारंभ में 4 लेन और भविष्य में 6 लेन तक विस्तार योग्य बनाया जाएगा। यह वाराणसी-बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग 135 बीजी से संपर्क स्थापित करेगा। इसे 548 दिनों में पूरा किया जाएगा। पांच वर्षों तक अनुरक्षण कार्य किया जाएगा। इस परियोजना में केंद्र सरकार की कोई वित्तीय भागीदारी नहीं होगी।

स्मार्टफोन की जगह युवाओं को टैबलेट

कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के तहत अब युवाओं को स्मार्टफोन की जगह टैबलेट दिए जाएंगे। यह योजना पांच वर्षों तक लागू रहेगी। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि टैबलेट की बड़ी स्क्रीन, बेहतर बैटरी, मल्टीटास्किंग क्षमता और प्रोडक्टिविटी एप्स की सुगमता से योजना के शैक्षिक उद्देश्य बेहतर तरीके से पूरे हो सकेंगे।

121 पॉलिटेक्निक किए जाएंगे उन्नत

योगी सरकार ने प्रदेश के डिप्लोमा सेक्टर में तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की मांग के अनुरूप उन्नत बनाने के लिए टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से राज्य के 121 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में टाटा टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना का निर्णय लिया है। परियोजना की अनुमानित लागत 6935.86 करोड़ है, जिसमें से 6034.20 करोड़ टीटीएल देगा।

टीजीटी, पीजीटी व प्रधानाचार्य पदों पर भर्ती का रास्ता साफ

संवाददाता, प्रयागराज

- उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग 35 हजार रिक्त पदों पर करेगा भर्ती
- अधियाचन का प्रारूप फाइनल शासन को भेजने की तैयारी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज डेढ़ वर्ष बाद अब रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। क्योंकि अधियाचन का प्रारूप अब तैयार हो गया है जिसे मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। टीजीटी, पीजीटी और प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों की संख्या 35 हजार से अधिक है। भर्ती प्रक्रिया शुरू होने की संभावना से लाखों अभ्यर्थियों में शिक्षक बनने की आस जग गई है।

उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज का गठन हुए करीब डेढ़ वर्ष हो गया है। जिसमें अध्यक्ष, सचिव, दो उप सचिव और सभी सदस्यों ने कार्यभार संभाल लिया है। लेकिन अभी तक कोई भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक (एडी) सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि टीजीटी, पीजीटी और प्रधानाचार्यों के रिक्त पदों का अधियाचन जिस प्रारूप पर जाना है वह तैयार हो गया है। कार्मिक विभाग और उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज फाइनल करके रिक्त पदों का अधियाचन इसी प्रारूप पर लेगा। अधियाचन का स्वरूप फाइनल हो गया है। इसे शासन को जल्द ही भेज दिया जाएगा।

मालूम हो कि टीजीटी परीक्षा की तिथि 20 और 21 जुलाई 2025 घोषित की गई थी। लेकिन परीक्षा तिथि बीतने के बाद भी 10 लाख परीक्षार्थियों और मीडिया को परीक्षा स्थगित करने की कोई जानकारी नहीं दी गई।

राज्यसभा में धनखड़ के इस्तीफे की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

- उपसभापति ने किया सदन की कार्यवाही का संचालन

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को अधिसूचित कर दिया। एक दिन पहले धनखड़ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने की जानकारी दी थी।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन द्वारा हस्ताक्षरित एक राजपत्र अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने धनखड़ के इस्तीफे के पत्र को सार्वजनिक किया, जिसे उन्होंने सोमवार शाम जारी किया था। अधिसूचना में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा प्रकाशित किया जाता है। इससे पहले राज्यसभा में गृह मंत्रालय की अधिसूचना के बारे में जानकारी दी गई। प्रश्नकाल के लिए उच्च सदन की बैठक दोपहर बारह बजे जब शुरू हुई तो पीठासीन अध्यक्ष घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के तहत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना जारी की है। उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन की सुबह की कार्यवाही की अध्यक्षता की। हरिवंश ने सदस्यों को बताया कि उपराष्ट्रपति पद पर चयन किए जाने की संवैधानिक प्रक्रिया के बारे में उन्हें जानकारी मिलेगी तो वह बताएंगे। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। आमतौर पर धनखड़ दिन की शुरुआत में राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करते थे।

उपसभापति ने की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पदेन सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंपने के एक दिन बाद हुई है। राष्ट्रपति भवन ने बैठक की एक तस्वीर भी एक्स पर साझा की। इसमें कहा गया है कि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

एसआईआर पर हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

विपक्ष के प्रदर्शन के चलते प्रश्नकाल, शून्यकाल भी नहीं चले

मानसून सत्र

- रीजीजू बोले-सरकार चर्चा को तैयार फिर क्यों कर रहे हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के दूसरे दिन दोनों सदनों की कार्यवाही दो बजे बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गईं। दोनों ही सदनों में प्रश्नकाल-शून्यकाल नहीं चल सके।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने निचले सदन में विपक्ष पर दोहरे मानदंड का आरोप लगाया और कहा कि एक तरफ कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में वे पोस्टर नहीं लाने की बात करते हैं, लेकिन अब सदन में तख्तियां लहरा रहे हैं। लोकसभा में दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे बैठक शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में यह तय हुआ था कि सबसे पहले ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी और उसका समय भी निर्धारित किया गया है। लेकिन आप एक साथ सारे मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं, यह कैसे संभव हो सकता है। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने बार-बार कहा है कि हम चर्चा करना चाहते हैं। चर्चा के लिए तैयार भी हैं। फिर वे हंगामा क्यों रह रहे हैं।

संसद परिसर में प्रदर्शन करते विपक्षी दलों के सांसद। ● एजेंसी

विपक्ष गुंडागर्दी कर रहा, भारत धर्मशाला नहीं

नई दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण का विरोध करने पर विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना की और उन पर 'गुंडागर्दी' का सहारा लेने का आरोप लगाया ताकि बांग्लादेशी और रोहिंग्या 'घुसपैठियों' सहित विदेशी लोगों को चुनावों में वोट देने का अधिकार मिल सके। वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बिहार में एसआईआर को लेकर इतना हंगामा इसलिए हो रहा है क्योंकि बांग्लादेशियों और घुसपैठियों के दम पर अपनी राजनीति चमकाने वाले डरे हुए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने संसद परिसर में कहा कि संविधान के अनुसार, केवल भारतीय नागरिक ही चुनाव में मतदान कर सकते हैं। अगर इसकी जांच हो रही है तो इसमें क्या समस्या है? भारत कोई धर्मशाला नहीं है।

उप्र, हरियाणा के टॉप बिल्डरों-बैंकों पर 22 केस दर्ज करने की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट सख्त

- सांठगांठ कर घर खरीदारों के साथ ठगी करने का मामला

उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई को एनसीआर में घर खरीदारों के साथ ठगी करने को लेकर बैंकों और रियल एस्टेट कंपनियों के बीच सांठगांठ के संबंध में 22 मामले दर्ज करने की मंगलवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सीबीआई को विभिन्न बिल्डरों और बैंकों के खिलाफ की गई छह प्रारंभिक जांच को प्राथमिकी के समान 22 नियमित मामलों में तब्दील करने की अनुमति दे दी, जिनमें आगे की जांच के लिए संज्ञेय मामले बने हैं।

जांच के दायरे में एनसीआर के बिल्डर और उत्तर प्रदेश एवं हरियाणा के विकास प्राधिकरण शामिल हैं। आर्थिक सहायता योजना के तहत, बैंक स्वीकृत राशि सीधे बिल्डरों के खातों में जमा करते हैं, जिन्हें स्वीकृत ऋण राशि पर ईएमआई का भुगतान करना होता है जब तक कि फ्लैट घर खरीदारों को नहीं सौंप दिए जाते। बिल्डर जब बैंकों को किस्त का भुगतान नहीं करने लगे तो बैंकों ने घर खरीदारों से ईएमआई जमा करने को कहा। पीठ ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, 1,000 से अधिक व्यक्तियों की जांच करने एवं 58 परियोजना स्थलों का दौरा करके मामले को अपने हाथ में लेने के लिए केंद्रीय एजेंसी की सराहना की। शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई द्वारा दर्ज सातवीं प्रारंभिक जांच, जो सुपरटेक लिमिटेड को छोड़कर विभिन्न बिल्डरों की परियोजनाओं से संबंधित है और मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता, मोहाली एवं इलाहाबाद में हैं, अब भी जारी है। न्यायालय 1,200 से अधिक घर खरीदारों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

कोर्ट में दाखिल की गई हैं 84 अपीलें

सुप्रीम कोर्ट ने रियलिटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सुपरटेक लिमिटेड के खिलाफ एक प्रारंभिक जांच दर्ज करने की अनुमति दी थी, जिसके खिलाफ 799 घर खरीदारों ने आठ शहरों में परियोजनाओं से जुड़ी 84 अपीलों के माध्यम से शीर्ष कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट ने मंगलवार को सीबीआई की रिपोर्ट का अवलोकन किया।

खेत में छिपे तेंदुए ने किसान को मार डाला

संवाददाता, धौरहरा (लखीमपुर खीरी)

- अन्य किसानों ने शोर-शराबा करते हुए भागकर जान बचाई

अमृत विचार : धौरहरा वन रेंज के गांव मल्लाबेहड़ में केले के खेत में काम कर रहे एक किसान पर छिपे बैठे तेंदुए ने हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

किसान की चीख पुकार पर साथी मजदूरों ने किसी तरह से शोर शराबा किया और भागकर अपनी जान बचाई। शोर-शराबा होने पर तेंदुआ किसान को छोड़कर गन्ने के खेत में छिप गया। सूचना पर वन विभाग के साथ पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। धौरहरा वन रेंज के लखनपुरवा गांव निवासी सोबरन लाल केवट (70) शाम मल्लबेहड़ गांव के पास के खेत में काम करने गया था। खेत में छिपे तेंदुए ने हमला कर उसे मार डाला। शोर शराबा करते हुए अन्य किसानों ने भागकर अपनी जान बचाई। तेंदुए के हमले में किसान की मौत की खबर से क्षेत्र में दहशत व्याप्त हो गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए और वन विभाग को सूचना दी।

वन विभाग की टीम पुलिस के साथ पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी ने बताया तेंदुए के हमले से बुजुर्ग की मौत हुई है। अहेतुक सहायता दी जाएगी। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सेना को मिले तीन अपाचे हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। वायु सेना के बाद अब सेना को भी अत्याधुनिक लड़ाकू अपाचे हेलिकॉप्टरों की ताकत मिल गई है और सेना के लिए तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मंगलवार को हिंडन एयर बेस पर उतरी।

सेना ने इसे ऐतिहासिक क्षण करार दिया। सेना ने इन बहुउद्देशीय लड़ाकू हेलिकॉप्टरों की आपूर्ति की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि उसकी विमानन शाखा के लिए तीन अपाचे हेलिकॉप्टरों की पहली खेप हिंडन एयर बेस पहुंच गई है। इन अत्याधुनिक हेलिकॉप्टरों से सेना की मारक क्षमता बढ़ेगी। अमेरिका की बोइंग कंपनी ने रक्षा मंत्रालय के साथ छह अपाचे हेलिकॉप्टरों की खरीद के अनुबंध के तहत पहली खेप भेजी है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई | राज्य विधेयकों पर निर्णय देने की समय सीमा पर राष्ट्रपति मुर्मू ने मांगा है उच्चतम न्यायालय से परामर्श

राष्ट्रपति के सवालों पर कोर्ट ने मांगा केंद्र-राज्यों से जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम संवैधानिक मुद्दे पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और सभी राज्यों से जवाब मांगा है। मामला राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ से जुड़ा है, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई समय-सीमा तय की जा सकती है। प्रधान न्यायाधीश बीआर. गवई की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस. चंदुरकर की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अगले मंगलवार तक केंद्र और राज्यों से जवाब मांगा है।

पीठ ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ में जो मुद्दा उठाया गया है वह पूरे देश पर प्रभाव डालने वाला है। पीठ ने आदेश दिया कि संविधान की व्याख्या के मुद्दे हैं। हमने अटॉर्नी जनरल से सहायता करने का अनुरोध किया है। केंद्र और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी करें। सॉलिसिटर जनरल केंद्र की ओर से पेश होंगे। सभी राज्य सरकारों को ईमेल के माध्यम से नोटिस भेजा जाए। इसे अगले मंगलवार को सूचीबद्ध करें। सभी स्थायी वकीलों को भी नोटिस भेजा जाए। मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के दौरान केरल और तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं केके. वेणुगोपाल और पी. विल्सन ने क्रमशः इस संदर्भ का विरोध किया और इसकी स्वीकार्यता पर सवाल उठाया।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ये आपत्तियां बाद में उठाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई अगस्त के मध्य में होगी। मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत 14 सवालों पर सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी।

राज्यपाल की शक्तियों को लेकर उठे थे सवाल

राष्ट्रपति का यह निर्णय आठ अप्रैल को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के संदर्भ में आया है जिसमें न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की शक्तियों को लेकर उठाए गए सवाल पर निर्णय दिया था। उच्चतम न्यायालय ने पहली बार यह निर्धारित किया कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे गए विधेयकों पर ऐसा संदर्भ प्राप्त होने की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए। पांच पृष्ठों के संदर्भ में राष्ट्रपति मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय से प्रश्न पूछे और राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने में अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपालों एवं राष्ट्रपति की शक्तियों के संबंध में उसकी राय जानने का प्रयास किया।

न्यूज ब्रीफ

संदिग्धपरिस्थितियों में बच्ची की मौत

पुवायां, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में पांच माह की दुधमुंही बच्ची की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खीमपुर खीरी के थाना मोहम्मदी के गांव लालपुर निवासी कपिल की पत्नी रोली पांच माह की बेटी अनुराधा के साथ एक माह से मायके पुवायां के छांव बुझिया में रह रही थी। मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में अनुराधा की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

जल निकासी रोकने की शिकायत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खेत मालिक के कालोनी का पानी रोके जाने से नई बस्ती गली नंबर 1 के सैकड़ों लोगों ने संभव जनसुनवाई नगर निगम में पहुंचकर नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्रा से मिलकर अपनी समस्या को रखा। ऊषा नर्सिंग के पीछे का पानी पिछले कई साल से उतर की ओर नाली से जा रहा था, जिसको हनुमतधाम वाले रास्ते तक कई बार रोड तक रोड की नाप होकर प्रतीकात्मक चिंह भी लगे हुए हैं। पिछले सप्ताह खेत वाले नज टीन शेड लगाकर रास्ते को छिपाकर अब पिलर खड़ाकर दीवार बनाई जा रही है, इससे पानी का बहाव को रोकने की कोशिश की जा रही है। लोगों ने समस्या समाधान की मांग उठाई।

जेसीआई का रंगारंग कार्यक्रम संपन्न

शाहजहांपुर अमृत विचार : जेसीआई शाहजहांपुर की ओर से आयोजित हरियाली तीज महोत्सव उत्साह, पारंपरिक श्रृंगार और सांस्कृतिक झूम के बीच संपन्न हुआ। जेसीआरटी चेयरपर्सन आयुषी वर्मा के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम का संचालन निदेशक जेसीआरटी ऋचा गर्ग व जेसीआरटी आकांक्षा अग्रवाल ने किया, जबकि स्वाति बंसल और पारुल गुप्ता संयोजक रहीं। तीज क्वीन ऋचा गर्ग, हरियाली क्वीन आकांक्षा, सावन क्वीन पल्लवी शर्मा, डांस क्वीन पारुल गुप्ता अन्य प्रतिभागियों में सुचि अग्रवाल, ऋषु अग्रवाल, दीपिका रस्तोगी, नेहा वर्मा, रोशनी ओमर, मोनिका गौतम, प्रियांका आदि ने रंग भरा।

वित्तविहीन विद्यालयों को बंद करने के आदेश पर जताई नाराजगी

खिरनीबाग रामलीला मैदान से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकालकर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

स्कूल की मान्यता के विरोध में ज्ञापन सौंपते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वित्तविहीन अशासकीय मान्यता प्राप्त बेसिक विद्यालयों को बंद करने या उनकी मान्यताओं का प्रत्याहरण (वापस लेना) की आशंका ने शिक्षकों को सड़कों पर ला दिया। शिक्षक संघ के बैनर तले जिले भर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता खिरनीबाग रामलीला मैदान में जुटे, जहां 11 सूत्रीय मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में हाथों में तख्तियां व बैनर लिए शिक्षक पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट महेश कैथल को सौंपा। ज्ञापन देने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

जिलाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि इन विद्यालयों को जिस समय मान्यता दी गई थी, उस समय की सभी नियमावली और शर्तें पूरी की गई थीं और विद्यालय आज भी सुचारु रूप से चल रहे हैं। ऐसे में नवीन मानकों को पूर्व में दी गई मान्यताओं पर थोपना न्यायोचित नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि मनमाने निरीक्षणों के आधार पर मान्यता निरस्त या विद्यालय बंद करने की कार्रवाई छात्रों, अभिभावकों और ग्रामीण शिक्षा तंत्र सबके हित के विरुद्ध होगी। आयोजन में रखे गए 11 सूत्रीय मांगपत्र के मुख्य बिंदुओं में पुराने नियमों के आधार पर दी गई मान्यताओं को यथावत रखने, बिना ठोस कारण प्रत्याहरण पर रोक, वित्तविहीन बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों के अल्पवेतन शिक्षक-शिक्षिकाओं को आयुष्मान कार्ड सुविधा, तीन वर्ष की सफलतापूर्वक पूर्ण अवधि के बाद स्वचालित स्थायी मान्यता की मान्यता, तथा निरर्थक छापेमारी व अनावश्यक हस्तक्षेप बंद करने जैसी मांगें शामिल रहीं। संघ ने जोर देकर कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं। उन्हें संदिग्ध या अपराधी की तरह व्यवहार में न लिया जाए। प्रदर्शन के दौरान "सबका साथ, सबका विकास" के नारे लगाते हुए शिक्षकों ने मांगपत्र पर त्वरित सकारात्मक निर्णय की अपेक्षा जताई। संघ पदाधिकारियों ने चेताया कि यदि समस्याओं का समाधान न हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन तेज किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष मनोज यादव के साथ रूपकमल यादव, गुरूपाल सिंह, राजीव कुमार, ओमपाल सिंह, अतर सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, सुनील कुमार, मुलायम, सुमित, कुलदीप, रामसेवक, महेश, फूलसिंह वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

● 11 सूत्रीय मांगों के समर्थन में मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

हावड़ा-लालकुआं सुपरफास्ट एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार: भाजपा सांसद अरुण सागर ने शाहजहांपुर स्टेशन पर हावड़ा-लालकुआं सुपरफास्ट एक्सप्रेस अप और डाउन के ठहराव की मांग को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड चेयरमैन सतीश कुमार से मुलाकात की। सांसद ने कहा कि बरेली के तीन स्टेशनों बरेली जंक्शन, बरेली सिटी और इज्जतनगर पर रुकने के बावजूद यह ट्रेन शाहजहांपुर में नहीं ठहरती, जिससे यात्रियों को परेशानी होती है।

सांसद सागर ने रेल अधिकारियों को ज्ञापन देकर कहा कि ट्रेन का दो मिनट का ठहराव शाहजहांपुर, लखीमपुर व आसपास के जिलों के यात्रियों के लिए वरदान साबित होगा। यह न केवल काशी विश्वनाथ के दर्शन की सुविधा देगा, बल्कि नैनीताल और पर्वतीय क्षेत्रों के पर्यटन को भी गति प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा था। शिकायत पर डीआरएम मुरादाबाद ने निरीक्षण कर सितंबर 2026 तक निर्माण कार्य पूरा करने का आश्वासन दिया है।

राज्य की अर्थव्यवस्था के विस्तार में उद्यमी दें सुझाव: जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता शाहजहांपुर

● प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने पर चर्चा

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में जिला ओटीडी सेल की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई।

बैठक में डीएम ने कृषि उत्पाद, टिंबर, परिवहन, संचार, उद्योग, मत्स्य, वन एवं वाणिज्य सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आंकड़ों में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य की जीडीपी वृद्धि को स्थानीय उद्यमियों से सुझाव भी आमंत्रित किए जाए। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत वर्ष 2024-25 में 31.94 लाख करोड़, वर्ष 2025-26 में 41.84 लाख करोड़, वर्ष 2026-27 में 56.49 लाख करोड़ और वर्ष 2027-28 में 78.83 लाख करोड़ की जीडीपी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस उद्देश्य को साकार करने को जनपद स्तर पर जिला ओटीडी सेल का गठन किया गया है, जो हर तिमाही में जिला घरेलू उत्पादों से संबंधित इंडिकेटर्स की समीक्षा करता है। डीएम ने कहा कि प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रों के विकास के लिए इंडिकेटर्स के आंकड़ों की शुद्धता अत्यंत आवश्यक है, ताकि आर्थिक विकास का वास्तविक मूल्यांकन हो सके। प्राथमिक क्षेत्र में वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में गेहूं उत्पादन में 9.3 प्रतिशत, चना में 34.29 प्रतिशत और सरसों में 6.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उद्यान क्षेत्र में औसतन 9.86 प्रतिशत और पशुपालन, मत्स्य व टिंबर उत्पादन में 16.35 प्रतिशत की वृद्धि रही है। द्वितीयक क्षेत्र में विद्युत व गैस उत्पादन में 15.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। परिवहन एवं संचार क्षेत्र में पंजीकृत वाहनों की संख्या में 1.22 प्रतिशत, बसों को जारी परमिट की संख्या में 190.70 प्रतिशत तथा पेट्रोल, डीज़ल एवं सीएनजी की बिक्री में 340.80 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

कांवड़ यात्रा आस्था नहीं सेवा-समर्पण की मिसाल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: नगर निगम की ओर से सुभाष चौराहा पर आयोजित कांवड़ शिविर में महापौर अर्चना वर्मा, नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

महापौर ने शिवभक्तों की सेवा को निगम द्वारा लगाए गए शिविर का निरीक्षण भी किया और वहां मौजूद कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों को बेहतर व्यवस्थाएं बनाए रखने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल आस्था की नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संयम की एक अनुपम मिसाल है। महापौर ने श्रद्धालुओं को सावन माह की शुभकामनाएं देते हुए सभी से शांति, अनुशासन एवं स्वच्छता का पालन करने की अपील की। इस पावन अवसर पर नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र, सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मनोज कुमार मिश्रा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

बाइक और तमंचा के साथ चोर पकड़ा

पुवायां, अमृत विचार: पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को तमंचे के साथ पकड़ा। पूछताछ में उसने बाइक चोरी कबूल की, जिसे कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया।

युवक ने अपना नाम बालक राम निवासी बसखेड़ा खुर्द बताया। उसने एक माह पहले बसखेड़ा खुर्द से एक बाइक चोरी की थी, जिसे बेचने जाते समय कांट क्षेत्र में उसका एक्सीडेंट हो गया। घायल अवस्था में लोगों ने उसे अस्पताल भिजवा दिया था। जहां उसे होश आया। चूंकि बाइक चोरी की थी तो वह दोबारा उसे लेने नहीं पहुंचा।

संवारे जाएंगे परिषदीय विद्यालय

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● स्कूलो में होगा मरम्मत कार्य, वास्तविक जरूरत हिसाब से इस्तेमाल होगी रकम

अमृत विचार : राज्य सरकार की ओर से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के संपूर्ण कायाकल्प के लिए 2,000 करोड़ की एकमुश्त बजट को स्वीकृति दी है। इससे विद्यालयों का कायाकल्प करते हुए उनको संवारने का कार्य किया जाएगा।

स्कूल की चारदीवारी, रंगाई पुताई कराई जाएगी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तैयार की गई यह योजना बेसिक शिक्षा विभाग की अब तक की सबसे बड़ी निवेश योजना मानी जा रही है। उक्त योजना के तहत प्रदेश भर में संचालित परिषदीय विद्यालयों में भवन निर्माण, संसाधन सुदृढ़ीकरण, पेयजल, शौचालय, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, एमडीएम शेड, रैंप और चारदीवारी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उक्त योजना अब केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका फोकस प्रभावी उपयोग और क्रियाशीलता पर भी होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2025-26 में 500 या अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में पुरस्कार स्वरूप उच्चीकृत किया जाएगा। इन विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी रूम, मल्टीपरपज हॉल, क्लब रूम, कंप्यूटर और आईसीटी लैब, लर्निंग बाय डुइंग स्पेस और एमडीएम शेड सहित अन्य सुविधाएं मिलेगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा को सिर्फ विद्यालय उपस्थिति तक सीमित न रखते हुए उसे संरचनात्मक, तकनीकी और बौद्धिक रूप से समृद्ध बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। इससे स्कूलों में नामांकन में वृद्धि, पियर लर्निंग का विस्तार, सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा।

पुलिस ने खंगाले बैंक खाते और सीडीआर

सिंधौली, अमृत विचार: क्षेत्र में आयोजित कुछ ईसाई धर्म प्रार्थना सभाओं की वित्तीय व संचार जांच में पुलिस जुटी है। प्रारंभिक जांच में आयोजकों की पासबुकों में कोई बड़ा लेन-देन सामने नहीं आया, हालांकि नामजद 10 व्यक्तियों की मोबाइल कॉल डिटेल और पूर्ण बैंक स्टेटमेंट अभी प्राप्त होने शेष हैं।

कस्बे में विशाल सभा की आयोजक किरन व उनके पति इन दिनों सार्वजनिक रूप से कम दिखाई दे रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह ने कहा कि मोबाइल व बैंक डिटेल मिलने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई तय होगी।

SHAKUNTALAM MULTISPECIALITY HOSPITAL

शाकुन्तलम् मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. हिमानी गोयल ने बिना बच्चेदानी निकाले 8 किलो की रसौली निकालकर बचाई जान

इंजी. अगम कुमार मौर्य
चेयरमैन शाकुन्तलम् हॉस्पिटल

डॉ. अमन मौर्य
पूर्व रेजिडेंट ई.एस. आई.सी हॉस्पिटल, नई दिल्ली
पूर्व इमरजेंसी रेजिडेंट, अपोलो हॉस्पिटल, नॉएडा
पूर्व मेडिकल अफसर, (एनयूएचएम), बरेली

Doctor's Panel

डॉ. अमित कुशवाह MBBS, MD (Chest Specialist)
डॉ. ऋषि सैनी MBBS, MD (TB & Chest)
डॉ. संजय सिंह MBBS, Dch., DNB Pediatrics
डॉ. अदिती गुप्ता MBBS, MD Pediatrics
डॉ. अंशुल आर्या MBBS, MS, M.Ch. Burns Plastic & Maxillofacial Surgery
डॉ. आयुष रिछारिया MBBS, MS, FMAS, FIAGES, MCH (CTVS) Chief Cardiothoracic and Vascular Surgeon
डॉ. ऋषि जिंदल MBBS, DNB (Senior General and Laparoscopic Surgeon)
डॉ. अभिषेक सक्सेना MBBS, MS (Orthopaedic Surgery)
डॉ. आशुतोष कुमार MBBS, MS (Orthopedic)
डॉ. रोहित पल्लता MBBS, MD (Medicine)
डॉ. हिमानी गोयल MBBS, MS, (Obs. & Gynae)
डॉ. सचिन कुमार MBBS, MD (Anesthesia)
डॉ. हिमांक माहेश्वरी MBBS, MS, FISCP, FIAGES General Surgery
डॉ. विनोद मौर्य (P.T.) D.P.T., B.P.T., M.R.P.P.A, M.I.H.F.A

हमारी विशेषताएं
- आर्थो
- मेडिसिन
- हृदय रोग
- टी.वी. एवं छाती
- प्रसति एवं स्त्री रोग
- प्लास्टिक सर्जरी
- इमरजेन्सी एवं ट्रामा
- न्यूरो
- सर्जरी
- यरोलॉजी
- पीडियाट्रिक्स
- एनेस्थीसिया
- फिजियोथेरेपी एवं रिहैविलिटेशन
- सी.टी.वी.एस.

24/7 SERVICE

शाकुंतलम मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टरों की टीम ने चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। 25 वर्षीय युवती की जान उस वक्त बचाई गई जब उसकी बच्चेदानी में लगभग 7-8 किलो की अत्यधिक बढ़ी हुई रसोली (फाइब्रॉएड) पाई गई। डॉक्टरों ने बिना किसी बड़ी जटिलता के ऑपरेशन कर सफलतापूर्वक रसोली को हटा दिया। यह ऑपरेशन डॉ. हिमानी गोयल और डॉ. सचिन कुमार की देखरेख में किया गया। युवती कई महीनों से पेट में दर्द, भारीपन और कमजोरी जैसी परेशानियों से जूझ रही थी। जब उसे हॉस्पिटल लाया गया, तो जांच में पता चला कि उसकी बच्चेदानी में एक बहुत बड़ी गांठ है, जो भविष्य में उसकी जान के लिए खतरा बन सकती थी।

डॉ. हिमानी गोयल (MBBS, MS) Obs & Gynae ने बताया, 'यह केस बेहद संवेदनशील था, क्योंकि गांठ बहुत बड़ी हो चुकी थी। हमने पूरी सावधानी के साथ ऑपरेशन कर उसे सफलतापूर्वक निकाला।' **डॉ. सचिन कुमार** (MBBS, MD) Anesthesia ने बताया कि मरीज को ऑपरेशन के दौरान पूर्ण बेहोशी दी गई और पूरे ऑपरेशन के दौरान उसकी स्थिति स्थिर रही। **डॉ. अमन मौर्य** की देखरेख में ऑपरेशन के बाद मरीज को कुछ दिनों तक निगरानी में रखा गया और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। डॉक्टरों का मानना है कि समय रहते इलाज हो जाने से युवती की जान बच गई व बिना बच्चेदानी निकाले इतनी बड़ी रसौली निकाली गई और आशा है भविष्य में मरीज को गर्भावस्था भी धारण हो जायेगी। मरीज के परिजनों ने डॉक्टरों और हॉस्पिटल स्टाफ का धन्यवाद करते हुए कहा, 'हम बेहद घबराए हुए थे, लेकिन डॉक्टरों ने न सिर्फ हमारी बेटी की जान बचाई, बल्कि बहुत ही मानवीय तरीके से हमें पूरा समझाया और सहयोग किया।'

पता: निकट रामा पैलेस, 100 फुटा तिराहा, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

मो. +91-7302758064, 7302758067

जिले में आज

- नाले के गंदे पानी की समस्या को लेकर नरऊ में ग्रामीणों का क्रमिक अनशन सुबह 10 बजे।
- निरीक्षण भवन में राज्य निगरानी समिति के सदस्य भरोसे लाल की बैठक दोपहर 2 बजे।

न्यूज ब्रीफ

हाईवे के किनारे से हटाया कब्जा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर एडीएम वित्त अरविंद कुमार के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद जलालाबाद में अवैध अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। जिसमें तहसील से एनएच 730 सी व एनएच 730 सी हाईवे के दोनों साइड को कब्जा मुक्त कराया गया। इससे एक सप्ताह पहले व्यापार संगठन व अन्य अधिकारियों के साथ तहसील में बैठक कर स्वयं से अवैध कब्जा हटाने का निर्देश दिए गए थे।

कुत्तों के हमले से घायल मोर का किया रेस्क्यू

अल्हागंज, अमृत विचार : ग्राम ब्रह्म गोंटिया में सोमवार शाम कुत्तों के झुंड ने एक मोर पर हमला कर उसे घायल कर दिया। जान बचाने के लिए मोर गांव की ओर भागा, ग्रामीणों ने उसे बचाया और वन विभाग को खबर दी। सूचना पर पहुंची वन टीम ने मोर को कब्जे में लेकर पशु अस्पताल में उपचार कराया। वन विभाग कर्मी महरम सिंह ने बताया कि पक्षी को निगरानी में रखा गया है। स्वस्थ होने पर जंगल में छोड़ा जाएगा।

सूर्यनगर में करंट लगने से युवती की मौत

कलान, अमृत विचार : नगर पंचायत कलान के मोहल्ला सूर्यनगर में सोमवार शाम घर का मुख्य गेट बंद करते वक्त झलक (18) को करंट लग गया, जिससे उसकी मौत हो गई। झलक, राजीव गुप्ता उर्फ कल्लू गुप्ता की इकलौती पुत्री थी। उसने इस वर्ष इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया था और उच्च शिक्षा का सपना देख रही थी। मंगलवार को परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार अटेना गंगा घाट उसेहत-बदायूं पर किया।

छत से गिरे व्यक्ति की अस्पताल में मौत

निगोही, अमृत विचार : 20 दिन पहले मकान की छत से गिरकर एक व्यक्ति घायल हो गया था। परिवार वालों ने उसे बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। निगोही निवासी रंजीत वर्मा (30) 26 जून की रात में मकान की छत पर सो रहा था। रात में किसी कार्य से उठा और गिरकर घायल हो गया था। परिजनों ने उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। डॉक्टर ने उसकी हालत गंभीर होने पर बरेली के लिए एक सप्ताह पहले रेफर कर दिया। सोमवार की शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

फेसबुक आईडी से गुमराह कर रहा युवक

रौसर कोठी, अमृत विचार : आरसी मिशन थाना क्षेत्र में फेसबुक पर फर्जी हिंदू नाम से आईडी बनाकर लोगों को गुमराह करने वाले एक युवक के खिलाफ अखिल भारत हिंदू महासभा ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जिलाध्यक्ष ठाकुर अजय सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि ख्वाजा फिरोज निवासी दूसरे समुदाय के युवक ने कमलेश सिंह यादव नाम से फर्जी आईडी बनाई और सोशल मीडिया पर गलत संदेश फैलाए। ठाकुर अजय सिंह ने कहा कि यह केवल साइबर अपराध ही नहीं बल्कि समाज में सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने का प्रयास है। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

सुनासीर नाथ मंदिर की भूमि पर कब्जा

शिकायतें अब तक बेअसर, जिलाधिकारी से मंदिर की जमीन से कब्जा हटवाने की मांग

रोहित शुक्ला, बंडा

सुनासीर नाथ मंदिर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला मुख्यालय से लगभग 57 किमी दूर स्थित भगवान शिव का प्राचीन सुनासीर नाथ मंदिर की भूमि पर कब्जा हैं। मंदिर के महंत रमेश गिरी का कहना है मंदिर की लगभग 146 एकड़ भूमि पर करीब दो दर्जन से अधिक लोगों का कब्जा है और राजस्व अधिकारी स्वयं कब्जामुक्त कराने में रुचि नहीं ले रहे। दशकों से चल रहे मुकदमों के बावजूद अब तक न तो प्रभावी कार्रवाई हुई और न ही भू राजस्व अधिनियम की धारा 45 के तहत आदेश जारी किया गया, जिसके चलते कब्जाधारक बेखौफ फसलें बोकर मुनाफा कमा रहे हैं।

महंत ने बताया बंडा से सात किमी दूर बसे इस शिवधाम की भूमि दो हिस्सों में समझी जाती रही है। पहला हिस्सा करीब 96 एकड़ का है, जो पूर्व में उनके पारिवारिक स्वामित्व में था और बाद में मंदिर प्रयोजन के लिए सुरक्षित माना गया। दूसरा हिस्सा लगभग 50 एकड़ का, जो राजस्व अभिलेखों में समय-समय पर मेला सुनासीर, जय कायम मेला, नवीन परती, मेला स्थान, बंजर आदि मदों में मंदिर के नाम दर्शाया गया। उनका आरोप है कि वर्षों तक अभिलेखों पर नजर न पड़ने से जमीन बची रही, पर बाद में राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से चकबंदी/बंदोबस्त का हवाला देकर भूमि के टुकड़े अलग-अलग किसानों और व्यक्तियों को पट्टों या अन्य प्रविष्टियों के माध्यम से दे दिए गए। महंत के अनुसार उनके परिवार की पीढ़ी दर पीढ़ी महंत नियुक्ति की परंपरा रही है। पूर्व महंत के नाम दर्ज 96 एकड़ में से बड़ा हिस्सा इस समय बट चुका है। पूर्व महंत के निधन के बाद भूमि उनकी पत्नी हितनी के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज हुई थी, किंतु बाद के वर्षों में कई स्थानांतरण प्रविष्टियां दर्ज होने से स्वामित्व उलझ गया।

जिलाधिकारी स्तर पर हुई थी पहल :तत्कालीन जिलाधिकारी अमृत त्रिपाठी ने सुनासीर नाथ मंदिर से जुड़ी बिखरी राजस्व प्रविष्टियों का संज्ञान लेते हुए कभी लगभग 600 बीघा मंदिर संबंधी भूमि चिह्नित कराने की अभियान शैली में पहल की थी। महंत का कहना है कि उस समय 15 दिनों तक राजस्व टीम को लगातार कैंप में बैठाया गया, सीमांकन के लिए झंडियां लगाई गईं और शासन को प्रस्ताव तक भेजा गया। परंतु कुछ हुआ नहीं वर्तमान जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह से महंत रमेश गिरी ने उम्मीद जताई है कि लंबित विवादों की दोबारा जांच कराई जाएगी और जहां संभव हो भू राजस्व अधिनियम की धारा 45 अथवा अन्य सक्षम प्रावधानों के अंतर्गत कब्जा-मुक्ति की कार्रवाई कराई जाएगी। उनका कहना है हमें सरकार की जमीन नहीं चाहिए, बस मंदिर की जमीन वापस मिल जाए ताकि मेला और श्रद्धालुओं की व्यवस्था सम्मानजनक ढंग से हो सके। वहीं इस संबंध में चित्रा निर्वाल, एसडीएम पुवायां का कहना है मुझे जानकारी नहीं है। अगर मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जा है तो जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अमावस्या-पूर्णिमा का मेला सिकुड़ा

मंदिर की जमीन पर फैलते निजी कब्जों का असर धार्मिक गतिविधियों पर पड़ने लगा है। परंपरागत रूप से अमावस्या और पूर्णिमा पर लगने वाला विशाल मेला अब सीमित क्षेत्र में सिमटता जा रहा है। श्रद्धालुओं का आवागमन भी प्रभावित हुआ है, जबकि सुनासीर नाथ धाम पर देश के कई राज्यों से शिवभक्त दर्शन को आते हैं। महंत का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई न हुई तो आने वाली महाशिवरात्रि पर मेले और व्यवस्था के लिए पर्याप्त स्थान जुटाना कठिन हो जाएगा। महंत का आरोप है कि कुछ लोगों ने मंदिर भूमि पर ट्रस्ट के नाम से कब्जा कर रखा है, तो कुछ ने कथित फर्जी पट्टे बनवाकर राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज करा लिए। कई स्थानों पर खेत जोतकर फसल खड़ी कर दी जाती है। एक समय एक ईमानदार तहसीलदार ने कब्जा वाली भूमि पर खड़ी फसल की नीलामी कर कब्जाधारकों को झटका दिया था।

सीबीएसई के स्कूलों में सीसीटीवी जरूरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सीबीएसई ने बोर्ड से अपने संचालित स्कूलों के लिए बड़ा फैसला लेते हुए आदेश जारी किया है। जिसके अंतर्गत अब सभी स्कूलों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य कर दिया है। हर स्कूल में क्लास रूम, कॉरिडोर, एंट्री-एग्जिट गेट और लैब्स में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। बोर्ड का मानना है कि अब स्कूलों में सिर्फ पढ़ाई नहीं, बच्चों की सुरक्षा भी जरूरी हैं। बोर्ड का साफ कहना है कि बच्चों को सुरक्षित माहौल देना स्कूल की जिम्मेदारी है, आज के समय में जहां दुर्व्यवहार और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, ऐसे में स्कूलों को और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता का पत्र सीबीएसई बोर्ड के सचिव हिमांशु गुप्ता की जारी किया गया। जिसके बाद जनपद स्तर पर भी संचालित 45 विद्यालयों को डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर की ओर से पत्राचार किया गया है। जिसमें सीसीटीवी कैमरों को विद्यालय के मुख्य गेट से लेकर, एक -एक रुम, लैब आदि में लगाने को कहा गया है। डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर राजीव मोहन पाण्डेय ने बताया सीबीएसई बोर्ड ने अब सभी विद्यालयों जो कि सीबीएसई से जनपद में संचालित हो रहे हैं। वहां पर सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्यता कर दी है।

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे क्लीनिक और लैब

- स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर उठ रहे सवाल, मरीजों से वसूली पर नहीं लग पा रही रोक

संवाददात,जैतीपुर

अमृत विचार: स्वास्थ्य विभाग की उदासीन कार्यप्रणाली के कारण क्षेत्र में अवैध नर्सिंग होम, क्लीनिक और पैथोलॉजी लैब धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। आधा दर्जन से अधिक नर्सिंग होम और करीब एक दर्जन क्लीनिक एवं लैब दलालों की मिलीभगत से चल रहे हैं। विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। छह महीने से केवल कागजी कार्रवाई चल रही है। 9 जुलाई को सीएचसी प्रभारी ने कस्बे के तीन गैर पंजीकृत अस्पतालों को नोटिस देकर 14 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए थे।

इन संचालकों के खिलाफ कार्रवाई न होने से स्वास्थ्य विभाग पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। क्षेत्र में स्वास्थ्य नियमों की अनदेखी कर अवैध कारोबार किया जा रहा है। मरीजों से इलाज के नाम पर मोटी रकम ली जाती है, पर उचित सुविधा नहीं मिलती। अधिकांश नर्सिंग होम और पैथोलॉजी संचालक अवैध संचालन कर रहे हैं और उन्होंने अब तक नवीनीकरण तक नहीं कराया। नर्सिंग होम और क्लीनिक के संचालक मरीजों और उनके परिजनों के साथ मनमानी करते हैं। कई मामले सामने आने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। निरीक्षण के दौरान टीम सख्ती दिखाती है, लेकिन बाद में मामला रफा-दफा कर दिया जाता है। जानकारी के अनुसार गढ़िया रंगीन, डभौरा, नवादा मोड़ और खेरा बखेडा क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन के नर्सिंग होम और क्लीनिक खुलेआम चल रहे हैं। इनमें मरीजों से मनमाने ढंग से पैसे वसूले जा रहे हैं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मोहम्मद ने बताया कि नोटिस दे दिया गया था लेकिन अभी तक कोई भी हमारे पास किसी प्रकार के कागज नहीं आए हैं।

रोडवेज फाटक 25 तक रहेगा बंद

शाहजहांपुर, अमृत विचार: रोडवेज रेलवे फाटक पर रेल पटरी के मरम्मत कार्य के लिए 25 तक रेलवे फाटक बंद रहेगा।

रेल पथ निरीक्षक द्वारा रोडवेज रेलवे फाटक पर रेल पटरी और स्लीपर बदलने के कार्य चल रहा है। एक ही रेल फाटक है, जो आवागमन के लिए है। रेल फाटक बंद होने से टाउनहाल ओवरब्रिज या गोविंदगंज ओवरब्रिज से लोगों को जाना पड़ता है। स्टेशन के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती है।

मानक के विपरीत चल रहे रेस्टोरेंट, कैफे हो बंद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कलेक्ट्रेट में सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए विहिप पदाधिकारी।

अमृत विचार: जिले में धर्मांतरण और लव जिहाद की घटनाओं को लेकर ईसाई मशीनरी की ओर से प्रलोभन देकर हिंदू समाज को धर्मांतरित करने की साजिश चल रही है।

कस्बे में रेस्टोरेंट, कैफे, स्पा सेंटर इत्यादि बिना मानक के चलाने का आरोप लगाते हुए विश्व हिन्दू परिषद ने कलेक्ट्रेट में डीएम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया जिले में चल रही अवैध सभा जिनमें गरीब हिंदू समाज को प्रलोभन देकर धर्मान्तरित करने का कार्य किया जा रहा है, उन पर कठोर कार्रवाई हों। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष महानगर अभिनव ओमर,जिला मंत्री धर्मेंद्र, विभाग मंत्री अश्नील सिंह, बजरंगदल जिला संयोजक अंकित मिश्रा,सह संयोजक हर्षित गुप्ता व राहुल कनौजिया,प्रदीप प्रजापति,रमेश कुमार,अनुभव गुप्ता,राहुल कनौजिया,आशीष शर्मा,चंद्रवीर सिंह,अजीत,वंश पंडित,ऋषभ गुप्ता समेत अन्य रहे।

गार्बेज फ्री सिटी नगर की एक बड़ी उपलब्धि: नगर आयुक्त

नगर आयुक्त डा.विपिन कुमार मिश्रा कार्यक्रम में बच्चों से मिलते हुए। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: स्वच्छ भारत मिशन के कार्यक्रम सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ के अंतर्गत मंगलवार को लीड कॉन्वेंट स्कूल में बच्चों ने रीसाइकल होने वाली सामग्री से विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बनाकर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बच्चों को स्वच्छता के विषय में जागरूक करते हुए नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्रा ने स्वच्छ शाहजहांपुर के संकल्प को पूरा करने में छात्र छात्राओं की बहुत अहम भूमिका है। उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर 33वीं रैंक आने पर सभी का आभार व्यक्त करते हुए नगर को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि गार्बेज फ्री सिटी नगर की एक बड़ी उपलब्धि है और इसमें शहर के निवासियों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है तथा भविष्य में इससे भी बेहतर रैंकिंग के लिए आम नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

कार्यक्रम में नगर आयुक्त डा. बिपिन कुमार मिश्र, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर तराना जमाल , प्रबंधक मो.जमाल, महेंद्र, आईटी एक्सपर्ट सैफ सिद्दीकी, अर्बन कॉर्डिनेटर परितोष मिश्रा तथा टीम के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक एवं मोहक नृत्य के माध्यम से लोगों में रिड्यूस रीयूज, रीसाइकल के प्रति जागरूकता , स्वच्छता तथा गंदगी के दुष्प्रभाव के बारे में बताया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

शाहजहांपुर/जलालाबाद , अमृत विचार: गुनारा गांव में एक व्यक्ति का शव मकान के बाहर पेड़ से रस्सी के फंदे से लटका मिला। परिवार वालों ने सुबह उसका शव लटका देखा। उसका पत्नी से आए दिन विवाद होता था, इस वजह से उसने शराब पीना शुरु कर दिया था। जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुनारा निवासी अच्छू (45) ने सोमवार की शाम रात खाना खाया और एक कमरे में सोने के लिए चला गया। उसने रात में किसी समय उठकर मकान के बाहर स्थित पेड़ से रस्सी का फंदा गले में डालकर लटक गया। परिवार वाले सुबह पांच उठे तो उसका शव पेड़ से लटका हुआ था। मृतक के भतीजे लखन ने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने अच्छू का शव पेड़ से नीचे उतार लिया। उसके पैर जमीन पर छू रहे थे। लखन ने बताया कि उसके चाचा अच्छू की पत्नी बार-बार मायके चली जती थी। अच्छू मजदूरी करके बच्चों का पालन पोषण करता था। उसकी तीन बेटियां और तीन बेटे है। उसका एक बेटा बाहर काम करता है।

बकाया वसूली करें तेज, दलालों पर लगे रोक

- सहकारी बैंक के चेयरमैन ने शाखा प्रबंधकों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

नमो सभागार में सहकारी बैंक समीक्षा बैठक को संबोधित करते चेयरमैन डीपीएस राठौर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिला सहकारी बैंक मुख्यालय स्थित नमो सभागार में सोमवार को शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा बकाया वसूली, एनपीए रिकवरी, ऋण व्यवसाय विस्तार, निक्षेप संचय, उर्वरक उपलब्धता और शाखा अनुशासन।

बैठक की अध्यक्षता बैंक चेयरमैन डीपीएस राठौर ने की। राठौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराई जाए और दीर्घावधि ऋणों जैसे मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन, कृषि ऋण तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत ऋण प्राथमिकता से स्वीकृत किए जाएं। उन्होंने कहा शाखाओं में खुले सभी पुराने व नए खातों की केवाईसी प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराई जाए, ताकि अनियमितताओं पर रोक लग सके।साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी को बढ़ती चुनौती बताते हुए चेयरमैन ने शाखा स्तर पर सतर्कता बढ़ाने को कहा। उन्होंने किसी भी शाखा परिसर में दलालों/बिचौलियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। चेतावनी दी कि यदि किसी भी शाखा में दलाली या बाहरी संलिप्तता पाई गई तो संबंधित शाखा प्रबंधक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों व आम उपभोक्ताओं से अपील की कि वे सीधे शाखा प्रबंधकों व सहकारिता अधिकारियों से संपर्क करें, किसी बिचौलिए पर भरोसा न करें। सहायक आयुक्त सहकारिता ने सभी एडीए अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके अधीन निर्धारित समितियों में उर्वरक का भौतिक सत्यापन कर प्रत्येक माह की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजें। मुख्य कार्यपालक अधिकारी/महाप्रबंधक सौरभ द्विवेदी ने मुख्यालय द्वारा निर्गत रोस्टर के अनुसार समितियों व शाखाओं के लंबित निरीक्षण पूर्ण करने, उनके अनुपालन बिंदुओं पर कार्रवाई दर्ज करने तथा आंतरिक निरीक्षण प्रणाली मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में उपाध्यक्ष अजय कुमार प्रजापति, एडीसीओ बैंकिंग हरिकेश परमार, उपमहाप्रबंधक शकील समे अन्य रहे।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

शांतिपूर्ण-पारदर्शी तरीके से हो आरओ और एआरओ परीक्षा

परीक्षा की सभी तैयारियां समय पूर्ण करने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अधिकारियों को निर्देश देते जिलाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग यूपीपीएससी समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के संबंध में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में 27 जुलाई को आयोजित होने वाली परीक्षा की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में परीक्षा केंद्रों व्यवस्था, सुरक्षा उपाय और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए तैयारियों पर चर्चा की गई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से आयोजित की जाए। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम करने और नकल रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं, श परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र, परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए परिवहन व्यवस्था और परीक्षा के दौरान आवश्यक अन्य सुविधाओं पर भी चर्चा की गई।डीएम ने कहा कि परीक्षा की तैयारियां ससमय पूर्ण कर ली जाएं। सभी उप जिलाधिकारी परीक्षा में उच्च स्तर की निगरानी करेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक समय से अपनी ड्यूटी पर पहुंचें। प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता सुनिश्चित की जाये। केन्द्र पर साफ-सफाई व पेयजल की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। प्रत्येक स्टॉफ का एक पहचान पत्र जारी किया जाए।

45 मिनट पहले तक ही प्रवेश मिलेगा: डीएम ने कहा कि परीक्षार्थियों के बायोमेट्रिक की व्यवस्था ससमय प्रारम्भ कर दी जाए। परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले तक ही प्रवेश मिलेगा। परीक्षा 27 जुलाई को सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से 45 मिनट पहले, यानी सुबह 8:45 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी अभ्यर्थी समय से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और नकलविहीन बनाने के लिए एआइ तकनीक, फेस रिकग्निशन, सीसीटीवी निगरानी और इंटरनेट

● **जिले में 27 केंद्रों पर आयोजित होगी आरओ-एआरओ की परीक्षा**

मीडिया मानिटरिंग जैसे मजबूत इंतजाम किए गए है। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी के जरिये लाइव निगरानी होगी। परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश के समय बायोमेट्रिक सत्यापन होगा। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के समय बायोमेट्रिक सत्यापन और फेस रिकग्निशन तकनीक के जरिये पहचान सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही डबल लेयर फ्रिस्किंग पुलिस व अन्य एजेंसियों द्वारा कराई जाएगी। इलेक्ट्रानिक डिवाइस पूरी तरह रहेंगे प्रतिबंधित। परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रानिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। परीक्षा के दौरान फर्जी खबरों, पेपर लीक या किसी भी अनुचित गतिविधि पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया मानिटरिंग सेल बनाया गया है, जो हर इनपुट पर सतर्क रहेगा। इस दौरान एसपी राजेश द्विवेदी,एडीएम प्रशासन रजनीश मिश्रा, एसपी सिटी देवेंद्र कुमार समेत स्टैटिक, जोनल, सेक्टर मैजिस्ट्रेट सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हिन्दू संगठन ने चमड़ा से भरा ट्रक पकड़ा, ट्रक सीज

शाहजहांपुर अमृत विचार: श्रावण के दूसरे दिन सोमवार रात में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर राष्ट्रीय गोरक्षक संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने चमड़े से भरे ट्रक को पकड़ लिया।

गोरक्षक संघ पदाधिकारियों ने कटरा थाना पर सूचना दी। पुलिस ने चालक और ट्रक को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने ट्रक को सीज कर दिया। इस दौरान गोरक्षक के पदाधिकारियों में रोष व्याप्त है।

बरेली के किला थाना क्षेत्र के मकसूद बरेली के पुराना शहर कटी कुंइया से ट्रक में जानवरों की खाल लोडकर कानपुर की कीडीए कालोनी में स्थित चमड़ा फैक्ट्री लेकर जा रहे थे। सोमवार की रात 10 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर मोहल्ला बिल्लीगंज में खाल से भरे ट्रक को राष्ट्रीय गोरक्षक संघ के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। ट्रक में मीट होने की सूचना पर हिन्दूवादी नेता राजेश अवस्थी भी शहर से कटरा पहुंच गए थे। उन्होंने सीओ तिलहर ज्योति यादव से फोन पर बात की। प्रदेश अध्यक्ष अजीत शर्मा व राजेश अवस्थी ने कांवड़ मार्ग पर खाल से भरे ट्रक को पुलिस के न पकड़ने पर रोष व्याप्त किया। पुलिस ने चालक को हिरासत में ले लिया है और ट्रक को सीज कर दिया है।

पुराने बिजली मीटर की जमानत राशि वापस हो

ज्ञापन सौंपते व्यापार मंडल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● **व्यापार मंडल ने स्मार्ट मीटर से बढ़े बोझ पर जताई आपत्ति**

अमृत विचार: उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश की ओर से पुराने बिजली मीटरों की जमानत राशि वापस करने और स्मार्ट मीटर से बढ़े वित्तीय बोझ को लेकर सोमवार को बिजली विभाग को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन महानगर अध्यक्ष मोहम्मद सलाउद्दीन के नेतृत्व में व्यापारियों ने अधिशासी अभियंता ऋषि पाल सिंह को सौंपा गया। सलाउद्दीन ने कहा विभाग पुराने मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगा रहा है, जो प्रीपेड होंगे। ऐसे में उपभोक्ताओं को पहले से बिजली का भुगतान करना होगा, जबकि पहले बिजली उधारी पर मिलती थी। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर से व्यावसायिक कनेक्शन पर 160 से 200 रुपये और घरेलू कनेक्शन पर 60 से 100 रुपये तक अतिरिक्त भुगतान का बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रीपेड मीटर लगाने से पहले इनकी जांच लीगल मेट्रोलॉजी विभाग से कराना अनिवार्य है और नियमानुसार प्रत्येक वर्ष मीटर की जांच भी होनी चाहिए। जिला वरिष्ठ महामंत्री सुशील कुमार गुप्ता ने मांग की कि स्मार्ट मीटर लगाए जाते समय उपभोक्ताओं को मीटर का मैनुअल और गारंटी कार्ड दिया जाए। साथ ही उपखंड अधिकारी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देने पर उसकी रिसीविंग भी अनिवार्य रूप से दी जाए। ज्ञापन देने वालों में जिला कोषाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, महानगर वरिष्ठ महामंत्री अनूप गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सैयद अनवर मियां, महानगर महामंत्री मोहम्मद रफी, जुबैर खान, पवन गुप्ता, मोहम्मद नदीम नौवीं, शिबू, गोपाल सक्सेना और शाहिद खान मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती को लेकर पॉवर हाउस घेरा

जैतीपुर अमृत विचार: क्षेत्र में चल रही अघोषित बिजली कटौती से त्रस्त ग्रामीणों ने मंगलवार को पावर हाउस पहुंचकर प्रदर्शन किया।

किसानों का कहना है कि बिजली आने-जाने का समय तय नहीं, लाइन बार-बार ट्रिप होने से फसल की सिंचाई बाधित है और पंप और मोटर क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है। मोहब्बतगंज, कुआं डांडा, आलमपुर, सुरजूपुर, बिनौरा, खेड़ा बजेड़ा, गोगेपुर, बाखरपुर सहित दर्जनों गांवों के लोग एकजुट हुए। अवर अभियंता राम सुरेश ने ग्रामीणों की शिकायत सुनते हुए तीन दिन के भीतर आपूर्ति व वोल्टेज स्थिर करने का आश्वासन दिया।

सरकार के खिलाफ सपा का हल्लाबोल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन करते सपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश व सपा मजदूर सभा के प्रदेशीय आह्वान पर सपा मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में सैकड़ों मजदूर सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित पांच सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम न्यायिक सदर प्रियंका चौधरी को सौंपा।

सपाइयों ने मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन किया। मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार विद्यालयों को बंद करा कर गरीब और मजदूर परिवार के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है।

● **सपा मजदूर सभा ने 5 सूत्रीय मांगों को लेकर दिया ज्ञापन**

सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार तानाशाही रवैया अपना रही है, हक की बात बोलने वालों व अपने अधिकार मांगने वालों के खिलाफ थाने में फर्जी मुकदमे लिख दिए जाते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार से मांग की है कि तत्काल मजदूरों की समस्याओं का समाधान किया जाए और बंद स्कूलों के प्रस्ताव को निरस्त किया जाए। विरोध प्रदर्शन में सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, रणजय सिंह यादव, सैयद रिजवान अहमद, जिवेंद्र वाजपेयी, अतिउल्ला सिद्दीकी, विकास चंद्र, चौधरी रामकुमार भोजवाल, जाकिर खान, रामसनेही यादव, राममिलन यादव, उपेंद्र पाल, रामकिशन यादव, सत्येंद्र समेत अन्य मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

संवाददाता,शाहजहांपुर

● **एसडीएम को सौंपा ज्ञापन समस्या निस्तारण की मांग**

जलालाबाद में प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार को किसानों और लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर जलालाबाद की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में जिले के प्रमुख मुद्दों, खरीफ फसल के लिए बिजली आपूर्ति, ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अनियमितता, यूरिया की कमी, और छुट्टा पशुओं की समस्या को उठाया। जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता मुन्ना ने कहा कि कांग्रेस किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं के प्रति गंभीर है। राज्यपाल से ग्रामीण मुद्दों को लेकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। हम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह इन मांगों पर शीघ्र ध्यान देंगे। जिला महासचिव राम जी शुक्ला व उन्नत मिश्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारे जिले के किसान छुट्टा पशुओं और बिजली की कमी से सबसे अधिक प्रभावित हैं। हम जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर इन समस्याओं को उठा रहे हैं और प्रशासन से मांग करते हैं कि किसानों की आजीविका को बचाने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। अवसर पर प्रमुख रूप से बदायूं कॉर्डिनेटर पवन सिंह,जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश बाल्मीकि,अनिल श्रीवास्तव,जिला महासचिव गौरव त्रिपाठी, अरुणोद मिश्रा,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रफी उल हसन,जिला सचिव आशीष सिंह सोमवंशी, रघुवीर प्रसाद,ओमेंद्र यादव,नगर अध्यक्ष जलालाबाद सय्यद तनवीर अली,ब्लॉक अध्यक्ष जलालाबाद सलमान भारती,ब्लॉक अध्यक्ष कलान ओमपाल सिंह यादव,जिला उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस आलोक शर्मा एड,भूदेव,रामलली राठौर,मेहंदी हसन समेत अन्य मौजूद रहे।

सिटी डायरी

वन विभाग के माली की हार्ट अटैक से मौत

मृतक रामू।

खुटार, अमृत विचार : खुटार कस्बे के मोहल्ला पूर्वी गढ़ी निवासी रामू शुक्ला (50) वन विभाग में माली के पद पर तैनात थे। खुटार वन चौकी के बुझिया नर्सरी पर पेड़ पौधों की देखभाल कर पौधों को रोपित करने का कार्य करते थे। मंगलवार को सुबह वह नर्सरी पर पहुँच कर पौधों की देखभाल कर दोपहर लगभग ग्यारह बजे खाना खाने के लिए घर पर पहुंचा ही था। कि अचानक सीने में तेज दर्द उठा और जमीन पर गिर पड़ा। परिजन जब तक कुछ समझ पाते तब तक माली रामू शुक्ला ने दम तोड़ दिया। रामू शुक्ला की मौत होने पर पूरे घर में कोहराम मच गया। मृतक रामू शुक्ला अपने पीछे पिता महेंद्र शुक्ला, पत्नी रेनू शुक्ला, बेटा हिमांशु शुक्ला, बेटी सुनहरी व अंजली शुक्ला को रोता बिलखता छोड़ गया। मृतक रामू शुक्ला की पत्नी बिलख बिलख कर रो रो कर कह रही थी कि, वह अपनी बेटी अंजलि के हाथ कैसे पीले करेगी। जबकि बड़ी बेटी सुनहरी व बेटे हिमांशु की शादी हो चुकी है।

कॉलेज परिसर में टेबल टेनिस अभ्यास करती छात्राएं।

मंडल स्तरीय बालिका टेबल टेनिस के लिए चयनित हुईं बेटियां

शाहजहांपुर, अमृत विचार : डॉ. सुदामा प्रसाद बाल विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित जनपद स्तरीय बालिका टेबल टेनिस प्रतियोगिता में मेजबान छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया और मंडल स्तरीय मुकाबले के लिए चयन पक्का किया। टीम में दिव्या दुबे, अभ्या सिंह, सौन्दर्या वर्मा और आस्था वाजपेयी शामिल हैं। यह चौकड़ी अब 13 अगस्त 2025 को बरेली में होने वाली मंडल स्तरीय बालिका टेबल टेनिस प्रतियोगिता में शाहजहांपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष संतोष कुमार पांडेय, प्रबंधक राजेश कुमार शर्मा, कार्यवाहक प्रधानाचार्या मंजरी यादव तथा क्रीड़ा सचिव कैप्टन राम कुमार ने विजेता को सम्मानित किया।

मैंगो डे के मौके पर मैंगो कॉस्ट्यूम पहने बच्चे।

मैंगो डे पर बच्चों ने पहनी 'आम' जैसी पोशाक

शाहजहांपुर,अमृत विचार : ज्ञाना इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को नेशनल मैंगो डे उत्साहपूर्वक मनाया गया। स्कूल परिसर दिनभर पीले-हरे रंगों और बच्चों की खिलखिलाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की डायरेक्टर तनु यादव ने कहा कि आमों का सीज़न अब समाप्ति की ओर है, ऐसे में बच्चों को प्रकृति के इस लोकप्रिय फल से जोड़े रखने और सीखते-खेलते उत्सव मनाने के लिए मैंगो डे का आयोजन किया गयाप्रिंसिपल शोभा राजपूत ने बच्चों के लिए एक आकर्षक सेल्फ़ी प्वाइंट सजाया, जहां रंगीन कट-आउट और थीमेटिक बैकड्रॉप के बीच बच्चों ने खूब फोटो खिंचवाईं। डायरेक्टर तनु यादव ने भी बच्चों के साथ सेल्फ़ी लेकर उनका उत्साह बढ़ाया।

सपा जिला उपाध्यक्ष और परिवार पर लिखे मुकदमे वापस हो

शाहजहांपुर ,अमृत विचार : सपा के जिला उपाध्यक्ष जिवेन्द्र बाजपेई और उनके परिवार पर दर्ज किए गए मुकदमे के विरोध में मंगलवार को सपाइयों ने एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। सपा पदाधिकारियों ने एसपी राजेश द्विवेदी से मुलाकात कर प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की। आरोप लगाया जलालाबाद के मोहल्ला नवीन नगर निवासी जिवेन्द्र वाजपेई और उनके परिवार वालों पर दबंगों ने हमला किया था, लेकिन तहरीर थाना जलालाबाद प्रभारी निरीक्षक को दे दी गई थी, परन्तु कार्रवाई नहीं हुई।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन - 8979252222, 9457663289

आस्था | परंपरागत ईंटों की जगह छोटे-बड़े प्राकृतिक पत्थरों का उपयोग कर उकेरी गई हैं पहाड़ी एवं गुफा जैसी आकृति

शिवधाम मदनापुर : पत्थरों से गढ़ा दिव्य तीर्थ, सावन में उमड़ती श्रद्धा

संवाददाता, मदनापुर

शिवधाम मंदिर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ओम नमः शिवाय के जयघोष से क्षेत्र का वातावरण गुंजायमान करने वाला शिवधाम मदनापुर सावन मास में विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मदनापुर कस्बे से बुधवाना रोड पर लगभग एक किलोमीटर आगे गांव फिरोजपुर डांडू में स्थित यह आध्यात्मिक परिसर श्री अविकंपन योग आश्रम शिवधाम के नाम से प्रसिद्ध है। वर्ष भर श्रद्धालु यहां भोलेनाथ का रुद्राभिषेक, जलार्पण और पूजन करते हैं, जबकि सावन आते ही दूर-दूर के जनपदों से लाखों भक्त, कांवड़िया और श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है। मेले में धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्थानीय व्यापार को भी बड़ी संजीवनी मिलती है। बदायूं स्थित सोई आश्रम के महंत विदेह नंदिनी शरण महाराज के प्रयासों और भक्तों के सहयोग से वर्ष 2011 में इस शिवधाम का निर्माण कराया गया। स्थानीय समाजसेवी महिपाल सिंह चौहान ने मंदिर निर्माण के लिए अपनी भूमि दान में देकर इस धार्मिक परियोजना को आकार दिया। स्थापना के कुछ ही वर्षों में यह धाम न सिर्फ आसपास के गांवों बल्कि पड़ोसी जनपदों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया। शिवधाम की स्थापत्य शिल्पकला इसकी सबसे बड़ी पहचान है। परंपरागत ईंटों की जगह यहां छोटे-बड़े प्राकृतिक पत्थरों का उपयोग कर पहाड़ी एवं गुफा जैसी आकृति उकेरी गई है, जिससे परिसर में प्रवेश करते ही भक्तों को हिमालयी गुफाओं में स्थित प्राचीन शिवपीठों का अहसास होता है। इसे क्षेत्र के अन्य मंदिरों से अलग पहचान देती है और श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक निकटता का अनुभव कराती है।

श्रावण में हम प्रत्येक सोमवार परिवार सहित शिवधाम पहुंचकर भोलेबाबा का जलाभिषेक करते हैं। आसपास के विभिन्न जनपदों से आ रहे श्रद्धालुओं को देख मन भक्तिभाव से भर जाता है। **-महेश पाल सिंह** ब्लॉक प्रमुख मदनापुर

भोले बाबा के दर्शन से ही सच्चा सुख मिलता है। सावन की शिवतेरस पर मैं ढाई घाट या पांचाल घाट से जल भरकर यहां अभिषेक करता हूं। स्थानीय श्रद्धालु मानते हैं कि शिवधाम से क्षेत्र की सांस्कृतिक एकता मजबूत हुई है और मेलों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सहारा मिलता है। **- सत्येंद्र सिंह राठौर,** शिवभक्त

श्रावण का मेला और बढ़ती आस्था

श्रावण के दौरान शिवधाम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्तों का आगमन होता है, परंतु सोमवारी, शिवरात्रि-समान शिव तेरस और अन्य विशेष तिथियों पर यहां कांवड़ियों की लंबी कतारें लग जाती हैं। विभिन्न जनपदों से व्यापारी अस्थायी दुकानें स्थापित करते हैं। पूजा सामग्री, प्रसाद, खिलौने, खाने-पीने की वस्तुएं और स्थानीय उत्पाद मेले की रौनक बढ़ाते हैं। प्रशासन और समिति द्वारा जल, चिकित्सा एवं व्यवस्था के लिए अस्थायी शिविर भी लगाए जाते हैं।

सिटी ब्रीफ

आज कक्षा एक से 12 तक के स्कूल रहेंगे बंद

बदायूं, अमृत विचार : श्रावण मास की शिव तेरस की वजह से भारी वाहनों के आवागमन पर प्रबंधित किया गया है। जिसके चलते डीएम ने परिषदीय सहित सभी बोर्ड के मान्यता प्राप्त कक्षा एक से 12 तक के स्कूलों को बंद रखने के आदेश दिए हैं। 24 जुलाई को सभी स्कूल अपने निर्धारित समय पर खुलेंगे।

किसानों को नहीं मिल रही खाद

विजय नगला, अमृत विचार : पिछले दो दिनों से समिति पर खाद बंद पड़ी है। सचिव और लेखाकार के अनुपस्थित रहने की वजह से समिति में ताला लटका हुआ है। इससे किसान परेशान हैं। फसल को नुकसान से बचाने के लिए वह निजी दुकानों से अधिक दामों में खाद खरीदने के लिए विवश हैं। ब्लॉक सलारपुर क्षेत्र के गांव असिर्स बर्खिन में बनी सहकारी समिति पर दो दिन पूर्व खाद कृषि विभाग द्वारा पहुंचाई गई थी। लेकिन अभी तक उसका वितरण शुरू नहीं हो सका है। धनवेश सिंह, अशोक कुमार, मुकेश कुमार, नरदेव आदि किसानों ने बताया कि बीते दो दिनों पहले समिति पर यूरिया ट्रक उतरा था। जिसका वितरण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। समिति कर्मचारियों का कहना है कि खाद पर्याप्त मात्रा में हैं, लेकिन उसका अभी वितरण नहीं होगा। क्योंकि समिति के कर्मचारी गैरहाजिर हैं और कार्यालय नहीं आ रहे हैं।

कार्यालय की छत का प्लास्टर गिरा

विजय नगला, अमृत विचार : विकास क्षेत्र सालारपुर में बाल विकास परियोजना का कार्यालय जर्जर हो गया है। सीडीपीओ ने मरम्मत कराने के लिए गई बार मुख्यालय पर पत्राचार करके अवगत कराया लेकिन अभी तक संज्ञान नहीं लिया गया। मंगलवार को छत का प्लास्टर अचानक गिर गया। इससे सुपरवाइजर बाल बाल बच गईं। सुपरवाइजर संतोष कुमारी मंगलवार दोपहर कार्यालय में बैठी थीं। इसी दौरान कार्यालय की छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर गिर गया। सुपरवाइजर भागकर कार्यालय के बाहर आ गईं। शोर सुनकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पहुंचीं। कार्यालय के कर्मचारियो ने अधिकारियों को सूचना दी।

बच्चियों को ले जाने का प्रयास, पुलिस

बदायूं, अमृत विचार : स्कूल से लौट रहे दो बच्चियों को दो लोगों ने टॉफी देकर बाइक पर बैठाने का प्रयास किया। बाइक सवार दो युवक बच्चियों के पास आए और अपना रिश्तेदार बताया। बच्चियों ने पहचानने से इंकार कर दिया और शोर मचा दिया। मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। आरोपी बच्चियों से मारपीट करके छोड़कर भाग गए। बच्चियां रोते हुए घर पहुंचीं और परिजनों को बताया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। मामले का संदिग्ध बता रही है।

डीजे बजाने को लेकर दो लोगों में मारपीट

उसहैत, अमृत विचार : पटना देवकली मंदिर से जलाभिषेक करके लौट रहे जिला कासगंज के गांव बंगसनगर निवासी मोहित पुत्र किताब सिंह, उसहैत निवासी सचिन लालू के बीच डीजे को लेकर बहस हो गई। गांव दारानगर बछेली में मारपीट हो गई। जिसमें मोहित घायल हो गए। बाद में बंगसनगर के ग्रामीणों ने पहुंचकर हंगामा किया। सूचना पर पुलिस पहुंची। घायल को भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव : मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए न्याय पंचायत स्तर पर तैनात होंगे पर्यवेक्षक

14 अगस्त से शुरू होगा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम को हरी झंडी दे दी गई है। आगामी 14 अगस्त से गांव-गांव में मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य शुरू होगा। इसके लिए तीन हजार मतदाताओं पर एक बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) की ड्यूटी लगाई जाएगी, जबकि न्याय पंचायत स्तर पर पर्यवेक्षक तैनात होंगे।

जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से तहसीलवार बीएलओ व पर्यवेक्षक बनाने की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जा रही है। नियुक्ति के बाद बीएलओ डोर-टू-डोर सर्वे शुरू करेंगे। जिले की 1036 ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य और जिला पंचायत सदस्य के लिए आगामी वर्ष चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर जहां प्रत्याशियों ने जनसंपर्क शुरू कर दिया है, वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

- मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए न्याय पंचायत स्तर पर तैनात होंगे पर्यवेक्षक
- तीन हजार मतदाताओं पर लगाई जाएगी एक बीएलओ की ड्यूटी
- तहसीलवार बीएलओ व पर्यवेक्षक बनाए जाने को कर्मचारियों का चयन करने की प्रक्रिया हुई तेज

एसडीएम की देखरेख में तैयार हो रही सूची : सभी एसडीएम को राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश भेज दिए गए हैं। एसडीएम की देखरेख में कर्मचारियों को बीएलओ और पर्यवेक्षक बनाने की सूची तैयार हो रही है। जल्द ही नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर बीएलओ की ड्यूटी मतदान केंद्रों पर लगा दी जाएगी।

न्याय पंचायत स्तर पर होंगे पर्यवेक्षक नियुक्त

न्याय पंचायतवार पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। इसके लिए राजस्व निरीक्षक, एडीओ पंचायत, कृषि निरीक्षक और सीनियर बेसिक स्कूल के शिक्षकों को लगाया जाएगा। अगर किसी न्याय पंचायत में 20 से अधिक मतदेय स्थल हैं तो वहां अतिरिक्त पर्यवेक्षक भी नियुक्त किए जाएंगे।

बीएलओ का होगा मतदान केंद्रवार आवंटन

सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रमेंद्र पटेल ने बताया कि प्रत्येक तीन हजार मतदाताओं पर एक बीएलओ की तैनाती की जाएगी। किसी ग्राम पंचायत में मतदाताओं की संख्या अधिक होने पर वहां अधिक बीएलओ लगाए जाएंगे। बीएलओ के रूप में लेखपाल, जूनियर बेसिक शिक्षक, शिक्षामित्र और अन्य राज्य कर्मचारियों को ड्यूटी पर लगाया जा रहा है। पूर्व में पुनरीक्षण कार्य कर चुके बीएलओ को प्राथमिकता दी जाएगी। बीएलओ की ड्यूटी एक ही मतदान केंद्र पर लगाई जाएगी। एक से अधिक मतदान केंद्र का आवंटन नहीं होगा ताकि कार्य में सरलता रहे।

डीएम स्तर से होगी समीक्षा

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बीएलओ की ड्यूटी मतदान केंद्रों पर लगाई जा रही है। न्याय पंचायत स्तर पर पर्यवेक्षक नामित किए जा रहे हैं। 14 अगस्त से पुनरीक्षण कार्य शुरू हो जाएगा। इसकी समीक्षा जल्द ही डीएम स्तर से की जाएगी।

डॉ. प्रमेंद्र पटेल, सहायक निर्वाचन अधिकारी

अवैध आरा मशीनों पर सख्ती वन विभाग का सत्यापन शुरू

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जनपद में 104 आरा मशीनों का है रजिस्ट्रेशन

अमृत विचार : वन विभाग ने जिले में अवैध आरा मशीनों पर कार्रवाई की तैयारी कर ली है। जिले में कुल 104 आरा मशीनें पंजीकृत हैं, जबकि सात मशीनों का रजिस्ट्रेशन होना बाकी है। विभाग ने साफ किया है कि पंजीकरण के बिना संचालित किसी भी मशीन को चिन्हित कर उसे जब्त कर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

डीएफओ डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने बताया कि पांच हजार हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्र वाले जिले में कटान की घटनाओं पर रोक लगाने को सख्ती बरती जा रही है। इसके बावजूद सहसवान क्षेत्र के मालपुर ततेरा जंगल से चोरी-छिपे पेड़ काटकर आरा मशीनों पर भेजे जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इसको देखते हुए पूरे जिले की आरा मशीनों का पुनः सत्यापन शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि सहसवान, बिल्सी, बिसौली, दातागंज, उसहैत, उसावा म्याऊ, हजरतपुर और अलापुर समेत अन्य वन क्षेत्रों के रेंजरों को अपने-अपने क्षेत्रों में जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। कहीं भी अवैध आरा मशीन मिलने पर उसे तत्काल सील कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीएफओ ने बताया कि इसी माह में सत्यापन का कार्य पूरा कराया जाएगा। मशीनों का रजिस्ट्रेशन न होने तक संचालन प्रतिबंधित रहेगा।

पौधरोपण अभियान जारी, 55 लाख पौधे रोपे : डीएफओ डॉ. वर्मा ने बताया कि एक जुलाई से शुरू हुआ अभियान तेजी से चल रहा है। 55 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। विभाग के अधिकारी स्थलों का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों को पौधों की सुरक्षा के लिए जागरूक कर रहे हैं।

गांवों को गोद लेकर विकास करेंगे संपन्न लोग

मातृभूमि योजना में विकास का खाका खीचेंगे धनाढ्य, पोर्टल पर होगा पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने ग्रामीण विकास को गति देने के लिए मातृभूमि योजना की शुरुआत कर दी है, जिसमें बदायूं जिले को भी शामिल किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से संपन्न लोगों और एनआरआई को जोड़कर जिले के गांवों का विकास कराया जाएगा। योजना के तहत 60 प्रतिशत खर्च धनाढ्य व्यक्ति वहन करेगा, जबकि 40 प्रतिशत धनराशि सरकार खर्च करेगी।

शासन स्तर से आदेश मिलते ही पंचायती राज विभाग ने योजना को लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। डीपीआरओ यावर अब्बास के नेतृत्व में एडीओ पंचायत और ग्राम सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जिले और अन्य स्थानों पर रहने वाले ऐसे अमीर लोगों की तलाश करें, जो गांवों का विकास कराने में रुचि रखते हों।

- गांव में विकास कार्य कराने के लिए सरकार से मिलेगा 40 प्रतिशत अनुदान
- पंचायती राज विभाग को दी गई है साधन संपन्न व्यक्तियों की खोज करने की जिम्मेदारी

> बदायूं जिले में मातृभूमि योजना के तहत अमीर व्यक्तियों की मदद से गांवों का विकास कराया जाएगा। विकास कार्यों में 40 प्रतिशत धनराशि सरकार देगी और 60 प्रतिशत खर्च दाता करेगा। योजना को लागू करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।
> –**यावर अब्बास**, डीपीआरओ बदायूं

अमीर व्यक्ति को गांव गोद लेना होगा

योजना के तहत कोई भी संपन्न व्यक्ति या एनआरआई एक गांव गोद ले सकेगा, जहां वह अपनी पसंद के विकास कार्य कराएगा। गांव में विकास कार्य पूरा होने के बाद उस व्यक्ति के नाम की शिलापट्टिका भी लगाई जाएगी।

बदायूं के गांवों में कराए जा सकेंगे ये काम

- परिषदीय स्कूलों में कक्षा निर्माण स्मार्ट क्लास की स्थापना
- सामुदायिक भवन और बारात घर का निर्माण
- प्राथमिक चिकित्सा केंद्र और पुस्तकालय का निर्माण
- ऑडिटोरियम, स्टेडियम, व्यायामशाला आदि कार्य
- ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

गांव गोद लेने और विकास कार्य कराने के इच्छुक अमीर व्यक्ति को पंचायती राज विभाग के मातृभूमि पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा। इसमें नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी दर्ज करनी होगी।

खबरें www.amrit vichar.com पर भी पढ़ें

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
नि:शुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी
BTE CODE - 2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानानकार बहेड़ी, बरेली
DSR PUBLIC SCHOOL
Approved By - CBSE BOARD (NEW DELHI)
Affiliation No : 2132019 (NC to XIIth)
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

शहर में स्मृति द्वार बनाने को लेकर हिंदू महासभा ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- विभिन्न मांगों को लेकर डीएम कार्यालय पर पहुंचे लोग
- हिंदुओं पर हमले के विरोध में निकाला पैदल मार्च

अमृत विचार : हिंदू महासभा ने मंगलवार को धरना प्रदर्शन कर कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च किया। हिंदू महासभा ने मुख्यमंत्री को भेजे चार सूत्रीय ज्ञापन से मांग की है कि राजा महिपाल के नाम से शहर के चारों ओर स्मृति द्वार बनाए जाएं। सिविल जज न्यायालय को जाने वाली रोड का राजा महिपाल किला रोड के नाम से नामकरण किया जाए।

मंगलवार को हिंदू महासभा ने मालवीय आवास गृह पर धरना प्रदर्शन किया और डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के राजा महिपाल की राजधानी बदायूं रहा है। इस शहर की पहचान को नष्ट करने के लिए शुरू से ही मुस्लिम आक्रांताओं ने इसे निशाना बनाया। अल्पसंख्यक समाज के लोग ही नगर पालिका के चेयरमैन बने रहे। नगर पालिका चेयरमैन शब्बीर हसन खां ने रामलीला ग्राउंड के दरवाजे पर मरम्मत के बहाने अपना नाम दर्ज करा लिया। जबकि रामलीला ग्राउंड में प्रतिवर्ष रामलीला होती है। नगर पालिका परिषद में बनी गांधी लाइब्रेरी का नाम बदल कर रजा लाइब्रेरी कर दिया गया है। जो गलत है।

लालपुल से उझानी मार्ग पर हजरत सुल्तान आरफीन द्वार बनवाया गया। नगर पालिका द्वारा बाबा ए शाहिद ए बगदाद गेट सरकारी पैसे से बनवाया गया है। इसके अलावा हजरत शाह विलायत गेट बनवाया गया है। आरोप लगाया कि सरकारी पैसे से इस्लामीकरण के उद्देश्य से यह कार्य किए गए। ज्ञापन में कहा गया है कि उक्त कार्य की जांच कराई जाए।

कहा कि रोड व बिल्सी मोड़ (बिजनौर हाईवे) पर राजा महिपाल की स्मृति में मूर्ति स्थापित की जाए। राजा महिपाल की याद में जिले का नाम महिपाल नगर रखा जाए। एक उद्यान बनाया जाए। नगर में बरेली व फर्रुखाबाद की ओर प्रवेश द्वार बनाए जाएं। नीलकंठ महादेव मंदिर का वाद सिविल जज सीनियर डिविजन, न्यायालय में चल रहा है, जिसको जाने वाले रोड का नामकरण राजा महिपाल किला रोड रखा जावे। अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल ने कहा कि अब सरकार को चार सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया है। इस मौके पर सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

बुखार के मरीजों से ओपीडी फुल, श्वांस रोगी भर्ती

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- जिला अस्पताल में पहुंचे एक हजार से अधिक मरीज
- बुखार और श्वास के गंभीर मरीजों को कराया गया भर्ती

अमृत विचार : गर्मी और उमस से जूझ रहे लोग अब बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। बुखार और टाइफाइड के 14 गंभीर मरीजों को भर्ती किया गया। मंगलवार को करीब एक हजार से अधिक मरीजों ने ओपीडी से दवा ली। तेज गर्मी में श्वास रोगियों की संख्या बढ़ रही है। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी और उमस जब तक रहेगी, बीमारी बढ़ती रहेगी।

गर्मी और उमस से जूझ रहे लोग बुखार और टाइफाइड के शिकार हो रहे हैं जिससे जिला अस्पताल में प्रतिदिन भीड़ बढ़ रही है। मंगलवार को जिला अस्पताल ने करीब एक हजार से अधिक मरीजों ने पर्चे बनवाए। इन मरीजों में से 4 सौ मरीज बुखार और टाइफाइड के थे जबकि 100 से अधिक मरीज श्वास रोगी थे। इनमें से 14 गंभीर मरीजों को भर्ती किया गया। जबकि अन्य को दवा देकर भेज दिया गया। मेडिकल वार्ड बुखार और श्वास रोगियों से फुल हो चुका है। वार्ड में दोनो ओर मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। एक ओर 20 बेड हैं जबकि दूसरी ओर भी बीस बेड हैं। श्वास और बुखार के मरीजों को इसी वार्ड में भर्ती किया जाता है।

ओपीडी से बाहर लगी मरीजों की लाइन। ● अमृत विचार

फिजीशियन डा राजेश वर्मा ने बताया कि आज अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक मरीज हैं। क्योंकि अब गर्मी और उमस से बीमारियां बढ़ने लगी हैं। तेज गर्मी के बाद जो लोग डंठा पानी पीते हैं या फिर एसी में बैठ कर बाहर निकलते हैं उन्हे बुखार आता है। 50 साल से ऊपर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उन्होने कहा कि इस समय धूप से लोगों को बचना होगा।

टीबी के मरीजों को मिलेगी दस- दस दिन की दवा : जिला अस्पताल स्थित क्षय रोग केंद्र पर अब मरीजों को 10-10 दिन की दवा दी जाएगी। पहले 15 दिन की दवा दी जाती थी। दवाओं की कमी के चलते दस दिन की दवा दी जा रही है सीएचसी पर पन्द्रह दिन की ही दवा दी जाती है। जिला मुख्यालय पर अधिक मरीज आते हैं इसलिए दवाएं कम पड़ जाती हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. विनेश कुमार ने बताया कि जल्द ही और दवाएं आने वाली हैं फिर कोई दिक्कत नहीं होगी अभी दस दिन की दवा प्रत्येक मरीज को दी जा रही है।

यूनानी अस्पताल में डाक्टर कौशल कुमार आए

जिला अस्पताल स्थित यूनानी अस्पताल में बांदा से ट्रांसफर होकर डाक्टर कौशल कुमार ने यहां पहुंच कर ज्वाइन कर लिया है जिसके बाद अब यूनानी अस्पताल में फिर से दो डाक्टर हो गये हैं। यूनानी डाक्टर मोहम्मद अफजल का पिछले दिनों यहां से अलीगढ़ को ट्रांसफर हो गया था। जिसके बाद यूनानी अस्पताल में केवल एक महिला डाक्टर सोनी सलीम थीं। उन पर सखानू और शेखूपुर का भी चार्ज था डॉ. कौशल कुमार ने बताया कि अब यूनानी अस्पताल में मरीजों को लौटना नहीं पड़ेगा।

सोलर फर्टिलिटी क्लिनिक

30 वर्ष कार्यकाल 9000 से अधिक सफलता

महिला या पुरुष दोनों में संतानहीनता या सेक्स दुर्बलता की जांच व इलाज के लिए मिलें।

चिकित्सक

डॉ. वंदना संजीव (MBBS, MD, MIAP) Female Fertility and IUI Consultant

महिलाओं में हार्मोन्स विकार, अनियमित माहवारी, PCOS मोटापा, इन्फेक्शन बार बार होने वाले गर्भपात बंद नलियों या अंडों के न बनने जैसे संतानहीनता के समस्त कारणों की जांच व इलाज

जरूरी मामलों में दर्द रहित कृत्रिम गर्भाधान (IUI)

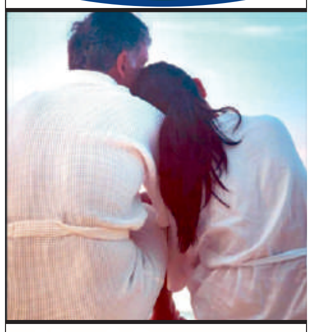

डॉ. संजीव कुमार (MBBS, MD, MIAP) Male Fertility and Sperm Biotech Specialist & Male/Female Sex Specialist

पुरुषों में शुक्राणु संबंधी सभी कमियों, निल शुक्राणु आदि की जांच व इलाज।

पुरुषों महिलाओं में सेक्स समस्याओं की वैज्ञानिक जांच व इलाज

निल शुक्राणु वाले लाइलाज मामलों में गर्भधारण हेतु शुक्राणु बैंक व कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा

सम्पर्क

प्रातः 11 से 2 बजे सायं 6 से 7 बजे

रविवार बन्द

सोलर फर्टिलिटी एवं सेक्स क्लीनिक

साकेत कॉलोनी, 148-सिविल लाइन्स, समीप एक्सिस बैंक व चौकी चौराहा, बरेली

मो. 9927788842 0581-2510177

खुदी सड़क और कीचड़ से लोग परेशान

कुरैशियन मोहल्ले के निवासियों की शिकायत के बाद भी निस्तारण नहीं किया

संवाददाता, इस्लामनगर

सड़क पर भरे कीचड़ से गुजरते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई अब मोहल्ले वालों के लिए सिरदर्द बन गई है। इस्लामनगर के मोहल्ला कुरैशियन में सड़क खोदने के बाद कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे गलियों में कीचड़ भर गया है। मोहल्ले में कीचड़ से भरी सड़क से निकलना मुश्किल हो रहा है। गंदे पानी से मच्छर पनपने लगे हैं और पूरे मोहल्ले में तेज दुर्गंध फैल रही है।

मोहल्ले के लोगों का कहना है कि पानी जमा है, मच्छर काटते हैं और बदबू इतनी है कि सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। बारिश के चलते सड़क कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। इन पर चलकर बच्चे और बुजुर्गों को दिक्कत होती है। इसके अलावा दो पहिया वाहन चालकों को फिसलने का डर बना रहता है।

मोहल्ले के लोगों ने कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। स्थानीय निवासियों ने नगर पंचायत प्रशासन और जिला प्रशासन से मांग की है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की निगरानी की जाए और समय पर गड्ढों को भरकर सड़क दुरुस्त कराई जाएं। ताकि आम जनजीवन सामान्य हो सके।

क्या कहते हैं मोहल्ले के लोग -

जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन तो डाल दी गई, लेकिन सड़क को खोदकर छोड़ दिया गया। अब गड्ढों में पानी भर जाता है, आए दिन लोग गिरते हैं। लोग रात को नहीं निकल पा रहे हैं। -मोनिस

सड़क खोदकर छोड़ दी गई है। महीनों से न तो मरम्मत हुई है और न ही कोई देखने आया है। बारिश में तो इस सड़क की हालत बहुत खराब हो जाती है। इस सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। -आरिफ

नालियां जाम हैं और सड़क पर कीचड़ फैला रहता है। कीचड़ से पूरे मोहल्ले में तेज दुर्गंध फैल रही है। कीचड़ से मोहल्ले के लोगों में संक्रामक बीमारियों का खतरा सता रहा है -भूरे

हर दिन बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल होता है। कपड़े और जूते कीचड़ से खराब हो जाते हैं। कई बार बच्चे फिसल चुके हैं। मोहल्ले के लोगों में इस समस्या को लेकर भारी रोष है। -राशिद खान

सड़क खराब हो गई है। गली में कीचड़ की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल है। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। -राशिद कुरैशी

जल जीवन मिशन द्वारा सड़क की खुदाई के बाद गड्ढे भरने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली। मोहल्ले के लोगों को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। जिला प्रशासन इस ओर संज्ञान लेकर समस्या से निजात दिलाए। -अनवर खान

अवैध पैथालॉजी और अस्पताल की सूची तलब

बदायूं: जिले में झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध पैथोलॉजी लैब का जाल फैलता जा रहा है। इसी को लेकर एडी हेल्थ ने सीएमओ को पत्र भेजकर जिले में संचालित अवैध अस्पतालों, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी लैब और झोलाछाप चिकित्सकों की सूची तत्काल उपलब्ध कराने को कहा है। साथ ही अब तक की गई कार्यवाही की रिपोर्ट भी मांगी है। एडी हेल्थ के पत्र से सीएमओ कार्यालय में हड़कंप मचा है और जवाब तैयार करने के लिए आंकड़े जुटाए जा रहे हैं।

जिले की 22 लाख से अधिक की आबादी के बीच स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा गई हैं। नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों और 15 ब्लॉकों के गांव-शहरों में धड़ल्ले से अवैध नर्सिंग होम और झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानें संचालित हो रही हैं। शिकायतों के बावजूद लंबे समय से कार्रवाई ठंडे बस्ते में है। अब एडी हेल्थ के निर्देश के बाद झोलाछापों और अवैध पैथोलॉजी लैब के खिलाफ अभियान चलाने की तैयारी हो रही है।

हाल ही में सहसवान में एक झोलाछाप अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत के बाद मामला तूल पकड़ गया था। सीएमओ डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने उस अवैध अस्पताल को सील कराते हुए संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बावजूद सहसवान सहित कई क्षेत्रों में झोलाछाप बेखौफ अपना कारोबार कर रहे हैं।

किसानों की समस्याओं पर कांग्रेस ने जिले में किए प्रदर्शन

किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करते कांग्रेसी। अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

- दातागंज और बिल्सी तहसील में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन
- किसानों को बिजली खाद पानी भी नहीं दे पा रही है सरकार, खेत सूख रहे

अमृत विचार : किसानों की समस्याओं को लेकर मंगलवार को कांग्रेस की तहसील कमेटियों ने धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन में समस्याओं का जल्द निराकरण करने की मांग की गयी है।

बिल्सी में जिला महासचिव आलोक सिंह ने किसानों को बताया कि किस प्रकार ये सरकार किसानों का उत्पीड़न कर रही है, जिला उपाध्यक्ष सुनीता सिंह ने कहा किसानों की मूलभूत आवश्यकता खाद पानी ही है उसे भी सरकार नहीं दे पा रही है। किसानों की आय दोगुनी करने का झूठा वादा करके किसानों के वोट लिए फिर एमएसपी. तक नहीं दी। इसके बाद किसान नारे लगाते हुए उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने उपजिलाधिकारी बिल्सी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उपासना सिंह, अनिल उपाध्याय, योगेश शर्मा, आलोक कुमार सिंह, अनिल उपाध्याय, योगेश शर्मा, अनुग्रह सिंह, संतोष सिंह, श्रीपाल सिंह, गफरुद्दीन, दीपक शर्मा, श्रीपाल सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, गंगा शाक्य, फखरुद्दीन, अजमतीन, हसानुद्दीन, मनीष, संतोष कुमार सिंह, आदि रहे।

दातागंज में जिला अध्यक्ष अजीत सिंह यादव मंगलवार को जुलूस की शक्ल में तहसील कैंपस पहुंचे और वहां एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर धर्मेंद्र कश्यप, गिरीश चंद्र यादव, गौरव यादव, नितेश यादव, रईस अहमद, गुड्डू श्याम सिंह कश्यप, फितरत अली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

29 को होगा मोबाइल कोर्ट का आयोजन

बदायूं, अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने बताया कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत सुदूरवर्ती पिछड़े क्षेत्रों, ग्रामीण इलाकों के दिव्यांगजनों को विभिन्न योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए 29 जुलाई को मोबाइल कोर्ट का आयोजन राजकीय महाविद्यालय में होगा। जिसमें दिव्यांगजन अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए शिकायत कर सकेंगे। इसके बाद उनकी शिकायतों का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने समय पर दिव्यांग जन को मौके पर पहुंचने की अपील की है।

SEXOLOGIST

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैंने बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैंने 40 दिन ईलाज कराया आज मैं पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, धात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ़ गया है।

मैं सतीश, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चुके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चुके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बेडौल होना, जोड़ों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवाएँ खुद तैयार करते हैं दवाएँ सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवाएँ देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चुके हैं जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट

डा.शेख

Best Sexologist in india आयुर्वेदा

मिलें हर मंगलवार ईसाईयों की पुलिया निकट सैटेलाइट बस स्टैण्ड बरेली

9837023223

देव महादेव करो दास से न कोई भेद...

गोष्ठी में काव्यपाठ करते कवि पवन शंखधार।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश हिन्दी प्रचार समिति की ओर से काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष काशीनाथ वर्मा के गोष्ठी के आरंभ करने के बाद डॉ. अरविंद धवल ने वंदना सुनकर शुरुआत की।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. गीतम सिंह ने पढ़ा कि प्यार को आजमाना जरूरी नहीं, रोज मिलना मिलाना जरूरी नहीं। पवन शंखधार ने पढ़ा कि हमारी आन है हिन्दी, हमारी शान है हिन्दी, कबीरा, सूर ,तुलसी की रही अभिमान है हिन्दी। विनोद सूर्यवंशी बदायूंनी ने कहा कि जो कोई शख्स शोलों को हवा देता है, इक दिन अपना मकां खुद वो जला लेता है।

शायर समर बदायूंनी ने शेर पढ़ा कि किसी को आजमा कर क्या करूंगा, मैं खुद को आजमाना चाहता हूं। षट्वदन शंखधार ने छंद सुनाया कि देव महादेव करो दास से न कोई भेद, छोड़ कैलाश अब बसुधा पे आइए। विष्णु गोपाल अनुरागी ने कहा कि हर हर गंगे महादेव को मचा रहे हुड़दंग हैं, रंगे हुए हैं कांवड़िए सब शिव भोले के रंग हैं, जलाभिषेक करने को पैदल गंगा जल भरकर लाए, ध्वजा तिरंगा भगवा डी जे शिवभक्तों के संग है।

प्रदीप दुबे, पीयूष वर्मा, लक्ष्य वर्मा, मृत्युंजय शंखधार, हृदयेन्द्र शंखधार,देव शंखधार, सुरेश शर्मा, महक वर्मा, रमेश चन्द्र शर्मा, वीना मिश्रा, प्राची शंखधार, अखिलेश मिश्र, मनोज यादव, रंजीत शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में सौम्या प्रथम

संवाददाता, बिल्सी

मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार : मंगलवार को बाबा इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों को कला के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए हुई मेहंदी प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने कागज एवं हाथ पर सुंदर डिजाइन उकेर कर सभी को मुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रकार की नई-नई डिजाइन की मेहंदी लगाई। प्रतियोगिता में कक्षा-6 में दीपांशी माहेश्वरी, कक्षा- 7 में स्वस्ति वार्ष्णेय, कक्षा-8 में पूर्वी माहेश्वरी, कक्षा-9 में नव्या, कक्षा-10 मोनिका, कक्षा-11 में वैष्णवी माहेश्वरी, कक्षा-12 में सौम्या माहेश्वरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय एवं विद्यालय निर्देशिका साधना वार्ष्णेय ने बच्चों को मेंहदी के सांस्कृतिक महत्व से परिचित करवाया । प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी भी मौजूद रहीं।

40 लाख मिले अब सिम रिचार्ज होंगे

बदायूं, अमृत विचार: परिषदीय स्कूलों में सिम रिचार्ज न होने की वजह से बंद पड़े टैबलेट अब शुरू हो जाएंगे। राज्य परियोजना की ओर से विभाग को करीब 40 लाख का बजट भेजा है।

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों के प्रधानाचार्य को ऑनलाइन सूचनाएं भेजने के लिए टैबलेट दिए गए हैं। बीएसए वीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सिम रिचार्ज करने के लिए पिछले दिनों बजट मिला था। जिसे स्कूलों में भेज दिया गया है। इसके बाद काम में कोताही पर सख्त कार्रवाई होगी।

टनकपुर-अछनेरा ट्रेन 31 अक्टूबर तक चलेगी

बदायूं, अमृत विचार : इज्जत नगर रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु चलाई जा रही टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार किया गया है जो अब 4 अगस्त से 31 अक्टूबर, तक कर दिया गया है। ट्रेनों के संचालन की समय सारिणी भी जारी कर दी गयी है।

यह विशेष गाड़ी टनकपुर एवं अछनेरा से 31 अक्टूबर तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, वृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं शनिवार को चलायी जायेगी।

इस गाड़ी का मार्ग, ठहराव एवं रेक संरचना पूर्ववत रहेगा । टनकपुर-अछनेरा विशेष गाड़ी टनकपुर से 4.35 बजे प्रस्थान कर खटीमा से 5. बजे, पीलीभीत से 5.32 बजे, भोजीपुरा से 6.5 बजे, इज्जतनगर से 6.22 बजे, बरेली सिटी से 6.45 बजे, बरेली जं. से 6.57 बजे, चलकर बदायूं पहुंचेगी। यहां से 7.40 बजे,ऊझानी मथुरा जं० से छूटकर अछनेरा 12.30 बजे पहुंचेगी ।

राजमार्ग पर गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सावन की शिव तेरस को श्रद्धालु भगवान शिव का करेंगे जलाभिषेक
- कांवड़ मार्ग को सुरक्षित करने के लिए रुट किया गया है डायवर्ट
- डीजे पर बज रहे शिव भजनों पर झूमते गाते शिवधाम की ओर बढ़ रहे कांवड़िया

अमृत विचारः बुधवार को शिवतेरस है। सावन में शिवतेरस का भी महत्व है। केसरिया पोशाक में कांवड़िया बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए कछला गंगा घाट से गंगाजल लेकर लौट रहे हैं। कई संस्थाएं कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर लगाकर उन्हें कई सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। बरेली मथुरा राजमार्ग केसरिया ध्वज से पटा पड़ा है। हर ओर यही ध्वज दिखाई दे रहा है।

सोमवार के साथ ही शिव तेरस का भी अधिक महत्व है। शिव तेरस पर भगवान शिव का जल से अभिषेक करने के लिए कछला गंगा घाट पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की जुटी भीड़ गंतव्य को लौट रही है। बरेली मथुरा हाईवे पर वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। भारी संख्या में गंगा जल लेने के लिए कछला गंगा घाट की ओर जा शिवभक्त रहे हैं। यह भक्त शिव तेरस पर निर्धारित शिव मंदिर में जल से अभिषेक करके अपनी कांवड़ यात्रा संपन्न करेंगे।

जल भरने के लिए कछला पुल पर जुटी कांवड़ियों की भीड़। ● अमृत विचार

भगवा पोशाकों में सजे शिव भक्तों की सेवा भाव में लगे शिविरों में भी श्रद्धालुओं द्वारा इन शिव भक्तों की सेवा हो रही है। गंगा घाट से जल भर कर अपने गंतव्य की ओर से लौट भी रहे हैं। ट्रेक्टर ट्राली पर रखे डीजे पर बज रहे शिव भजनों पर कांवड़ियां मस्ती में झूमते हुए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

दिन में आराम, रात में पदयात्रा : कछला गंगा घाट से कांवड़ के साथ प्रस्थान के बाद कांवड़िये अधिकतर पैदल यात्रा रात में कर रहे हैं। तपते सूर्य से बचने के लिए शिवभक्त दिन में हाईवे के किनारे होटल, ढाबा तथा पेड़ों की छांव में आराम कर रहे हैं। सुबह-शाम मौसम में नरमी आने के बाद उनकी यात्रा फिर शुरू हो रही है। शिव भक्तों के कदम तब तक नहीं रुक रहे हैं जब तक थकान से तन-मन चूर नहीं हो जाता। बीच रास्ते में जगह जगह बने शिविर कांवड़ियों को राहत दे रहे हैं। इन पर रुक कर वह थोड़ा आराम कर रहे हैं। इससे उन्हें सुविधा मिल रही है।

छुट्टा पशुओं से कांवड़िया परेशान

झझानी, अमृत विचार : उझानी बरेली कासगंज हाईवे पर छुट्टा गोवंशों का झुंड सोमवार को दौड़ता रहा जिससे कांवड़ियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर पालिका प्रशासन इस अव्यवस्था पर ध्यान नहीं दे रहा है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

जिला प्रशासन ने बरेली मथुरा हाईवे को पूरी तरह साफ रखने की जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन को सौंपी है। रूट डायवर्जन किया गया जिससे कांवड़ियों को किसी तरह की दिक्कत न हो। लेकिन सड़कों पर कांवड़ियों के वाहनों के आगे छुट्टा पशु आ जा रहे हैं। इससे वह असहज हो रहे हैं। पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने का काम भी नगर पालिका प्रशासन नहीं कर पा रहा है। वह मौन साधे बैठा है। हाईवे पर छुट्टा गौवंश घूम रहा है।

सिटी ब्रीफ

पत्नी को ले गया प्रेमी पति ने दर्ज कराई रिपोर्ट

विजय नगला,अमृत विचार : पति की अनुपस्थिति में उसकी पत्नी प्रेमी संग फरार हो गई। पति के घर पहुंचने पर बेटी ने जानकारी दी तो पति ने पुलिस को तहरीर दी। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी तलाश शुरू कर दी है। मामला बिनावर क्षेत्र के एक गांव का है। एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह मजदूरी करता है। काम के लिए वह बाहर गया था। घर पर उसकी पत्नी और बेटी थी। 14 जुलाई को देर शाम पत्नी का प्रेमी आया और चार पहिया वाहन से उसकी पत्नी को फुसलाकर ले गया। पत्नी सोने का एक मंगलसूत्र, चांदी की पाजेब साथ ले गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जंगल में मिला गुधनी के दिव्यांग युवक का शव

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र में गांव अकौली से सिरासौल जाने वाले खड़ंजे किनारे खेत में दिव्यांग युवक का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची। युवक की शिनाख्त करके मृतक के परिजन को सूचना दी।

आसमान में उड़ रहे ड्रोन से लोगों में दहशत

पुलिस नहीं कर पा रही कार्रवाई, पुलिस के पहुंचने से पहले दूसरी जगह पहुंच जाते ड्रोन, ग्रामीण कर रहे पहरेदारी

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : पिछले तीन दिन से फैजगंज बेहटा और बगरैन क्षेत्र के गांवों में ग्रामीणों में डर बना हुआ है। रात में गांवों के ऊपर ड्रोन घूम रहे हैं। किसी के पास भी इस बात का जवाब नहीं है कि यह ड्रोन कौन और क्यों उड़ा रहा है। जिसके चलते ग्रामीण रात में पहरेदारी करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंचती है लेकिन तब तक ड्रोन वहां से चले जाते हैं। जिसके चलते पुलिस कार्रवाई नहीं कर पा रही है।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में हर रोज आधा दर्जन ड्रोन देर रात में घूमने से लोग हुए परेशान होकर रात भर जागने को मजबूर हैं। उनके गांव के पहरेदारी का वीडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ है। लगभग चार दिन पहले सीमावर्ती जिले मुरादाबाद और संभल में रात में ड्रोन उड़ने के मामले सामने आए थे। जिसके बाद बदायूं क्षेत्र के गांवों के ऊपर ड्रोन उड़े। जिसके चलते सोमवार गांव पिपरिया, अजीतपुर, सिसरका, भवानीपुर, ओरछी, बगरैन आदि आसपास के गांवों के ग्रामीण रात भर अपने घर के बाहर गली में बैठे रहे तो मंगलवार दिन में जगह-जगह चर्चा हुई। गांव के ऊपर ड्रोन दिखने के बाद ग्रामीण पुलिस को सूचना दे रहे हैं। साथ ही आसपास के गांवों में परिचितों को फोन कर रहे हैं।

रात में गांवों के ऊपर ड्रेन घूमने को लेकर चर्चा करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

- फैजगंज बेहटा और बगरैन क्षेत्र के गांवों के ऊपर उड़े ड्रोन

पुलिस मौके पर पहुंचती भी है लेकिन तब तक ड्रोन अपनी जगह बदल लेते हैं। पुलिस ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। ड्रोन उड़ाए जाने का कारण और कौन उड़ा रहा है। इसको लेकर संशय बना हुआ है। थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचती है लेकिन तब तक ड्रोन वहां होते। जांच की जा रही है। जल्द ही पता लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

रात्रि ड्रोन घूमने से गांव के लोगों को डर लगता है। कई ड्रोन रात में घूमते रहते हैं काफी नीचे तक पहुंच जाते हैं। यह सिलसिला कई दिनों से जारी है। रात होते ही निगाहें आसमान की तरह हो जाती हैं। – **सरताज**

जिला संभल व मुरादाबाद के बाद अब बदायूं इलाके में ड्रोन घूमने लगे हैं। ग्रामीण परेशान रहते हैं। आखिरकार गांव में घूमने का मतलब क्या है। जंगलों में जाने वाले किसान डरे रहते हैं। ड्रोन घूमने का सिलसिला जारी है।– **रहीस**, पूर्व प्रधान

गांव में लोग रात भर पहरेदारी करते हैं। ड्रोन गांव के आसपास घूमते रहते हैं। पुलिस को भी सूचना देते हैं लेकिन अभी तक ड्रोन घूमने का कारण पता नहीं चला है। गांव के लोग काफी परेशान हैं और डरे हुए हैं।

– मोहम्मद फिरोज

रोज गांव में ड्रोन घूमने से बड़ों से लेकर बच्चे तक परेशान हैं। घर की छत पर जाकर देखते रहते हैं। ड्रोन घूमने का सिलसिला गांव में टोली बनाकर करते हैं। पहरेदारी करते रहते हैं कि कहीं कोई अनहोनी न हो।

– शहादत

बार अध्यक्ष और सचिव से मांगी रिपोर्ट

संवाददाता, बदायूं

- अधिवक्ता ब्रजपाल सिंह ने की शिकायत करके अधिवक्ता रवि सिंह को बताया फर्जी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश बार काउंसिल अध्यक्ष शिव किशोर गौड़ ने जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और मंत्री से फर्जी अधिवक्ता के संबंध में रिपोर्ट तलब की है। 30 जुलाई को सिविल बार एसोसिएशन बुलंदशहर में पेश करने का आदेश जारी किया है।

साथ ही अधिवक्ता रवि सिंह को भी उपस्थित होकर जवाब दाखिल करने को कहा है। जिला बार के अधिवक्ता ब्रजपाल सिंह ने बार काउंसिल को सूचित किया है कि 11 जुलाई 2025 को वह अपने मुकदमे के संबंध में न्यायलय में उपस्थित थे।

तभी न्यायालय में गांव कटिन्ना बरचउ निवासी रवि सिंह पुत्र जगदीश सिंह आए और कॉपी मांगी। जिसपर रवि सिंह द्वारा अपने हस्ताक्षर करके उस पर जवाब दाखिल करने का समय मांगा। अधिवक्ता ब्रजपाल सिंह को पता चला कि रवि सिंह निजामपुर में राजकीय इंटर कालेज में शिक्षक और अभिभावक संघ (पीटीए) शिक्षक के रूप में तैनात हैं। वहां से 5500 रुपए वेतन ले रहे है। जिसकी सूचना ब्रजपाल सिंह ने सूचना अधिकार अधिनियम के माध्यम से प्राप्त की। रवि सिंह फर्जी तौर पर वकालत कर रहे है। इस शिकायत पत्र पर संज्ञान लेकर बार काउंसिल ने जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और सचिव से इस प्रकरण में 30 जुलाई तक जांच करने के बाद रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। साथ ही अधिवक्ता रवि सिंह सिंह को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया है।

लोगों के साथ ठगी करने वाले छह आरोपी गिरफ्तार, माल बरामद

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : थाना कुंवरगांव पुलिस ने लोगों के साथ ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के छह लोगों का गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो सगे भाई, पति-पत्नी भी हैं। आरोपियों को जेल भेजा गया है। पुलिस उनके आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है।

कुंवरगांव पुलिस ने बदायूं-आंवला मार्ग स्थित गांव कसेर तिराहे पर बुजुर्ग महिला से नकली नोटों की गड्डी देकर दो लोगों ने ठगी थी। पीड़िता कुंवरगांव कस्बा के वार्ड दो निवासी रामबेटी पत्नी ओमराय की तहरीर पर 10 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शंकर राठौर और उसके भाई केशू राठौर पुत्र सेवाराम, जिला अजमेर के थाना नशीराबाद के मिशन कंपाउंड निवासी शंकर बागरी पुत्र धन्ना राम, शहर के मढ़ई चौक निवासी प्रशांत रस्तोगी पुत्र राजेश रस्तोगी को कसेर मार्ग स्थित साई मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। जिनके पास से चांदी की एक जोड़ी पाजेब, एक लेडीज अंगूठी, पांच पाजेब के घुंघरू, नाक की एक लौंग, सोने के एक जोड़ी कुंडल, 1500 रुपये, नोट के गड्डी नुमा कागज के टुकड़े जिसमें ऊपर पांच सौ रुपये के नोट लगे थे, पांच एंड्रायड व एक कीपैड फोन, एक बाइक बरामद हुई। वह सभी मिलकर लोगों से ठगी करते थे। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक योगराज सिंह, उपनिरीक्षक रामेश्वर सिंह, कांस्टेबिल सुनील कुमार, बलराम सिंह, दामिनी, रोजी सिंह रहे।

पुलिस की गिरफ्त में लोगों के साथ ठगी करने के छह आरोपी। ● अमृत विचार

- कुंवरगांव निवासी पीड़िता की तहरीर पर दर्ज की गई थी रिपोर्ट
- पुलिस कर रही थी आरोपियों की तलाश

किसानों की समस्याओं पर गरजी भाकियू, आंदोलन की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रविवार को भाकियू असली (गैर राजनीतिक) संगठन ने तहसील सदर पर बिजली संकट, दातागंज अंडरपास निर्माण, मंडियों में भ्रष्टाचार व छुट्टा गौवंश सहित अन्य समस्याओं को लेकर पंचायत की। सैकड़ों किसानों की मौजूदगी में समस्याओं का शीघ्र समाधान न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई।

जिलाध्यक्ष केपीएस राठौर ने कहा कि दातागंज रेलवे अंडरपास से बड़े ट्राले और ट्रक नहीं गुजर पाएंगे, जिससे गन्ना किसान और व्यापारियों को भारी नुकसान होगा। अंडरपास का निर्माण पुनः विचार कर वैकल्पिक समाधान निकालने की मांग जिलाधिकारी से की गई।

किसानों ने दस दिनों से जारी बिजली संकट पर भी रोष जताया। कहा कि फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही, लेकिन प्रशासन और बिजली विभाग ध्यान नहीं दे रहे। मंडियों में मंडी सचिव की शह पर आढ़तियों द्वारा की जा रही लूट का आरोप लगाते हुए किसानों ने मंडियों में व्याप्त भ्रष्टाचार खत्म करने की मांग की।

तहसील सदर में पंचायत करते किसान ● अमृत विचार

- बिजली संकट को लेकर तहसील पर किसानों का हंगामा
- दस दिन से बिजली गुल,सिंचाई करने को किसान परेशान

किसानों ने छुट्टा गौवंश की समस्या का भी मुद्दा उठाया। कहा कि हर गली-मोहल्ले में घूम रहे छुट्टा गोवंश किसानों व राहगीरों के लिए संकट बने हुए हैं। हादसों में कई मौतें हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन गौशालाओं की व्यवस्था नहीं कर रहा।

सरकारी बीज भंडार बिनावर में भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद तैनात प्रभारी को न हटाए जाने पर भी नाराजगी जताई। तहसील सदर कार्यालय में किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था करने व अवैध वसूली पर रोक लगाने की भी मांग रखी। सभी मांगों को लेकर डीएम के नाम ज्ञापन तहसील प्रशासन को सौंपा गया। इस मौके पर प्रताप सिंह, हरीश सिंह, हरबंस पटेल, मुनेंद्र सिंह, कलेक्टर सिंह, रजत प्रजापति, सूरजपाल सिंह, राजपाल सिंह, जमुना सिंह, पूनम गुप्ता, कमल गुप्ता, विपिन माहेश्वरी, बबलू यादव, सर्वेंद्र यादव, अशोक कुमार, राजेंद्र यादव, रविंद्र सिंह, द्वारकेश सिंह, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

किसान अमर सिंह धरने पर

बदायूं। ग्राम मुड़ारी निवासी अमर सिंह अपने खेत की पैमाइश न होने से नाराज होकर कई दिनों से मालवीय आवास गृह पर धरने पर बैठे हैं। डीएम आदेश के बावजूद कार्रवाई न होने पर किसान परेशान है। यूनियन ने समर्थन देने का ऐलान किया है।

सेवाराम की भूख हड़ताल 22वें दिन भी जारी

बदायूं । ग्राम हैदराबाद निवासी सेवाराम भूख हड़ताल पर बैठे हैं। आरोप है कि गांव के मंदिर तक जाने वाले रास्ते पर दबंगों ने कब्जा कर लिया है। प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा। भाकियू टिकैत ने समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। उघैती में महापंचायत में बिजली समस्या पर विरोध जताया गया। इस दौरान रमाशंकर, झाजन सिंह, धीरेन्द्र सिंह, प्रेमपाल इस्तकार मेवाती आदि रहे। दो दिन में समस्या का हल का आश्वासन दिया है।

सिटी डायरी

पूर्व विधायक ने घाट पर कांवड़ियों की सेवा करके मनाया जन्मदिन

बदायूं,अमृत विचार : पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य ने अपना जन्मदिन कांवड़ियों की सेवा करके मनाया । उन्होंने कछला स्थित भागीरथी घाट पर महा गंगा आरती और भंडारे का आयोजन किया और प्रसाद वितरित किया। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी शामिल हुए। जन्मदिन के अवसर पर पूर्व विधायक ने हवन-पूजन के बाद भंडारा हुआ। जो देर शाम तक चला। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता, विधायक राजीव कुमार सिंह, हरीश शाक्य, महेश चंद्र गुप्ता, भगवान सिंह शाक्य, शारदेंदु पाठक आदि मौजूद रहे।

बॉब ने परिषदीय स्कूल में किया पौधारोपण

बिसौली ,अमृत विचार : बैंक ऑफ बडौदा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय हररायपुर में बैंक शाखा शाखा प्रबंधक सोनू कुमार गुप्ता ने शिक्षकों के साथ पौधा रोपण किया। इस दौरान बैंक शाखा प्रबंधक ने बच्चों को पर्यावरण का महत्व समझाया। उन्होंने बच्चों से पौधे की देखभाल करने और इसका बचाव करने की बात कही। बैंक ने विद्यालय के कंप्यूटर कक्ष के लिए सोलर पैनल से चलने हेतु एक एसी भी भेंट किया। कुंवरसेन, चित्रा, उमेश चंद्र, हिमानी वार्ष्णेय, हेमलता व अंजुम आदि उपस्थित रहे।

स्कूल में मनाया यलो डे

बदायूं,अमृत विचार : मंगलवार को मदर एथीना स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय मैंगो ड के उपलक्ष्य में येलो डे मनाया गया। जिसमें बच्चों को शिक्षकों ने आम के महत्व से अवगत कराया। ' साथ ही अन्य पीले फलों के बारे में जानकारी साझा करते हुए उनके गुणों पर भी प्रकाश डाला। बच्चों ने स्कूल यूनिफार्म से अलग रंग बिरंगे कपड़े पहनकर आए तो उनमें भी उत्साह रहा। बच्चे पीले रंग की वेशभूषा में स्कूल आए थे। उनके बीच कई प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गईं। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढकर प्रतिभाग किया और प्रतियोगिता में उत्साह दिखाया। शिक्षकों ने भी बच्चों की हर जिज्ञासा को दूर करने का प्रयास किया।

सड़क हादसे के मृतकों के परिजनों को दी आर्थिक सहायता

बदायूं, अमृत विचार : पिछले माह सड़क दुर्घटना में हताहत हुए लोगों के परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने दो परिवारों को 25 - 25 हजार की आर्थिक सहायता दी । पिछले माह बिसौली के ग्राम करखेड़ी निवासी पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गयी थी। मृतकों के परिजनों को जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने गांव पहुंच कर सांत्वना दी थी। पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव ने गांव में सबसे पहले मृतक अतर सिंह के परिजनों से मिले, उसके बाद .बच्चू सिंह, सोमपाल, संजय, अशोक के घर पहुंच कर परिजनों को सांत्वना दी।

बारिश से धंसी सड़क रहती है हादसे की आशंका

संवाददाता, कादरचौक

अमृत विचार: हाल के दिनों में हुई तेज बारिश की वजह से असरासी से रमजानपुर की ओर जाने वाली सड़क धंस गई है। जिसकी वजह से हादसे का डर बना हुआ है। ग्रामीणों ने रोड़ सही कराने की मांग लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और डीएम से की है।

बरसात में देहात क्षेत्र की सड़कें जर्जर हो गई हैं। सड़कों में गड्ढे बन गए हैं। कई सड़कें धंस गई हैं। पिछले दिनों हुई तेज बारिश के दौरान असरासी से रमजानपुर की ओर जाने वाली सड़क जमीन में धंस गई। जिसकी वजह से लोगों को हादसे का डर बना हुआ है। सबसे अधिक दिक्कत वाहन चालकों को हो रही है।

बारिश से धंसी सड़क ।

बालिका लापता पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

विजयनगला,अमृत विचार : बिनावर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी बालिका लापता हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है।

एक गांव निवासी पिता ने तहरीर देकर बताया कि उनकी 13 साल की बेटी 15 जुलाई की शाम छह बजे से अचानक लापता हो गई है। एक युवक ने बताया है कि क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक उनकी बेटी को ले गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके बालिका की तलाश शुरू की है।

भागवत कथा में सुनाया पूतना के उद्धार का प्रसंग

बिल्सी, अमृत विचार : मोहल्ला संख्या पांच के शिव शक्ति भवन मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य उमंग दीक्षित ने कृष्ण जन्मोत्सव और पूतना उद्धार की कथा सुनाई।

कथा में जैसे ही भगवान का जन्म हुआ पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की के जयकारों से गूंज उठा। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्णपक्ष अष्टमी को रात्रि 12 बजे रोहिणी नक्षत्र में हुआ। भगवान कृष्ण ने संसार को अंधेरे से प्रकाश में लाने के लिए जन्म लिया और अज्ञान रूपी अंधकार को ज्ञानरूपी प्रकाश से दूर किया।

भगवान कृष्ण को जब वासुदेव यशोदा मैया के घर लेकर जा रहे थे तो शेषनाग ने छाया की, और मां यमुना ने चरण छुए। वासुदेव कृष्ण को नंदबाबा के घर छोड़कर यशोदा मैया की कन्या को लेकर वापस कंस के कारागृह में आए।

कहासुनी के बाद भिड़े रोडवेज बस के दो चालकों मे मारपीट

बदायूं,अमृत विचार : बदायूं और कौशांबी डिपो की रोडवेज बसों की चालकों में डिपो परिसर में मारपीट होने लगी। बीच बचाव का आए एक यात्री से भी मारपीट की गई। इस दौरान एक चालक और एक यात्री घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया है।

सोमवार शाम बदायूं डिपो के चालक उसावां क्षेत्र के गांव गूरा बरेला निवासी राजकुमार और कौशांबी डिपो के चालक अवनीश के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। अवनीश ने अपने साथी गांव रसूलपुर निवासी मनीष को फोन करके बुला लिया। आरोप है कि मनीष अपने साथियों को लेकर डिपो पहुंचा। राजकुमार के साथ मारपीट की। इसी दौरान एक यात्री ने उन्हें रोकना चाहा तो उसकी भी पिटाई लगा दी। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। मारपीट में घायल राजकुमार और यात्री को जिला अस्पताल ले गई और मेडिकल परीक्षण कराया।

पीएआई के उद्देश्य की उप निदेशक ने दी जानकारी

कार्यशाला में पीएआई की अधिकारियों को जानकारी देते उप पंचायत निदेशक और सीडीओ ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 को प्रभावी बनाने को विकास भवन में हुई कार्यशाला

अमृत विचार: पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स 2.0 को लेकर मंगलवार को विकास भवन सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सीडीओ और उप पंचायत निदेशक ने अधिकारियों पीएआई की जानकारी दी।

उप पंचायत निदेशक ने अधिकारियों को पीएआई के उद्देश्य एवं उपयोगिता से अवगत कराया। मुख्य विकास अधिकारी नें कार्यों के मूल्यांकन हेतु पीएआई 2.0 के विभिन्न परफॉर्मेंस इडिकेटर्स के आधार पर पोर्टल पर सही और प्रमाणित सूचना भरवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला विकास अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों व जिला परियोजना प्रबंधक एवं मंडलीय परियोजना प्रबन्धक मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र नूर आलम एवं उसकी पत्नी रेशमा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रहीश अहमद पुत्र मो. करीम बक्श नि. मो. बाजार कस्बा व थाना खीरी जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी छोटी पुत्री रानी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अली अहमद पुत्र चमकू निवासी मोहल्ला ऊंचा नई बस्ती भूरे खां की गौटिया तहसील फरीदपुर, जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र जगपाल व उसकी पत्नी संध्या को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सहाते पुत्र बन्धु निवासी ग्राम आता खुर्द थाना व तहसील सदर जिला शाहजहांपुर**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र वासिफ हुसैन व उसकी दोनों पत्नियों आफरीन और फरीन के गलत चाल चलन से क्षुब्ध होकर उनसे सम्बन्ध विच्छेद कर रही है। इन तीनों से मेरे परिवार का वास्ता नहीं। जरीना पत्नी साबिर हुसैन मसीत गंज गौटिया मोहनपुर।

NOTICE

This is to be notify that I have changed my name from ADITYA KUMAR GAUTAM to ADITYA GAUTAM. In future I will be known as ADITYA GAUTAM in all purposes. **ADITYA GAUTAM R/o Pilibhit Bye Pass Road, Opp. Chandralok Hospital, Anand Vihar Colony, Shamat Ganj, Bareilly.**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पत्नी श्रीमती मुन्नी देवी, बेटे रवि गंगवार, सचिन गंगवार, दोनों विवाहित पुत्रियां श्रीमती पिंकी पत्नी प्रेम, श्रीमती उर्मिला पत्नी गिरीश को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **विद्याराम पुत्र दयाराम निवासी म.नं. 42, वीर सावरकर नगर, डेलापीर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई, 2025

स्टेट ब्रीफ

सफाई मित्रों और पार्षदों का सम्मान करेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छ सर्वेक्षण में देश में पूरे प्रदेश का मान बढ़ाने वाले गोरखपुर नगर निगम के सफाई मित्रों और पार्षदों का सम्मान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार नगर निगम परिसर में करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री गोरखपुर नगर निगम के अर्बन फ्लड मैनेजमेंट के तहत अर्बन फ्लड अर्ली मॉनिटरिंग सिस्टम के लोकार्पण सहित ढाई सौ करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास भी करेंगे।

महिलाओं को समुचित भागीदारी देगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी प्रदेश कांग्रेस महिलाओं को संगठन में समुचित भागीदारी देगी। मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्वी जोन की बैठक में 15-15 प्रतिशत एससी व अल्पसंख्यक और 25 प्रतिशत ओबीसी महिलाओं को भागीदारी देने पर विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ धर्म की आड़ में अपनी सभी खामियों को छुपाने का प्रयास कर रही है।

2005 में आवेदन करने वालों को मिलेगी पुरानी पेंशन

मुख्यमंत्री योगी कैबिनेट के फैसले : लखनऊ में खुलेगा आईआर डिटेक्शन टेक्नोलॉजी केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी पत्रकारों को देते मंत्री धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल व अन्य।

अमृत विचार : लखनऊ के सरोजनी नगर में आईआर डिटेक्शन टेक्नोलॉजी केंद्र की स्थापना को योगी कैबिनेट ने मंजूरी दी। इस परियोजना के लिए 10 हेक्टेयर भूमि आईआरडीई को दी जाएगी। इस केंद्र की स्थापना पर 2000 करोड़ रुपये खर्च होंगे और यह डीआरडीओ की मदद से स्थापित होगा। यहां सेमीकंडक्टर आईआर डिटेक्टरों का निर्माण किया जाएगा जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि 28 मार्च 2005 से पहले निकले विज्ञापन के आधार पर नौकरी पाने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों को पुरानी पेंशन देने पर मुहर लगाई गई है। ऐसे लोग 30 नवंबर 2025 तक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकते हैं। दरअसल, राज्य सरकार ने 2005 के बाद नई पेंशन योजना लागू की है, लेकिन बहुत से कर्मचारी ऐसे हैं जिनका भर्ती विज्ञापन इसके पहले निकला था। ऐसे में उनकी बहुप्रतीक्षित मांग सरकार ने पूरी कर दी है। आईआरडीई, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशाला है। प्रस्ताव के अनुसार सरोजनी नगर में स्थापित किए जाने वाले आईआर डिटेक्शन टेक्नालॉजी केंद्र की स्थापना पर 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। राज्य सरकार इसकी स्थापना में डीआरडीओ की मदद करेगी।

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देश पर डीआरडीओ ने आइआर डिटेक्टरों के विकास व निर्माण के लिए स्वदेशी फैब लाइन की नई परियोजना के तहत प्रयोगशाला की स्थापना के लिए राज्य सरकार से भूमि की मांग की थी।

इस प्रयोगशाला में सेमीकंडक्टर आईआर डिटेक्टरों का निर्माण किया जाएगा। ब्रह्मोस मिसाइल सहित कई रक्षा उपकरणों में इसका इस्तेमाल किया जाता है। वर्तमान में भारत विदेश से आईआर डिटेक्टरों की 5,000 से अधिक यूनिट आयात करता है। आईआर डिटेक्शन टेक्नालाजी केंद्र की स्थापना के बाद आईआर डिटेक्टरों की 1,000 यूनिट का निर्माण प्रतिवर्ष किया जाएगा। भविष्य में इसका विस्तार कर 10,000 यूनिट का निर्माण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। आईआर डिटेक्शन टेक्नालाजी केंद्र में थर्मल इमेजिंग सिस्टम और मल्टीसेंसर सर्विलांस सिस्टम को भी रक्षा उपकरण के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी स्थापना से 150 इंजीनियरों व 500 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

नोएडा पराग डेयरी की जमीन बेचेगी सरकार

योगी कैबिनेट ने निर्णय लिया कि पराग डेयरी नोएडा की 4.62 हेक्टेयर जमीन को सरकार 101 करोड़ में डिफेंस उपकरण बनाने वाली कंपनी को बेचेगी। इसके बदले कंपनी नोएडा पराग डेयरी को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में 10 एकड़ जमीन देगी। यहां प्रतिदिन 4 लाख लीटर दूध क्षमता वाली नई डेयरी इकाई लगेगी।

वाराणसी में पर्यटकों के लिए गली होगी चौड़ी

मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि वाराणसी में पर्यटकों व दर्शनार्थियों की बढ़ती संख्या के कारण दाल मंडी की गलियां चौड़ी होंगी। मैदिगन, गोदौलिया और नई सड़क पर जाम की समस्या के निजात के लिए चौक थाने के आस-पास की गलियों के चौड़ीकरण पर 23.99 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

एक लाख किसानों को मिलेगी ट्रेनिंग

राज्य सरकार कई योजनाओं के तहत एक लाख किसानों को प्रशिक्षण देने की योजना को कैबिनेट में मंजूरी दी है। इसके माध्यम से आधुनिक कृषि, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों को अपनाकर किसान विकसित यूपी का आधार बनेंगे।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

- पेयजल, सीवरेज, ड्रेनेज व नगरीय परिवहन के लिए ग्राम समाज की भूमि मुफ्त मिलेगी
- नगर विकास विभाग को सेवारत विभाग का दर्जा देने का फैसला
- जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निकट यूपीएग्रीज के तहत एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना
- एक्वा कल्चर परियोजना की स्थापना के लिए संयुक्त अरब अमीरात की बहुराष्ट्रीय कंपनी एक्वाब्रिज को निवेश प्रोत्साहन सब्सिडी समेत भूमि, स्टांप आदि की छूट
- पुलिस विभाग को मिलेंगे 394 और पीएसी को 64 नए वाहन।

नौ पीसीएस अफसरों के हुए तबादले

- डॉ. अलका वर्मा बनीं निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
- अरविंद कुमार मिश्रा बने अपर निदेशक सूचना

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने मंगलवार को नौ पीसीएस अफसरों के तबादले कर दिये। अभी तक प्रतीक्षारत रहीं पीसीएस अधिकारी डॉ. अलका वर्मा को निदेशक प्रशासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बनाया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की शिकायत पर हटाये गये आईएएस भवानी सिंह खंगारौत के बाद निदेशक प्रशासन का पद खाली चल रहा था।

अन्य स्थानांतरित पीसीएस अफसरों में मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद रहे अरविंद कुमार मिश्रा को अपर निदेशक सूचना बनाया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज के उप सचिव विनोद कुमार गौड़ को मुख्य विकास अधिकारी फर्रुखाबाद बनाया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बहराइच गौरव रंजन श्रीवास्तव को उप सचिव उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज बनाया गया है।

अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी लखनऊ अमित कुमार द्वितीय को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बहराइच के पद पर भेजा गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व औरैया महेंद्र पाल सिंह को अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी लखनऊ बनाया गया है। उप निदेशक मंडी परिषद उप्र लखनऊ अविनाश चन्द्र मौर्य को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व औरैया के पद पर भेजा गया है। उपजिलाधिकारी मुरादाबाद नरेंद्र सिंह को उप निदेशक मंडी परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ बनाया गया है। संयुक्त निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार निदेशालय लखनऊ गरिमा स्वरूप को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय लखनऊ में विशेष कार्याधिकारी बनाया गया है।

किसानों को डिमास्ट्रेशन के माध्यम से दें जानकारी : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश@ 2047' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की दीप जलाकर शुरुआत करते मुख्यमंत्री योगी।

- यूपी की भूमि से तीन गुना अधिक लिया जा सकता उत्पादन
- कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विवि, अनुसंधान केंद्र भूमिका निभाएं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई फसल एक महीने विलंब होगी और बीज वही पुराना है तो पैदावार पर भी 30 फीसदी तक असर होगा। ऐसे में डिमास्ट्रेशन के माध्यम से किसान को जानकारी दी जाए। आज भी यदि किसान पुरानी तकनीक पर आधारित खेती करने पर मजबूर है तो इसका कारण हम कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि विवि, अनुसंधान केंद्रों तक लाने में विफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार 'विकसित कृषि-विकसित उत्तर प्रदेश@ 2047' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कहा कि यूपी की भूमि के समतलीकरण, उर्वरता, जल संसाधन को देखते हुए इससे तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है, लेकिन इसके लिए कृषि शोध, विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि लागत कम और उत्पादन को बढ़ाएंगे तो किसानों के चेहरे पर खुशहाली ला सकते हैं, लेकिन यह शोध और विकास के माध्यम से ही संभव हो सकता है।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, प्रमुख सचिव रविंद्र, उप्र कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता आदि मौजूद रहे।

इजराइल कर सकता है तो हमारे कृषि विवि क्यों नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इजराइल की मदद से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए थे। उन्होंने हमें तकनीकी सहयोग किया था। यहां के वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षण लेकर उसे आगे बढ़ाने में योगदान किया था। उसका एक्सटेंशन क्या है। हमें उस दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। यदि इजराइल यह कार्य कर सकता है तो हमारे कृषि विवि क्यों नहीं कर सकते। कब तक किसानों को खेतीबाड़ी से पलायन करने के लिए मजबूर होते देखते रहेंगे।

खाद्यान्न घोटाले का आरोपी रिटायर्ड एडीओ गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सूरश्याम सिंह

अमृत विचार : आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की वाराणसी टीम ने बांसडीह के रिटायर्ड सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) सूरश्याम सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी 2002 से 2005 तक बांसडीह विकासखंड में तैनात रहा। ब्लॉक के विभिन्न गांवों में क्षेत्र पंचायत अंश से मिट्टी कार्य, नाली निर्माण, खड़ंजा, पटरी मरम्मत, संपर्क मार्ग, सीसी और पुलिया निर्माण का कार्य कराया जाना था, लेकिन कार्य पूरा नहीं कराया था। इस मामले में 2006 में बांसडीह थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

ईओडब्ल्यू वाराणसी के निरीक्षक सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी व बांसडीह के पूर्व एडीओ सूरश्याम सिंह मूलतः मीरजापुर चुनार स्थित बगही का रहने वाला है। वह वाराणसी के रोहनियां स्थित उपासनानगर अखरी के विशालनगर में रहता है। जांच में सामने आया कि मजदूरों को खाद्यान्न वितरण नहीं हुआ और मस्टर रोल पर गलत तरीके से अंगूठा लगाया गया था। फर्जीवाड़ा कर 27 लाख रुपया का गबन किया गया है। इस घोटाले में कुल 19 लोगों की भूमिका मिली। ज्यादातर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

निजीकरण प्रक्रिया से नाराज बिजली कर्मियों ने ऊर्जा मंत्री का आवास घेरा

आवास पर करीब दो घंटे तक चला विरोध-प्रदर्शन

- कैबिनेट बैठक के लिए भारी सुरक्षा के बीच निकले ऊर्जा मंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में बिजली कर्मियों के प्रदर्शन के दौरान मौजूद ऊर्जा मंत्री एके शर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार : ऊर्जा निगमों के निजीकरण प्रक्रिया से नाराज बिजली कर्मियों का सब्र का बांध टूट गया। बिजली अभियंताओं-कर्मचारियों ने दोपहर में करीब दो घंटे तक ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के सरकारी आवास का घेराव किया। कैबिनेट की बैठक में जाने के लिए ऊर्जा मंत्री को पुलिस की भारी सुरक्षा में आवास से निकाला गया।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा मंत्री के आवास का घेराव करने की घोषणा बीते दिन की थी। उत्पीड़न व निजीकरण के विरोध में राजधानी के बिजली अभियंता, अवर अभियंता व अन्य बिजली कर्मी दोपहर में ऊर्जा मंत्री के कालीदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पहुंचे और घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान स्थिति पर काबू पाने के लिए भारी पुलिस बल मौजूद रहा। बिजली कर्मी ऊर्जा मंत्री से वार्ता कराने की मांग कर रहे थे, पर उन्हें मिलने नहीं दिया गया। पुलिस आंदोलनरत कर्मियों को शांत कराने में जुटी रही। दोपहर बाद ऊर्जा मंत्री को कैबिनेट की बैठक में जाना था। इस दौरान ऊर्जा मंत्री भारी सुरक्षा के बीच आवास से निकल सके। आवास से बाहर निकलने के दौरान ऊर्जा मंत्री इशारे से बिजली कर्मियों को शांत रहने का संदेश देते हुए लोकभवन चले गये। विरोध प्रदर्शन में संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे, वरिष्ठ पदाधिकारी जितेन्द्र सिंह गुर्जर, जूनियर इंजीनियर्स संगठन के अध्यक्ष अजय कुमार, संघर्ष समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी महेन्द्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद, श्रीचन्द आदि शामिल हुए।

समझौते का नहीं हो रहा पालन

प्रदर्शन के दौरान संघर्ष समिति व राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन उप्र के शीर्ष पदाधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा मंत्री ने 3 दिसंबर 2022 और 19 मार्च 2023 को संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के साथ लिखित समझौता किया था, पर ऊर्जा मंत्री इस समझौते से मुकर गए। समझौते के अनुसार हड़ताल के दौरान की गई उत्पीड़न की कार्रवाई वापस नहीं ली गई है। इसके विपरीत निजीकरण के लिए लगातार उत्पीड़न की कार्रवाई की जा रही है।

दो फर्मों पर एफआईआर, पशु चिकित्साधिकारी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर मेरठ में गोवंशों की देखभाल में लापरवाही पर हुई कार्रवाई
- केयर टेकर और लिपिक भी निलंबित, तलाश में पुलिस की छापेमारी शुरू

अमृत विचार : मेरठ की कान्हा उपवन गोशाला में गोवंशों की देखभाल में सामने आई गंभीर लापरवाही पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख अपनाते ही नगर विकास विभाग ने दो फर्मों पर एफआईआर दर्ज कराई है। पूर्व प्रभारी नगर अधिकारी व नगर निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी हरपाल सिंह, केयर टेकर और लिपिक को निलंबित करने के साथ हरपाल सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, अन्य दो कर्मियों की तलाश में छापेमारी हो रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर नगर निगम ने गोशाला संचालन से जुड़ी दो आउटसोर्सिंग फर्मों- जैन कंप्यूटर्स और शिवम इंटरप्राइजेज के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। इन फर्मों को गोशाला में 2500 गोवंशों की देखभाल के लिए गोपालकों और कर्मचारियों की तैनाती की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। बीते 12 जुलाई को सोशल मीडिया पर कान्हा गोशाला की बदहाल स्थिति को दर्शाने वाला एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो के बाद सहायक नगर आयुक्त शरद पाल के नेतृत्व में गोशाला का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि गोशाला में भूसा, हरा चारा और पानी उपलब्ध होने के बावजूद गोवंशों को समय पर नहीं दिया जा रहा था। इसके अलावा, कई गोपालक और कर्मचारी ड्यूटी पर अनुपस्थित पाए गए। मेसर्स जैन कंप्यूटर्स ने 24 गोपालकों और शिवम इंटरप्राइजेज ने 18 गोपालकों की तैनाती का दावा किया था, लेकिन वास्तविक स्थिति इसके विपरीत थी।

नगर निगम प्रशासन ने बताया कि दोनों फर्मों को पहले भी गोवंशों की देखभाल में लापरवाही के लिए मौखिक और लिखित नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद, कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके चलते कड़ा कदम उठाना पड़ा। जांच में यह भी सामने आया कि गोशाला में अभिलेखों का रख-रखाव अपूर्ण था, जिसके लिए लिपिक विकास शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। लापरवाही के इस मामले में पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी हरपाल सिंह और गोशाला के केयरटेकर के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है एवं उन्हें निलंबित भी कर दिया गया हैं। पुलिस ने हरपाल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, अन्य की तलाश की जा रही है।

गोवंशों की देखभाल के लिए छह होमगार्ड तैनात

सहायक नगर आयुक्त शरद पाल से गोशाला का वरिष्ठ प्रभार छीन लिया गया है और उनकी जगह अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गजेंद्र को सीएमओ कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया और उनकी जगह डॉ. अमर सिंह को नई तैनाती दी गई है। साथ ही गोशाला की निगरानी के लिए 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। गोवंशों की बेहतर देखभाल के लिए छह होमगार्ड और 50 नए कर्मचारियों को दो शिफ्टों में तैनात किया गया है। गोशाला के विस्तार के लिए 15,000 वर्ग मीटर भूमि का चयन किया गया है, ताकि गोवंशों के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सके।

आरओ-एआरओ की परीक्षा पर एसटीएफ रखेगी नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 27 जुलाई को प्रस्तावित आरओ-एआरओ परीक्षा को शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए आयोग और योगी सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए हैं। संवेदनशील केंद्रों पर एसटीएफ नजर रखेगी। साथ ही, खुफिया एजेंसियों और पुलिस विभाग को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। नकल माफिया की कमर तोड़ने की पूरी तैयारी है। कोचिंग सेंटर, सोशल मीडिया और नकल गैंग समेत पुराने आरोपितों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर परीक्षा से पूर्व ही चिन्हित संवेदनशील केंद्रों की विशेष निगरानी के लिए एसटीएफ तैनात की जा रही है। परीक्षा की शुचिता भंग करने वाले पुराने आरोपियों और सक्रिय नकल गैंग की पहचान कर उनके खिलाफ सतत निगरानी और रोकथाम के आदेश जारी किए हैं। पूर्व में परीक्षा अपराधों में लिप्त रहे गैंग और आरोपी यदि इस समय जमानत पर हैं तो उन पर विशेष नजर रखी जाएगी। एसटीएफ द्वारा सोशल मीडिया के खुले प्लेटफॉर्म की निगरानी के साथ-साथ व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे अफवाह फैलाने वाले माध्यमों पर भी नजर रखी जाएगी। परीक्षा के दौरान कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों पर भी नजर रखने के लिए समर्पित टीमें तैनात रहेंगी, जो संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी संबंधित एजेंसियों को तुरंत उपलब्ध कराएंगी।

निष्क्रिय 119 दलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की 25 दलों के साथ बैठक, बाकी रहे अनुपस्थित

अमृत विचार : प्रदेश में निष्क्रिय पड़े अमान्यताप्राप्त 119 राजनीतिक दलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को 25 दलों के प्रतिनिधियों की सुनवाई की। उन्होंने चुनाव न लड़ने पर उनसे सवाल किये। बाकी दलों के प्रतिनिधि अनुपस्थित रहे।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर पिछले छह वर्षों में कोई चुनाव न लड़ने के कारण इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से इन दलों के अध्यक्षों व महासचिवों को अपना प्रत्यावेदन, शपथपत्र (हलफनामा) व आवश्यक अभिलेखों के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में जमा करने व सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिये थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्येक दल की ओर से प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। उन्होंने अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट व निर्वाचन व्यय विवरणी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के आधार पर बिंदुवार जानकारी ली। सुनवाई में पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में आदर्श लोकदल फतेहपुर, आदर्श मानवतावादी पार्टी लखनऊ, आदर्श व्यवस्था पार्टी देवरिया, अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिवार पार्टी वाराणसी, अखिल भारतीय विकास कांग्रेस पार्टी लखनऊ, अखिल राष्ट्रवादी पार्टी कासगंज, आजाद भारत पार्टी (यूनाइटेड) वाराणसी, बहुजन विजय पार्टी गोरखपुर, देशहित पार्टी देवरिया, इंडिया राइजिंग पार्टी कन्नौज, जन विकास पार्टी लखनऊ, कठोर शासन पार्टी बिजनौर, लोकतांत्रिक युवाशक्ति पार्टी आगरा, पूर्वांचल जनता दल बलिया, राष्ट्रीय समाजवादी जनक्रांति पार्टी गौतमबुद्ध नगर, समता समाजवादी कांग्रेस पार्टी वाराणसी, पश्चिमी उप्र विकास पार्टी गौतमबुद्धनगर, इंडियन बहुजन समाजवादी पार्टी बिजनौर, राष्ट्रीय कांग्रेस (जे.) पार्टी मुरादाबाद, नवजन क्रांति पार्टी वाराणसी, गांधी एकता पार्टी वाराणसी, शांति मोर्चा गाजियाबाद, राष्ट्रवादी प्रताप सेना हापुड़, भारतीय संगठित पार्टी (एस.) गाजियाबाद व देशभक्त निर्माण पार्टी जनपद मऊ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महासचिव उपस्थित रहे।

योजना | 13950 लोगों को मिलेंगे आवास, 2284 करोड़ रुपये होंगे खर्च

बांदा और चित्रकूट में दो नई योजनाएं शुरू करेगा आवास विकास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बांदा और चित्रकूट में आवास एवं विकास परिषद दो नई योजनाएं शुरू करेगा। इन योजनाओं में लगभग 13950 लोगों को आवास मिलेंगे। इन दोनों योजनाओं पर परिषद लगभग 2284 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इन दोनों योजनाओं का प्रस्ताव बोर्ड बैठक में स्वीकृत हो गया। परिषद भूमि अधिग्रहण के लिए जल्द ही धारा 28 की नोटिस जारी करेगा। परिषद के सचिव डॉ. नीरज शुक्ला ने मंगलवार को बोर्ड बैठक के बाद प्रेस वार्ता में पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बांदा के ग्राम मवई बुजुर्ग में 136.76 हेक्टेयर में यह योजना शुरू की जाएगी। परिषद ने इस योजना के लिए डिमांड सर्वे भी करा लिया है। मुख्य मार्ग से इसकी दूरी लगभग 3 किलोमीटर है। योजना के अधिग्रहण और विकास पर कुल 1390 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना में लगभग 9500 लोगों को मकान और भूखंड मिलेंगे। सचिव ने बताया कि परिषद चित्रकूट के ग्राम चकला राजरानी, अहमदगंज में 64 हेक्टेयर में योजना शुरू करेगा। इस योजना के अधिग्रहण और विकास पर लगभग 894 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। इस योजना में लगभग 4450 लोगों को आवास की सुविधा मिलेगी।

वाराणसी में 1200 एकड़ जमीन खरीदने को मंजूरी

आवास विकास परिषद की पूर्व से संचालित जीटी रोड बाईपास भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना वाराणसी में 1200 एकड़ जमीन खरीदने के लिए बोर्ड बैठक में परिषद अधिनियम 1965 की धारा 31(2) के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान कर दी। यह जानकारी सचिव डॉ. नीरज शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के अधिग्रहण और विकास कार्य पर परिषद लगभग 3158 करोड़ रुपये खर्च करेगा। योजना के तहत वाराणसी के ग्रमा निबिया, फरीदपुर, हांसापुर, नकाइन, सदलपुर, सगहट, कादीपुर, मीरापुर, रामपुर, मिसिरपुर की भूमि अधिग्रहित की जाएगी।

उन्नाव में 165 एकड़ की योजना पर 700 करोड़ होंगे खर्च

सचिव ने बताया कि उन्नाव भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना संख्या 3 उन्नाव के ग्राम गदनखेड़ा सिंगरौसी में पूर्व से संचालित योजना के लगभग 165 एकड़ भूमि के अधिग्रहण व विकास पर परिषद लगभग 700 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इस योजना को भी परिषद अधिनियम 1965 की धारा 31(2) के अंतर्गत बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान की।

24 मीटर चौड़ी सड़कों पर स्थित आवास में कर सकेंगे व्यवसायिक निर्माण : 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर लोग आवासीय भूखंडों में निर्धारित सीमा तक व्यवसायिक निर्माण कर सकेंगे। जिन लोगों ने नई उपविधि लागू होने से पहले आवासीय परिसर में व्यवसायिक निर्माण कर लिया है, उनको नई नियमावली के तहत शमन मानचित्र पास कराना होगा। 1500 वर्गमीटर भूमि पर अपार्टमेंट बनाने के साथ ही भूतल पर व्यवसायिक गतिविधियां की जा सकेंगी। अभी तक इसकी अनुमति नहीं थी। परिषद की उप आवास आयुक्त पल्लवी मिश्रा ने यह जानकारी प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद की मंडोला योजना सहित अन्य योजनाओं में फ्लैट खरीदने पर नियमानुसार छूट दी जाएगी। 60 दिन में एकमुश्त धनराशि जमा करने पर 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट मिलेगी।

इन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

- इंटेलीजेंस ब्यूरा परिषद की सिकन्दरा योजना आगरा के सेक्टर 3 ए में लगभग 24,000 वर्ग फिट के भूखंड कॉमर्शियल दर पर खरीदेगा।
- नगर निगम मुरादाबाद अपने कार्यालय के लिए मझोला योजना संख्या 4 भाग 2 मुरादाबाद के सेक्टर 9ए में भूखंड खरीदेगा। इसके लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड के लेआउट में संस्थागत उपयोग अनुमन्य करने का पास किया गया।

बरेली कॉलेज में द्वितीय चरण में प्रवेश आज तक

रिक्त सीटों के सापेक्ष सही आवेदनों पर होंगे प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: बरेली कॉलेज में स्नातक प्रथम वर्ष में द्वितीय चरण में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के लिए पोर्टल खोल दिया गया है।

रिक्त सीटों के सापेक्ष जिन विद्यार्थियों के आवेदन सही पाए गए, वह बुधवार तक पोर्टल पर शुल्क जमा कर प्रवेश ले सकेंगे। वहीं स्नातक में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। टीसी और सीसी जमा कराकर सेक्शन आवंटित किए जा रहे हैं। इसके लिए विद्यार्थियों की लाइनें भी लग रही हैं। प्रवेश समिति के अनुसार बीएससी जीव विज्ञान में किसी भी वर्ग में सीटें रिक्त नहीं रह गई हैं। सभी 720 सीटें फुल हो गई हैं। बीएससी गणित में सभी वर्गों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को मौका दिया गया है। इसमें अभी सीटें काफी रिक्त हैं। वहीं बीए में सिर्फ ईडब्ल्यूएस और बीकॉम में ईडब्ल्यूएस और एससी की ही सीटें रिक्त हैं।

जिन विद्यार्थियों के आवेदन सही नहीं पाए गए, उन्हें प्रवेश का मौका नहीं दिया गया है।

परास्नातक में 2056 आवेदन, एमए सांख्यिकी का नहीं खुला खाता

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब तक 2056 आवेदन हो चुके हैं लेकिन एमए सांख्यिकी में एक भी आवेदन नहीं आया है। कई ऐसे पाठ्यक्रम हैं, जिनमें सीटों से काफी अधिक आवेदन आए हैं तो कई में गिनती के ही आवेदन आए हैं। रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने परास्नातक में प्रवेश के लिए 31 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित की है। इसके बाद महाविद्यालयों को मेरिट जारी कर प्रवेश लेने होंगे।

व अदालत अपर सिविल जज सी.डि. द्वितीय, बरेली
मुकदमा नं. 154 सन् 2025

दरखास्त मुसम्मी अर्चना गुप्ता बनाम शाखा प्रबन्धक वास्ते हुक्म सर्टिफिकेट वसूल दर्ज व किफायत जाये या फतावी मुसम्मी मुतवर्फा अपने व मुजावि एक्स 7 सन् 1989 ई. व कैद हरगाह मुसम्मी अर्चना गुप्ता ने दरखास्त हुक्म सर्टिफिकेट और तारीख 04.04.2025 वास्ते समायज दरखास्त हाला के मुकरर की है लिहाजा इश्तहार जारी किया जाता है कि जिस किसी को दरख्वास्त हाजा के निसवत कोई उजर हो असालतन या वकालतन बतारीख 05.08.2025 पेश होकर दरखास्त हाजा की निसवत उजर पेश करें दरसूरत इनकामे तारीख मुकरर कोई उजर निस्वत दरखास्त सुना नहीं जायेगा और मुनासिब हुक्म निरवत दरखास्त हाजा सादिर होगा। मेरे दस्तखत व मोहर अदालत में आज तारीख 30.05.2025 को जारी किया गया।

सम्मन मुद्दालय
न्यायालय श्रीमान तहसीलदार
तहसील सदर जिला बरेली।
वाद सं. 920/02-03
जगदीश नरायन दुबे आदि बनाम मंसूर खां
धारा 34/35 उ.प्र. राजस्व संहिता

ग्राम बिहारमान नगला पर. तह. व जिला बरेली नियत तिथि 29/07/25 बनाम

1. श्रीमती कलावती दुबे पत्नी स्व. जगदीश नरायन दुबे, 2. मनीश दुबे पुत्र स्व. चन्द्रभान दुबे, 3. आदर्श दुबे पुत्र स्व. चन्द्रभान दुबे, संरक्षिका श्रीमती ववीना दुबे पत्नी स्व. चन्द्रभान दुबे माता सगी, 4. श्रीमती ववीना दुबे पत्नी स्व. चन्द्रभान दुबे, समस्त हाल निवासीगण रोड नं. 1 क्वार्टर नं. 707/3बी/ इज्जत नगर बरेली

चूंकि मुसम्मी मकबूल खां ने आपके नाम का एक नालिस धारा 34/35 उ.प्र. राजस्व संहिता का वाद दायर किया है लिहाजा आपको इत्तला दी जाती है कि आप बतारीख 29/07/25 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा से वाखूबी वाकिफ हो, मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजिरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा।

आज व तारीख 08/07/25 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया। जज

42 सीट वाली पांच रोडवेज बसें मिलीं, 19 और आएंगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

बरेली : बस का निरीक्षण करते आरएम और एआरएम।

- **बरेली डिपो की 12 और पीलीभीत की सात बसें अगले सप्ताह पहुंचेंगी**

अमृत विचार: शासन से बरेली रीजन के रुहेलखंड डिपो को 42 सीट वाली पांच नई बसें मिली हैं। ये बसें सिर्फ आगरा रूट पर ही चलेंगी। इसके अलावा बरेली डिपो को 12 और पीलीभीत डिपो को सात बसें भी अगले सप्ताह तक मिल जाएंगी। आरएम, एआरएम आदि अफसरों ने नई बसों के डिपो में शामिल होने पर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा।

आरएम दीपक चौधरी ने बताया कि बरेली रीजन को 42 सीट वाली 24 साधारण बसें आवंटित की जानी हैं। इसकी मंजूरी दो महीने पहले ही मिल गई थी। मंगलवार को पांच मिनी बसें बरेली पहुंच गईं। जो रुहेलखंड डिपो के बेड़े में शामिल की गई हैं। बरेली डिपो को 12 बसों मिलनी हैं। इनमें से पांच बसों को लेने के चालक रवाना कर दिए गए हैं। इन बसों का संचालन मथुरा, वृंदावन और लखनऊ रूट पर होगा, जबकि पीलीभीत डिपो के लिए सात बसें अगले सप्ताह में मिलेंगी।

यह सभी बसें कौशांबी रूट पर चलेंगी। इन बसों की मेंटीनेंस की जिम्मेदारी विभाग की नहीं होगी। इसका जिम्मा कंपनी का होगा। 42 सीटर वाली बसें साधारण बसों की अपेक्षा छोटी हैं और यह जाम में कम फंसेंगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत ढिरिया बन्नोजान विकास खण्ड भदपुरा (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 को जिला योजना की धनराशि से अंत्येष्टि स्थल विकास का निर्माण का निर्माण कराया जाना है जिसमें निर्माण हेतु सामग्री सरिया, सीमेन्ट, लोहा, सेनेटरी, टाइल्स, टीन शेड, बजरी, बजरफुट, प्रथम श्रेणी ईट, इण्टरलॉकिंग ईट, बालू, रेता, चौखट, विन्डो, दरवाजे, पाइप लाइन, बिजली फिटिंग, लोहे के गेट, टंकी फिटिंग, प्राइमर, पेंट, वृक्षारोपण आदि आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदायें दिनांक 25.07.2025 के 11 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 2 बजे खोली जायेंगी निविदा स्वीकृत करने न करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	अन्तयेष्टि स्थल की कुल लागत	अनुमानित लागत रू.
1.	अन्तयेष्टि स्थल	24.35 लाख	24.35 लाख

श्रीमती विमला देवी-प्रधान **अमित कुमार-सचिव**

कार्यालय ग्राम पंचायत सिमरा अजूबा बेगम विकास खण्ड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिमरा अजूबा बेगम वि.ख. बिथरी चैनपुर जनपद बरेली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण हेतु उच्चकोटि/गुणवत्तापूर्वक सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	आपूर्ति हेतु सामग्री
1.	ग्राम पंचायत सिमरा अजूबा बेगम में अंत्येष्टि स्थल का निर्माण	रू. 24.40 लाख (रूपये)	सीमेंट, रेता, बजरफुट, बजरी, सरिया, ईट, रोड़ी, आयरन, जी.आई.-शीट, एंगिल, पेंट, प्राइमर टाइल्स आदि।

उक्त कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 29.07.2025 तक मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 3 बजे उनके समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी जानकारी के लिए किसी भी दिन कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

प्रधान **सचिव**

नकाबपोश बदमाशों ने महिला से की लूट

रामपुर, अमृत विचार : शहजादनगर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने महिला से लूट की। बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने विरोध करने पर महिला पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मोमिनपुरा अहमदाबाद में कमलेश पत्नी सुंदर लाल रहती है। गांव में ही कमलेश ने जंगल किनारे खेत ठेके पर ले रखा है। खेत में घास कटवाने के दौरान दौरान बाइक सवार दो बदमाश आ धमके। एक ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था, जबकि दूसरा बदमाश बुर्के में था। एक बदमाश ने कमलेश की गर्दन पर चाकू रख कुंडल और गले चेन झपट ली। विरोध करने पर चाकू से प्रहार कर दिए। घायल कमलेश को ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त लो0 नि0 वि0
96 महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांक :– 849/11CBW-17E/M/2025-26 दिनांक: 18-07-2025

अल्पकालीन ई.निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु (द्वितीय आमंत्रण) दो बिड पद्धति के अन्तर्गत प्रतिशत दर के आधार पर ऑनलाईन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 24.07.2025 से दिनांक 08.08.2025 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की टेक्निकल बिड दिनांक 07.08.2025 अपरान्ह 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र0स0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0 में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	**जनपद लखीमपुर खीरी के राष्ट्रीय मार्ग खण्डीय कार्यालय भवन में विद्युतीकरण का कार्य।**	12.74+ जी0एस0टी0 अतिरिक्त	1.28	03 Months	766.00	लो0नि0वि0, में विद्युत कार्यो हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

शासनादेश सं0-1/2018/3070/78-2-2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03/01/2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने के दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डॉक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(रंजीता प्रसाद) **अधिशासी अभियन्ता** **यॉत्रिक खण्ड,** **लो0नि0वि0 लखनऊ**

(आर.एम.श्रीवास्तव) **अधीक्षण अभियन्ता** **17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त** **लो0नि0वि0 लखनऊ**

UP – 236167 दिनांक: 21/07/2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

टीटीई की सतर्कता से ट्रेन में छूटा बैग यात्री को मिला

बरेली : मंडल के टनकपुर स्टेशन पर तैनात उप मुख्य चल टिकट निरीक्षक (टीटीई) गोविंद सिंह मंगलवार को वह 15073 त्रिवेणी एक्सप्रेस में ड्यूटी पर थे। खटीमा से टनकपुर के लिए गाड़ी के प्रस्थान के बाद एक सीट पर बैग मिला। पीएनआर में दर्ज मोबाइल नंबर के माध्यम से संपर्क साधा गया और यात्री आरए अग्रवाल से बात हुई। उन्होंने बताया कि वह पत्नी सुनीता के साथ रायबरेली से खटीमा तक यात्रा कर रहे थे। अनजाने में उनका बैग ट्रेन में छूट गया। बैग में जरूरी सामान और आभूषण थे।

बीकॉम षष्टम सेमेस्टर का परिणाम जारी

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीकॉम षष्टम सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया है। जल्द ही बीए और बीएससी षष्टम सेमेस्टर का परिणाम जारी किया जाएगा, ताकि विद्यार्थी परास्नातक में प्रवेश ले सकें।

दूसरे समुदाय के युवक को पीटने की अफवाह फैलाने वाले पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : जोगीनवादा चौकी इंचार्ज सन्नी चौधरी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 8 :30 बजे कांवड़ियों का एक जत्था पीलीभीत बाईपास पर गुजर रहा था। जोगी नवादा निवासी रंजीत की साइकिल कांवड़ से छू गई। इस बात पर कांवड़िये भड़क उठे। रंजीत तुरंत पास में स्थित एक एजेंसी के शोरूम में घुस गया। पुलिस ने दोनों को समझा-बुझाकर वहां से रवाना कर दिया। आरोप है कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने माहौल खराब करने के उद्देश्य से अफवाह फैलाई कि मुस्लिम समझकर कांवडियों ने बुरी तरह युवक को पीटा। पुलिसन ने अफवाह फैलाने वाले आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी, पूरनपुर।

संख्या– /र0का0–25 दिनांक–जुलाई ,2025

विषय– मत्स्य पालन पट्टों के आवंटन हेतु शिविर का आयोजन विषयक।

प्रेस–विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया गया है कि तहसील पूरनपुर के अर्न्तगत ग्रामो में उपलब्ध तालाब, झील, पोखर व मीनाशयो का मत्स्य पालन के लिये 10 वर्षीय आवंटन हेतु राजस्व संहिता की धारा–61 में निहित प्रावधानो व एंव समय समय पर निर्गत शासनादेशो में दी गयी व्यवस्था के अनुसार मत्स्य पालन हेतु निर्धारित क्षेत्रफल 02हे0 तक के तालाब न्यूनतम 5000/–रू(पॉच हजार रू0) हे0 प्रतिवर्ष लगान पर व 02हे0 से अधिक बडे तालाव का वार्षिक लगान 10000/–रू0 (दस हजार) न्यूनतम प्रति हे0 प्रतिवर्ष रहेगा बोली बोलने के लिए जमानत धनराशि निर्धारित बोली की 10 प्रतिशत जमा होगी तालाब की नीलामी शिविर के माध्याम से नामित नीलामी अधिकारी की अध्यक्षता मे नीलामी बोली दिनांक–08.08.2025 दिन शुक्रवार समय प्रातः 11.00बजे अपरान्ह 03.00बजे तक स्थान तहसील पूरनपुर स्थित अम्बेडकर सभागार में होगी, जिसमें मछुआ समुदाय को वरीयता दी जायेगी। इसके अतिरिक्त गरीबी रेखा के नीचे निवास करने वाले अनूसूचित जाति/पिछडी जाति/सामान्य जाति के व्यक्ति भाग ले सकेगें। 02हे0 क्षेत्रफल से बडे जलक्षेत्रो का आवंटन पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियो के पक्ष में किया जायेगा। आवंटन लेने के इच्छुक व्यक्ति का आवेदन पत्र के साथ नीलामी विधि के पूर्व का आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के उपरान्त ही भाग ले सकेगें। वाद मे जारी प्रमाण पत्र किसी भी दशा मे मान्य नही होगा। यदि कोई तालाब पूर्व में आवंटित पाया जाता है तो ऐसी दशा में आवंटन निरस्त माना जायेगा। नीलामी स्वीकृत करनें व निरस्त करने का अधिकार उपजिलाधिकारी पूरनपुर में निहित होगा।

नीलामी का स्थान–अम्बेडकर सभागार तहसील पूरनपुर। नीलामी की तिथि–08.08.2025
नीलामी का समय–11–00 बजे नीलामी अधिकारी–नायव तहसीलदार उत्तरी पूरनपुर।
आवंटन हेतु प्रस्तावित तालाबो का विवरण–

क्र0 सं0	ग्राम का नाम जहॉ तालाब स्थित है	गाटा संख्या	रकवा हे0 में	सरकारी बोली का विवरण	नीलामी हेतु नियत तिथि
1	लाह	315	0.263	1315	08.08.2025
2	लाह	478	0.227	1135	08.08.2025
3	लाह	421	0.506	2530	08.08.2025
4	पिपरिया लाला	77	0.898	4490	08.08.2025
5	मुरादपुर	157	0.283	1415	08.08.2025
6	कुलवागाढा	260	0.514	2570	08.08.2025
7	कुलवागाढा	264	0.470	2350	08.08.2025
8	रूदपुर	35	0.384	1920	08.08.2025
9	अभयपुर ज0 जगतपुर	513मि0	0.202	1010	08.08.2025
10	अभयपुर ज0 जगतपुर	513मि0	0.405	2025	08.08.2025
11	विनौरा ता0 गजरौला	79	1.795	8975	08.08.2025
12	विनौरा ता0 गजरौला	80	4.763	47630	08.08.2025
13	विनौरा ता0 गजरौला	148	2.442	24420	08.08.2025
14	शेरपुर कला	362	0.202	1010	08.08.2025
15	शेरपुर कलां	395	0.688	3440	08.08.2025
16	शेरपुर कलां	421	0.223	1115	08.08.2025
17	शेरपुर कलां	695	0.218	1090	08.08.2025
18	शेरपुर कलां	707	0.372	1860	08.08.2025
19	धर्मपुर खुर्द	455	0.294	1470	08.08.2025
20	भवानीपुर ता0 गजरौला	53	0.243	1215	08.08.2025
21	बहादुरपुर	174	0.425	2125	08.08.2025
22	बहादुरपुर	61	0.214	1070	08.08.2025
23	दुधिया कलां	151	0.571	2855	08.08.2025
24	सैहरामऊ उत्तरी	92	0.417	2085	08.08.2025
25	सैहरामऊ उत्तरी	153	0.324	1620	08.08.2025
26	सैहरामऊ उत्तरी	193	0.482	2410	08.08.2025
27	गोविन्दपुर मोहनपुर	164	0.243	1215	08.08.2025
28	गोविन्दपुर मोहनपुर	167	0.279	1395	08.08.2025
29	सुन्दरपुर	280	0.324	1620	08.08.2025
30	नवदिया नदी किनारे जुकना	322	0.235	1175	08.08.2025
31	नवदिया नदी किनारे जुकना	327	0.595	2975	08.08.2025
32	नवदिया नदी किनारे जुकना	472	0.218	1090	08.08.2025
33	फत्तेपुर खुर्द	195	0.454	2270	08.08.2025
34	फत्तेपुर खुर्द	255	0.450	2250	08.08.2025
35	महादेव	55	1.011	5055	08.08.2025
36	महादेव	59	0.425	2125	08.08.2025
37	महादेव	113	0.326	1630	08.08.2025
38	मती माफी	64मि0	23.006	230060	08.08.2025
39	मुरादपुर	545ख	0.445	2225	08.08.2025
40	हमीरपुर	643	0.380	1900	08.08.2025
41	हमीरपुर	683	0.405	2025	08.08.2025
42	रामनगर ता0 चांदपुर	99	0.567	2835	08.08.2025
43	दौलतपुर ता0 चांदपुर	240	0.275	1375	08.08.2025
44	रायपुर विचपुरी	179	0.218	1090	08.08.2025
45	रायपुर विचपुरी	238	0.459	2295	08.08.2025
46	रायपुर विचपुरी	259	0.283	1415	08.08.2025
47	रायपुर विचपुरी	264	0.259	1295	08.08.2025
48	रायपुर विचपुरी	288	0.558	2790	08.08.2025
49	रायपुर विचपुरी	422	0.247	1235	08.08.2025
50	रायपुर विचपुरी	479क	0.429	2145	08.08.2025
51	रायपुर विचपुरी	494	0.328	1640	08.08.2025
52	रायपुर विचपुरी	496	0.502	2510	08.08.2025
53	रायपुर विचपुरी	533ख	0.434	2170	08.08.2025
54	नवदिया लक्षन	65	2.090	10450	08.08.2025
55	वरगदिया	159	0.340	1700	08.08.2025
56	वरगदिया	167	0.316	1580	08.08.2025
57	पिपरा मुजप्ता	831	0.729	3645	08.08.2025
58	जगतपुर	25	0.429	2145	08.08.2025
59	जगतपुर	38	0.405	2025	08.08.2025
60	जगतपुर	125	0.328	1640	08.08.2025
61	जगतपुर	159	0.312	1560	08.08.2025
62	जगतपुर	226	0.528	2640	08.08.2025
63	गढाकलां	47	0.607	3035	08.08.2025
64	सुआबोझ	204	0.271	1355	08.08.2025
65	गुलडिया भूपसिंह	972	0.235	1175	08.08.2025
66	गुलडिया भूपसिंह	1037	0.222	1110	08.08.2025
67	रामनगर	8	0.602	3010	08.08.2025
68	भगौतीपुर	235	0.509	2545	08.08.2025
69	बलरामपुर ज0 रनमस्तपुर	274	0.283	1415	08.08.2025
70	बलरामपुर ज0 रनमस्तपुर	282	1.299	6495	08.08.2025
71	बलरामपुर ज0 रनमस्तपुर	312	0.482	2410	08.08.2025
72	अजीतपुर विल्हा	484	1.376	6880	08.08.2025
73	घनश्यामपुर	523	0.255	1275	08.08.2025
74	गरीबपुर	129	0.409	2045	08.08.2025
75	वांसबोझी	37	0.300	1500	08.08.2025
76	वांसबोझी	151	0.304	1520	08.08.2025
77	टांडा	1636	0.275	1375	08.08.2025
78	भैसासुर	1	0.587	2935	08.08.2025
79	सिमरा ता0 घुघचिहाई	23	0.231	1155	08.08.2025
80	सिमरा ता0 घुघचिहाई	62	0.450	2250	08.08.2025
81	महुआ गुन्दे	107	1.254	6270	08.08.2025
82	महुआ गुन्दे	162	0.267	1335	08.08.2025
83	महुआ गुन्दे	242	0.243	1215	08.08.2025
84	कटैया	31	0.251	1255	08.08.2025
85	कटैया	38	0.458	2290	08.08.2025
86	कटैया	156	0.202	1010	08.08.2025
87	कटैया	164	0.458	2290	08.08.2025
88	कटैया	182	0.239	1195	08.08.2025
89	बांसबोझी	120	0.336	1680	08.08.2025
90	निवाजपुर ता0 चांदपुर	153	0.470	2350	08.08.2025
91	वासुपुर	5	0.324	1620	08.08.2025
92	वासुपुर	23	0.277	1385	08.08.2025
93	खाडेपुर	58	0.271	1355	08.08.2025
94	खाडेपुर	264	0.251	1255	08.08.2025
95	खाडेपुर	288	0.308	1540	08.08.2025
96	खाडेपुर	295ख	0.283	1415	08.08.2025
97	खाडेपुर	296	0.295	1475	08.08.2025
98	खाडेपुर	392	0.340	1700	08.08.2025
99	खाडेपुर	445	0.388	1940	08.08.2025
100	मंगदपुर	1	0.372	1860	08.08.2025
101	मंगदपुर	838	0.202	1010	08.08.2025
102	श्यामपुर	99	0.567	2835	08.08.2025
103	सिंहपुर ता0 चांदपुर	30	0.603	3015	08.08.2025
104	जादौपुर	28	0.243	1215	08.08.2025
105	जादौपुर	109	0.271	1355	08.08.2025
106	जादौपुर	214	0.271	1355	08.08.2025
107	जादौपुर	236	0.547	2735	08.08.2025
108	जादौपुर	239	0.283	1415	08.08.2025
109	रूरिया ता0 गजरौला	63	0.376	1880	08.08.2025
110	हरीपुर कलां	4	0.384	1920	08.08.2025
111	हरीपुर कलां	56	0.445	2225	08.08.2025
112	दिलावरपुर	80	0.316	1580	08.08.2025
113	दिलावरपुर	81	0.433	2165	08.08.2025
114	दिलावरपुर	95	0.320	1600	08.08.2025
115	दिलावरपुर	277	0.409	2045	08.08.2025
116	दिलावरपुर	387	0.607	3035	08.08.2025
117	मेघपुर	48	1.497	7485	08.08.2025
118	मेघपुर	221	0.413	2065	08.08.2025
119	नरायनपुर ता0 घुघचिहाई	105	0.295	1475	08.08.2025
120	नरायनपुर ता0 घुघचिहाई	187	0.360	1800	08.08.2025
121	मोहब्बतपुर	127	0.251	1255	08.08.2025
122	मोहब्बतपुर	156 / 194	0.243	1215	08.08.2025
123	खमरिया पटटी	129	0.316	1580	08.08.2025
124	खमरिया पटटी	346	0.425	2125	08.08.2025
125	खमरिया पटटी	446	0.212	1060	08.08.2025
126	खमरिया पटटी	751	0.344	1720	08.08.2025
127	खमरिया पटटी	772	0.328	1640	08.08.2025
128	खाता	187	0.243	1215	08.08.2025
129	खाता	220 / 324	0.231	1155	08.08.2025
130	खाता	235	0.279	1395	08.08.2025
131	अमरैइया कलां	21	0.271	1355	08.08.2025
132	वेगपुर	2	0.340	1700	08.08.2025
133	अमरैइया खुर्द	96	0.259	1295	08.08.2025
134	महद	147	1.327	6635	08.08.2025
135	हरसिंगपुर	120	0.214	1070	08.08.2025
136	सबलपुर मु0 रामपुर फकीरे	80	0.397	1985	08.08.2025
137	सबलपुर मु0 रामपुर फकीरे	84	0.478	2390	08.08.2025
138	कटैटया	165	0.457	2285	08.08.2025
139	कटैटया	287	0.227	1135	08.08.2025
140	रूरिया सलेमपुर	188	0.547	2735	08.08.2025
141	तकिया दीनारपुर	328	0.291	1455	08.08.2025
142	तकिया दीनारपुर	96	0.482	2410	08.08.2025
143	तकिया दीनारपुर	175	0.344	1720	08.08.2025
144	तकिया दीनारपुर	293	0.388	1940	08.08.2025
145	सुखदासपुर	40	0.454	2270	08.08.2025
146	नवदिया मकसूदपुर	108	0.279	1395	08.08.2025
147	रामपुर फकीरे	94	0.413	2065	08.08.2025
148	रामपुर फकीरे	173	0.235	1175	08.08.2025
149	रामपुर फकीरे	316	0.283	1415	08.08.2025
150	किशनपुर हरीपुर	548	0.352	1760	08.08.2025
151	किशनपुर हरीपुर	831	1.380	6900	08.08.2025
152	किशनपुर हरीपुर	835	0.801	4005	08.08.2025
153	बंजरिया	178	0.676	3380	08.08.2025
154	बंजरिया	255	0.458	2290	08.08.2025
155	जयरामपुर	26	0.417	2085	08.08.2025
156	कीरतपुर उर्फ जैनपुर	81	0.352	1760	08.08.2025
157	कीरतपुर उर्फ जैनपुर	246	0.344	1720	08.08.2025
158	कीरतपुर उर्फ जैनपुर	350	0.275	1375	08.08.2025
159	नौगवां मु0 मोहम्मदपुर	59	0.337	1685	08.08.2025
160	चतीपुर	21	7.784	77840	08.08.2025
161	सपहा	91	2.351	23510	08.08.2025
162	नवदिया मुजप्ता	449	0.777	3885	08.08.2025
163	गुलालपुर खमरिया	480	0.777	3885	08.08.2025
164	गदियाना	59	0.562	2810	08.08.2025
165	मालिन कुइया	106	0.262	1310	08.08.2025
166	हुसैनपुर खुर्द	25	0.255	1275	08.08.2025
167	गजरौला खास	766	0.486	2430	08.08.2025
168	चांट फिरोजपुर	15	0.287	1435	08.08.2025
169	चांट फिरोजपुर	283	0.295	1475	08.08.2025
170	चांट फिरोजपुर	420	0.223	1115	08.08.2025
171	रामपुर ता0 महाराजपुर	210	0.202	1010	08.08.2025
172	कपूरपुर	72	0.300	1500	08.08.2025
173	कपूरपुर	84	0.388	1940	08.08.2025
174	कपूरपुर	94	0.295	1475	08.08.2025
175	कपूरपुर	123	0.214	1070	08.08.2025
176	कपूरपुर	165	0.692	3460	08.08.2025
177	कपूरपुर	182	0.372	1860	08.08.2025
178	कपूरपुर	196	0.202	1010	08.08.2025
179	गैरतपुर जप्ती	261	0.348	1740	08.08.2025
180	गैरतपुर जप्ती	29	0.218	1090	08.08.2025
181	नौगवा मु0 मुजफ्फरनगर	133	0.300	1500	08.08.2025
182	मुडिया	201	0.283	1415	08.08.2025
183	मुडिया	312	0.315	1575	08.08.2025
184	मोहनपुर जप्ती	96	0.263	1315	08.08.2025
185	मोहनपुर जप्ती	574	0.652	3260	08.08.2025
186	मोहनपुर जप्ती	607	0.206	1030	08.08.2025
187	बिनौरा खास ता0 माधौटांडा	145	0.336	1680	08.08.2025
188	जेठापुर खुर्द	163	0.429	2145	08.08.2025
189	जेठापुर खुर्द	344	0.555	2775	08.08.2025

1–तालाब/नीलामी आवंटन हेतु बोली लगाये जाने की कार्यवाही में नियत तिथि का शेष वचे तालावों को नीलाम करने हेतु दिनांक 22.08.2025 को उपरोक्तानुसार पुनः शिविर का आयेजन किया जायेगा।

2–नीलामी/ आवंटन के दौरान किसी भी समय यदि कोई तथ्य संज्ञान में आता है जिससे कि सूची में अंकित किसी तालाब को आवंटन किया जाना सम्भव न हो तो उसे नीलामी/बोली की प्रक्रिया से किसी भी समय हटाया जा सकता है।

3–नीलामी/बोली प्रक्रिया में नीलामी/ बोली नीलाम अधिकारी द्वारा स्वीकृत किये जाने के उपरान्त कोई अन्यथा तथ्य तालाब में आने पर आवंटन स्वीकृतकर्ता/उपजिलाधिकारी को नीलामी निरस्त करने का अधिकार होगा।

4–नीलामी/बोली प्रक्रिया के दौरान जाति प्रमाण पत्र व निवास प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा जाति प्रमाण पत्र न होने पर बोली लगाने से वंचित किया जा सकता है तथा अन्य किसी पात्र व्यक्ति को आवंटन दिया जा सकता है।

5–यदि कोई बोलीकर्ता को पूर्व में कोई तालाब आवंटित किया गया है तथा वह तालाब आवंटन प्रक्रिया में भाग लेना चाहता है तो पूर्व से आवंटित तालाब के समस्त लगान जमा रसीद की छायाप्रति अवश्य लेकर आये।

UP-236176 दिनांक 21.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उपजिलाधिकारी पूरनपुर।

“जब कोई विचार अनन्य रूप से मस्तिष्क पर अधिकार कर लेता है तब वह वास्तविक भौतिक या मानसिक अवस्था में परिवर्तित हो जाता है।”

पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड

एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पश्चिमी देशों का दोमुंहापन उजागर हुआ है। नाटो महासचिव मार्क रूट्टे की रूसी तेल आयात संबंधी धमकी पर भारत द्वारा करारा जवाब दिया गया है। दरअसल, अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, रूट्टे ने भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी है कि वे रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बनाएं अन्यथा दंडात्मक व्यापार शुल्क का सामना करने के लिए तैयार रहें। निश्चित रूप से रूट्टे की यह टिप्पणी अमेरिका के रूस प्रतिबंध अधिनियम 2025 का समर्थन करती है। अधिनियम रूस के तेल, गैस, यूरेनियम या पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार करने वाले देशों पर पांच सौ फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव पेश करता है। साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के दावों में नाकाम ट्रंप प्रशासन अपनी खिसियाट उन देशों से निकाल रहा है जो रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। जिनमें भारत के साथ चीन व ब्राजील भी शामिल हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर जल्द ही इस संकट का समाधान नहीं हुआ तो वे रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर सख्त टैरिफ लगा देंगे। यह बदलाव जमीनी स्तर पर जटिल हकीकतों को दर्शाता है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से, अमेरिका और यूरोप ने रूस पर कई स्तर के प्रतिबंध लगाए हैं, जिनका रूस की युद्ध नीतियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। तीसरे देशों को दंडित करने की धमकी देकर, ट्रंप एक असफल नीति को और भी मज़बूत कर रहे हैं और भारत जैसे अमेरिकी साझेदार देशों की ऊर्जा सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहे हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पूरी तरह से आयातित तेल पर निर्भर करता है। देश अपने कच्चे तेल का 88 फीसदी आयात करता है। जिसके चलते ही भारत ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड के प्रति ही आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीनेटर लिंडसे ग्राहम को भारत की चिंताओं से अवगत कराया है। साथ ही भारत की वैध ऊर्जा आवश्यकताओं और अपनी आर्थिक दिशा स्वयं निर्धारित करने के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है। निश्चित रूप से दुनिया के तटस्थ और विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की दादागीरी का विरोध करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि फरवरी में रूसी तेल आयात में 14.5 फीसदी की गिरावट आने के बावजूद, रूस, भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। भारत का स्पष्ट कहना है कि उसके निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिए जाएंगे। जिसको लेकर वह कोई बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेगा।

इस दिशा में रूस-भारत-चीन वार्ता को फिर से शुरू करने की भारत की पहल बदलते रणनीतिक संतुलन की ओर संकेत करती है। जो वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देता है। वर्ष 2022 में भी रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर अमेरिका ने रूस से भारत के तेल खरीदने को लेकर प्रश्न उठाए थे। तब भी भारत ने उसे अहसास कराया था कि हम अपने आर्थिक प्राथमिकताओं के मद्देनजर ही अपने फैसले लेंगे। गौरतलब है कि यूरोपीय देश अन्य देशों और अपरोक्ष माध्यमों से रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए हैं। लेकिन चाहते हैं कि ग्लोबल साउथ के देशों पर ऐसा करने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। भारत तथा तुर्की में परिष्कृत रूसी तेल को यूरोपीय संघ को फिर से निर्यात किया जाना पश्चिमी देशों के खोखलेपन को ही उजागर करता है। पश्चिमी देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद करने के लिए रूस पर दबाव बनाने हेतु दुनिया के अन्य देश उसकी हां में हां मिलाएं। नाटो और अमेरिका को समझना होगा कि चेतावनियों और धमकियों से वैश्विक संघर्षों का समाधान नहीं किया जा सकता। इसके बजाय, रूस और यूक्रेन के साथ निरंतर कूटनीति ज़रूरी है।

प्रसंगवश

जल्द ही नक्सल मुक्त होगा भारत

देश में वामपंथी उग्रवाद या नक्सलवाद आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह चुके हैं कि देश मार्च 2026 तक वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जाएगा। 2004-2014 की तुलना में 2014 से 2024 तक एनडीए शासन में संघर्ष के कारण घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है और सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों की जान जाने की संख्या में 70 प्रतिशत की कमी आई है।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

गौरतलब है कि नक्सलवाद की शुरुआत पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी नामक एक सुदूर पिछड़े गांव में जमींदारों या सामंतवादियों के खिलाफ हिंसक भूमि विवाद के बाद शुरू हुए आंदोलन के रूप में हुई थी। भारत में नक्सलवाद फैलने की कारणों की बात करें तो नक्सलवाद उन क्षेत्रों में फैला है, जो बुनियादी नागरिक सुविधाओं से वंचित रहे और जहां लोग गरीबी का सामना कर रहे हैं। नक्सलवाद कमजोर शासन और उचित बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पनपा है। देश में वामपंथी उग्रवाद के प्रभाव वाले राज्यों में ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड के हिस्सों सहित 11 राज्य शामिल हैं। वर्ष 2017 में शुरू किया गया ऑपरेशन समाधान अभियान उग्रवाद का मुकाबला करने और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण पर केंद्रित है। सरकार ने वामपंथी उग्रवादी समूहों के खिलाफ खुफिया जानकारी आधारित, लक्षित अभियान चलाए। संपार्श्विक क्षति को कम करने और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती।

एक रणनीतिक दृष्टिकोण पर केंद्रित है। सरकार ने वामपंथी उग्रवादी समूहों के खिलाफ खुफिया जानकारी आधारित, लक्षित अभियान चलाए। संपार्श्विक क्षति को कम करने और सामुदायिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती।

अब आज नक्लवाद मुक्त भारत के लिए सरकार जिन तीन मोर्चों पर काम कर रही है, उनमें आत्मसमर्पण करने वालों का स्वागत, हिंसा का रास्ता न छोड़ने वालों को गिरफ्तार करना और लोगों की जान लेने पर आमादा नक्सलियों को सजा देना। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारों ने नक्सलवाद के कारण पिछड़े गांवों और लोगों के कल्याण के लिए चरणबद्ध योजना बनाई है। नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवास स्वीकृत किए हैं और हर गांव में सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का 100 प्रतिशत सैचुरेशन और उनमें नक्सलवाद के कारण पीड़ित परिवारों को प्राथमिकता देने का काम भी किया जा रहा है। कुल मिलाकर मोदी सरकार 'नक्सल मुक्त भारत' बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि मार्च 2026 तक देश नक्सल मुक्त होकर रहेगा।

धनखड़ का इस्तीफा पहले भी विवादों में रहे हैं कुछ उपराष्ट्रपति

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अगर भारत में उपराष्ट्रपति का पद विवादों से आमतौर पर परे रहा, तो यह कहना भी सही नहीं होगा कि इस पद पर आसीन शख्सियतें विवादों से हमेशा दूर ही रहीं। जगदीप धनखड़ के मंगलवार को उप राष्ट्रपति पद से अचानक से इस्तीफा देने से देश की राजनीति में भूचाल सा आ गया है। उनके इस्तीफे को लेकर तमाम तरह अटकलबाजी चल रही है। हालांकि उन्होंने इस्तीफे का कारण अपना खराब स्वास्थ्य बताया है। पर इस कारण पर कोई भरोसा नहीं कर रहा। धनखड़ से पहले भी देश के कुछ उपराष्ट्रपति विवादों में रहे हैं। देश में उपराष्ट्रपति को लेकर पहला विवाद बड़ा विवाद वी.वी. गिरि से जुड़ा है। यह बात है 1969 की। यह भारतीय राजनीति का एक बड़ा विवाद था जिसमें देश के उप-राष्ट्रपति सीधे तौर पर शामिल थे। दरअसल 1969 में राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के निधन के बाद, तत्कालीन उप-राष्ट्रपति वी.वी. गिरि कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। कांग्रेस पार्टी के भीतर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पुराने नेताओं के “सिंडिकेट” के बीच सत्ता संघर्ष चरम पर था।

कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी थे, जिन्हें सिंडिकेट का समर्थन प्राप्त था। इंदिरा गांधी ने वी.वी. गिरि को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कांग्रेस के सांसदों और विधायकों से “अंतरात्मा की आवाज” पर वोट देने का आह्वान किया। परिणाम यह हुआ कि गिरि एक बहुत ही करीबी मुकाबले में जीत गए। इस घटना ने कांग्रेस पार्टी को दो फाड़ कर दिया और इंदिरा गांधी को पार्टी के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया। यह एक ऐसा मामला था जहां उप-राष्ट्रपति का पद सीधे तौर पर सत्ता संघर्ष का एक उपकरण बन गया।

कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी थे, जिन्हें सिंडिकेट का समर्थन प्राप्त था। इंदिरा गांधी ने वी.वी. गिरि को एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कांग्रेस के सांसदों और विधायकों से “अंतरात्मा की आवाज” पर वोट देने का आह्वान किया।

इसी क्रम में बी.डी. जत्ती और 1977 के संवैधानिक संकट की चर्चा करना भी जरूरी है। राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के निधन के 1977 में निधन के बाद, उप-राष्ट्रपति बी.डी. जत्ती कार्यवाहक राष्ट्रपति बने। देश में आपातकाल के बाद, केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी। सरकार ने नौ कांग्रेस शासित राज्यों की विधानसभाओं को भंग करने की सिफारिश की। कार्यवाहक राष्ट्रपति जत्ती ने इस अध्यादेश पर हस्ताक्षर करने में शुरू में हिचकिचाहट दिखाई। उनकी हिचकिचाहट के कारण कुछ दिनों तक संवैधानिक संकट पैदा हो गया था, क्योंकि यह सवाल उठा कि क्या कार्यवाहक राष्ट्रपति कैबिनेट की सलाह को मानने के लिए बाध्य हैं। हालांकि कुछ दिनों के बाद उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए, लेकिन इस घटना ने कार्यवाहक राष्ट्रपति की शक्तियों पर एक बड़ी बहस छेड़ दी।

आप कह सकते हैं कि दो बार उपराष्ट्रपति रहे हामिद अंसारी का कार्यकाल काफी हद तक गैर-विवादास्पद रहा, लेकिन उनके कार्यकाल के अंत में दिए गए बयानों ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन एक साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि देश के मुसलमानों में “असुरक्षा और बेचैनी की भावना” है। इस बयान की सत्ताधारी दल और उसके समर्थकों ने तीखी आलोचना की। उन पर एक संवैधानिक पद पर रहते हुए एक राजनीतिक और विभाजनकारी बयान देने का आरोप लगाया गया। इससे पहले भी, गणतंत्र दिवस परेड के दौरान राष्ट्रगान के समय ध्वज को सलामी न देने पर उनकी आलोचना हुई थी। बाद में यह स्पष्ट किया गया कि प्रोटोकॉल के अनुसार, केवल राष्ट्रपति ही सलामी देते हैं और अन्य सभी गणमान्य व्यक्ति केवल सावधान की मुद्रा में खड़े होते हैं। हालांकि, स्पष्टीकरण के बावजूद यह मुद्दा सोशल मीडिया पर एक विवाद बना रहा।

वेंकैया नायडू ने 2018 में, राज्य सभा के सभापति के रूप में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। तब विपक्ष ने आरोप लगाया था कि नायडू ने यह निर्णय जल्दबाजी में और सरकार के दबाव में लिया। उनका तर्क था कि प्रस्ताव में पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर थे और इसे स्वीकार कर जांच समिति को भेजा जाना चाहिए था। पर नायडू ने अपने फैसले को यह कहते हुए सही ठहराया कि प्रस्ताव में लगाए गए आरोप “अस्पष्ट” थे और “सिद्ध कदाचार” की श्रेणी में नहीं आते थे। इस फैसले ने न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच संबंधों पर एक तीव्र बहस को जन्म दिया और सभापति की विवेकाधीन शक्तियों को चर्चा के केंद्र में ला दिया।

अगर इन कुछ उदाहरणों को छोड़ दें तो उप राष्ट्रपति के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. जाकिर हुसैन, गोपाल स्वरूप पाठक, एम. हिदायतुल्ला, आर.वेंकटरमण, शंकर दयाल शर्मा, डॉ. के.आर.नारायणन, कृष्ण कांत, भैरोसिंह शेखावत के कार्यकाल शांति से निकले।

कृष्णकांत का उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए 27 जुलाई, 2002 को निधन हो गया था। भैरो सिंह शेखावत के दौर में उपराष्ट्रपति आवास के गेट आम-खास सब के लिए खुले रहते थे। भैरोंसिंह शेखावत 19 अगस्त 2002 से 21 जुलाई 2007 तक देश के उपराष्ट्रपति रहे। शेखावत जी खुद यारबाश और किस्सागो इंसान थे। उनके पास मिलने वालों की भीड़ कभी कम नहीं होती थी। गर्मागर्म चाय पिलाकर वे अतिथियों से विस्तार से वार्तालाप करते थे। गंभीर राजनीति हो या तनाव के लम्हे, शेखावत हास्य के क्षण खोज लेते थे। बहरहाल, जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे का असर अभी कुछ दिनों तक और चलने वाला है।

आमने

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, “ विपक्ष चर्चा की मांग कर रहा हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। फिर वे सदन क्यों नहीं चलने दे रहे? अगर आप चर्चा चाहते हैं, तो हंगामा न करें। सरकार ने कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप जनता का पैसा बर्बाद कर रहे हैं...”

राहुल गांधी ने कहा, “सवाल यह है कि रक्षा मंत्री को सदन में बोलने की अनुमति है, लेकिन विपक्षी सदस्यों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, विपक्ष का नेता हूं, को बोलने की अनुमति नहीं है, यह एक नया दृष्टिकोण है। परंपरा कहती है कि अगर सरकार की ओर से लोग बोल सकते हैं, तो हमें भी बोलने की जगह दी जानी चाहिए...”

सामने

नेपाल: कम्युनिस्टों के हाथ में जा रहा मधेश क्षेत्र

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

भारत को इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि नेपाल का मधेश क्षेत्र कम्युनिस्टों के हाथ में जा रहा है। यह क्षेत्र भारत सीमा से सटा हुआ है और इसके 22 जिलों की करीब 60-70 लाख की आबादी भारतीय मूल की है जो अपने को भारत के करीबी मानते हैं और यह भी कि जब कभी जरूरत पड़ेगी तो भारत उसके साथ खड़ा होगा। अफसोस कि भारत सीमा से सटे नेपाल के इस लंबे चौड़े भू क्षेत्र में कम्युनिस्ट दल अपने पांव तेजी से पसार रहें हैं।

गौर करने की बात है कि नेपाल का यह इलाका राजशाही काल में नेपाली कांग्रेस का गढ़ था। राजशाही के खात्मे के बाद यहां मधेशी जनाधिकार फोरम नामक मधेश आधारित राजनीतिक दल का उदय हुआ जिसके नेता उभरे उपेंद्र यादव। नेपाल की राजनीति में कभी सरकार बनाने, बिगाड़ने की खास हैसियत रखने वाले प्रमुख मधेश नेता उपेंद्र यादव की राजनीति ठिकाने लगती हुई जान पड़ रही है। ओली सरकार से समर्थन वापसी की घोषणा के पीछे मधेश की उपेक्षा नहीं वरन उनकी खुद की उपेक्षा है।

राजशाही मुक्ति के बाद नेपाल की मधेश राजनीति महत्वपूर्ण मुकाम पर थी। उपेंद्र यादव इस इलाके के सर्वमान्य नेता थे। उनकी पार्टी मधेशी जन अधिकार फोरम लोकतांत्रिक नेपाल की लोकप्रिय राजनीतिक पार्टी थी। 2008 में हुए संविधान सभा चुनाव में उपेंद्र यादव की ताकत यह थी कि प्रचंड को सरकार बनाने के लिए उनकी पार्टी का सहारा लेना पड़ा था। तब प्रतिनिधि सभा में उपेंद्र यादव की पार्टी के करीब 22 सांसद थे।

राजशाही मुक्ति के बाद नेपाल की मधेश राजनीति महत्वपूर्ण मुकाम पर थी। उपेंद्र यादव इस इलाके के सर्वमान्य नेता थे। उनकी पार्टी मधेशी जन अधिकार फोरम लोकतांत्रिक नेपाल की लोकप्रिय राजनीतिक पार्टी थी।

जैसे जैसे नेपाल का लोकतांत्रिक ढांचा मजबूत होता गया, उपेंद्र यादव की राजनीति कुंद पड़ती गई। इनकी शिनाख्त मधेश के एक ऐसे नेता के रूप में होती गई जिसे सिर्फ कुर्सी से प्यार था। संविधान सभा चुनाव से लेकर अब तक के हर चुनाव में उपेंद्र यादव की गठजोड़ केवल सत्ता हासिल करने वाली पार्टी से ही रही है। ये अब तक के सभी लोकतांत्रिक सरकारों में प्रमुख भूमिका में रहे हैं। इन्हें नेपाल में राजनीति का मौसम विज्ञानी माना जाता है। अपनी इसी कला के चलते वे नेपाल की सरकारों में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। उपेंद्र यादव की राजनीति की खास बात यह भी रही है कि वे सत्ता के लिए जिसके खिलाफ लड़ते हैं उससे भी समझौता कर लेते हैं। लेकिन ये पब्लिक है, उपेंद्र यादव यह समझने से चूक गए। नतीजा हर चुनाव में ये हाशिए पर होते चले गए। पिछले प्रतिनिधि सभा में हाल यह था कि इनकी पार्टी के सिर्फ एक सांसद चुने गए जो कृष्णानगर के अभिषेक शाह थे। सप्तरी दो से खुद उपेंद्र यादव को चुनाव हार जाना पड़ा था।

उपेंद्र यादव स्वयं जिस मधेश आधारित पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं उसका नाम “जनता समाज पार्टी नेपाल” है। इसके पहले इसका नाम जनता समाज पार्टी था। पिछले चुनाव में जनता समाज पार्टी के सात सांसद चुने गए थे। बाद में जनता समाज पार्टी भी टूट गई। जनता समाज पार्टी का नेतृत्व उपेंद्र यादव के खास रहे अशोक राई के हाथ में है। इनके साथ चार सांसद रह गए जबकि अशोक राई के साथ तीन सांसद हैं। ओली के समर्थन से जब प्रचंड की सरकार थी तब उपेंद्र यादव मंत्रिमंडल में थे। और जब नेपाली कांग्रेस के समर्थन से ओली की सरकार बनी तब उपेंद्र यादव हाशिए पर आ गए लेकिन उनसे अलग होकर तीन सांसदों वाले अशोक राई की जसपा के दो सांसद ओली मंत्रिमंडल में विराजमान हैं। चार सांसद वाले उपेंद्र यादव महीनों तक अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहे लेकिन उनकी बारी नहीं आई। जब वे प्रतीक्षा करके थक गए तब उन्होंने ओली सरकार से समर्थन वापस ले लिया। ओली सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा उन्होंने कुछ इस अंदाज में की मानों बहुत बड़ी कुर्बानी दे रहे हों। वहीं पुराना राग कि मधेश की उपेक्षा के कारण वे ओली सरकार से समर्थन वापस लेने को मजबूर हुए। जबकि मधेश की जनता समझ रही है कि ऐसा कुछ नहीं है, अपनी उपेक्षा के कारण उन्होंने ओली सरकार से समर्थन वापस लिया। मधेश क्षेत्र में उपेंद्र यादव के साथ के ज्यादातर नेता या तो ओली की पार्टी के साथ चले गए या प्रचंड के साथ। देखा जाए तो मधेश से मधेशी दलों के कमजोर होने का फायदा कम्युनिस्ट पार्टियों को मिला। ये पार्टियां इस इलाके में अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए ज्यादातर मधेश नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाब हुई। मधेशी नेताओं में एक नाम तेजी से चर्चा में है,वह हैं अशोक यादव। जसपा नेपाल के लुंबिनी प्रदेश अध्यक्ष अशोक यादव ने तेजी से मधेश की आवाज बुलंद की है। इससे ओली सरकार बौखला गई है। उसने अशोक यादव के पीछे अपनी पुलिस लगा दी है। पता चला है कि वे भागे भागे फिर रहे हैं।

बता दें कि संविधान सभा के चुनाव से लेकर अब तक हुए आम चुनाव तक मधेशी नेताओं का चेहरा नितांत स्वार्थी और सत्ता लोलुप का ही उभर कर सामने आया। सबके सब मंत्री बनने की चाह में विपरीत विचारधारा वाली सरोकारों से समझौता कर सत्ता के साथ होते रहे हैं।

बता दें कि नेपाल के लोकतांत्रिक संविधान में मधेशी जनता की उपेक्षा मधेशी दलों की राजनीति का प्रमुख आधार है। इनकी कई मांगे हैं जिनकी संविधान में अनदेखी की गई। इसमें एक नागरिकता संबंधी मांग भी है। लाखों मधेशी परिवार के सदस्य नागरिकता से वंचित हैं। मधेशी दल खासकर इसी मांग को लेकर अपनी राजनीति चमकाते रहे हैं। जनता जब इनकी हकीकत समझी तो ये राजनीतिक रूप से शून्यता के कगार पर पहुंच गए। हाल यह है कि आज केंद्र में इसका अपना मजबूत राजनीतिक नेतृत्व तक नहीं है।

मंथन

स्वतंत्र चिंतन

तजिंदर सिंह
जमशेदपुर, झारखंड

शिक्षा का स्तर इससे नहीं मापा जा सकता कि आपने कितनी डिग्रियां प्राप्त की हैं, या कौन सी यूनिवर्सिटी में पढ़े हैं। किसी व्यक्ति के शिक्षा का स्तर इससे भी पता नहीं चलता कि उसने कितनी किताबें पढ़ी हैं।

किसी भी व्यक्ति के शिक्षा का स्तर इससे पता चलता है कि उसने खुद की कितनी स्वतंत्र सोच विकसित की है। तथ्यों, प्रमाणों का कितना तार्किक विश्लेषण वह कर पाता है। व्यक्ति चाहे कितनी भी डिग्रियां प्राप्त कर ले, अगर वह अपनी सोच को विकसित नहीं कर पाया तो इसका कोई भी मतलब नहीं है कि वो कितना पढ़ा है।

अगर आपने पढ़ा कि किसी ने चांद के दो टुकड़े कर दिए या किसी ने सूरज को ही निगल लिया और आपने मान लिया, तो आपकी शिक्षा का कोई मतलब नहीं है। आपकी शिक्षा का मतलब तब है, जब आपने उस पर सवाल उठाया हो। उनके इस दावे का अपनी खुद की सोच के आधार पर तार्किक विश्लेषण किया हो। न कि अपने पूर्वजों के कहने पर इसे स्वीकार कर लिया हो। आपकी शिक्षा का मतलब तब है जब आप सवाल करें कि हवन में देसी घी जलाने पर कैसे आक्सीजन का निर्माण होता है। सारे धर्मो की पौराणिक कहानियां दरअसल हमारे लिए एक प्रश्न पत्र के समान हैं। ये हमारे ज्ञान की, तर्क शक्ति की परीक्षा लेती हैं। लेकिन अफसोस इस परीक्षा में अधिकतर फेल ही होते हैं। दरअसल हम सब डिग्री धारी जरूर हैं लेकिन ज्ञान धारी नहीं। डिग्री हमने केवल नौकरी पाने के लिए की ज्ञान हासिल करने के लिए नहीं। सवाल नहीं उठाने की हमारी आदत ने हमारा ये हाल किया है कि अब हम मनुष्य नहीं रहे, भेड़ में तब्दील हो चुके है। “दरअसल स्वतंत्र चिंतन का विकास करना ही असल शिक्षा है।”

अगर आपने पढ़ा कि किसी ने चांद के दो टुकड़े कर दिए या किसी ने सूरज को ही निगल लिया और आपने मान लिया, तो आपकी शिक्षा का कोई मतलब नहीं है। आपकी शिक्षा का मतलब तब है, जब आपने उस पर सवाल उठाया हो।

सोशल फोरम

लोकतंत्र: अवधारणा बनाम वास्तविकता

लोकतंत्र में लोक को ही सम्प्रभु, सर्वोपरि यानी सर्वेसर्वा माना गया है। लेकिन, वह तंत्र के द्वारा हाशिये पर धकेल दिया गया है। तंत्र हर जगह हावी है। लोक कहीं से भी यथेष्ट रूप में प्रभावी, सक्रिय, सचेष्ट, सचेत या निर्णायक नहीं रह गया है। वह बुरी तरह से बिखरा हुआ है। उसकी आवाज़ नहीं सुनी जा रही है। वह कुचली, ठुकरायी या रौंदी जा रही है। मतवैभिन्न्य, प्रतिरोध या प्रतिकार के स्वर दबाए जा रहे हैं। उन्हें देश-द्रोही तक क़रार दिया जा रहा है। मौजूदा लोकतांत्रिक ढांचे या परिदृश्य में राजनीतिक दल, गिरोह या माफ़िया वास्तविकता बन चुके हैं। उन सबों में आंतरिक लोकतंत्र का सर्वथा अभाव-सा दिखता है। वे सब कॉरपोरेट-तर्ज़ पर चल रहे हैं। उनका अधिकांश वित्तपोषण देश-विदेशी कॉरपोरेट-महाबली या कंपनी-बहादुर कर रहे हैं। उनके मूल और ढांचे में पग-पग पर हमें भ्रष्टाचार, कालाधन, बाहुबल और छल-प्रपंच का नंगा नाच दिखाई पड़ता है।

कृष्णस्वरूप आनन्दी
सेवानिवृत्त शिक्षक

विडंबना है कि सारे-के-सारे राजनीतिक दल कमोबेश रूप में उसी विकास-मॉडल को अपनाए हुए हैं जिसके केंद्र में उद्दाम उद्योगवाद, निर्मम प्रकृति-दोहन, अमर्याद भोग्यत्व, मदांध प्रौद्योगिक विकास, अनियंत्रित शहरीकरण, उच्छृंखल बाज़ार और बेलगाम वैश्वीकरण है। इस विकास-मॉडल का चक्र-प्रवर्तन वैश्विक कॉरपोरेट महाबली यानी बहुराष्ट्रीय कंपनी-बहादुर कर रहे हैं। उनके एजेंट या दलाल की भूमिका आज के सत्ता-प्रतिष्ठान निभा रहे हैं। अधिकांश मीडिया या एकेडमिया उनका क्रीतदास बना हुआ है।

लोकतंत्र का अधिग्रहण राजनीतिक दलों या गिरोहों ने कर रखा है। लोकतंत्र दर असल दलतंत्र के रूप में तब्दील होता गया है। दलों ने लोकलाज को ताक़ पर रख दिया है। उनके नेताओं, सरगनाओं या शक्ति-सामंतों ने आलाकमान बना रखा है, जो सर्वतंत्रस्वतंत्र है।

लोकतंत्र का अधिग्रहण राजनीतिक दलों या गिरोहों ने कर रखा है। लोकतंत्र दर असल दलतंत्र के रूप में तब्दील होता गया है। दलों ने लोकलाज को ताक़ पर रख दिया है। उनके नेताओं, सरगनाओं या शक्ति-सामंतों ने आलाकमान बना रखा है, जो सर्वतंत्रस्वतंत्र है।

लोकतंत्र को साकार करने के लिए लोगों को आगे आना होगा। नई समाज-रचना का चक्र-प्रवर्तन, सड़ी-गली व्यवस्था एवं मानसिकता का ध्वंस, स्वस्थ-सुसंस्कृत जीवन-मूल्यों का अधिष्ठान, पूर्ण स्वराज की ओर प्रयाण-इन सब सपनों को संजोए हुए हम लोगों को एक परिवर्तनकांक्षी व्यापक जन-आंदोलन का सूत्रपात करना होगा। नई व्यवस्था, नई मानवता या नई देश-दुनिया बनाने के लिए हर स्तर पर लोकसत्ता का प्रस्फुटन करना होगा। सत्ता, दल या पक्ष की राजनीति से ऊपर उठे लोगों को स्थानीय प्रयोगों, अभिक्रमों अथवा कार्यक्रमों को चालना देना होगा। ये स्वतःस्फूर्त स्थानिक अभियान व जनमत मिल-जुल कर एक देशव्यापी जन-आंदोलन का ताना-बाना बुन सकते हैं। आमूलचूल या बुनियादी बदलाव के लिए हमें जन-जन यानी अधिसंख्य अवाम को जागरित, संगठित या आंदोलित करना होगा। हमारा ध्येय है-एक ऐसी व्यवस्था का अधिष्ठान, जिसमें बराबरी के साथ सबकी सक्रिय भागीदारी हो, जिसमें सबको ईमान की रोटी और इज्जत की ज़िंदगी मयस्सर हो तथा जिसमें शोषण-दोहन और केन्द्रीकरण या अधिनायकवाद के लिए कोई स्थान न हो। हमारी मुहिम एक ऐसी व्यवस्था को खड़ी करने की दिशा में अनवरत आगे बढ़नी चाहिए, जिसके गर्भ से लोकशक्ति का अभ्युदय हो। वह राजसत्ता को अपने वश में रखेगी। कहने का मतलब यह है कि सच्चे अर्थों में लोगों की आकांक्षा, शक्ति या प्रभुता सर्वोपरि होगी तथा वह शासन-तंत्र को निरंकुश, सर्वसत्तात्मक, स्वेच्छाचारी एवं जनद्रोही नहीं होने देगी।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

शास्त्रीय नृत्य को बना दिया लोक संस्कृति का उत्सव

पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं, यह कहावत 'कनपुरिया स्टार' विपिन निगम पर बिल्कुल फिट बैठती है। माता-पिता उन्हें डॉक्टर-इंजीनियर बनाना चाहते थे, मगर तीन बरस की उमर से ही पांव ऐसे थिरकने शुरू हुए कि डबल एमए करने के बावजूद शास्त्रीय नृत्य को ही अपना जीवन बना लिया। आज उनकी पहचान कथक नृत्य के महागुरु के रूप में होती है। विपिन का बनाया कृष्णम डांस ग्रुप अब शहर की बेटियों को शास्त्रीय एवं लोक नृत्य की नि:शुल्क शिक्षा देता है। वह उभरते कलाकारों को मंच प्रदान करते हैं, काम दिलाते हैं और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में आगे बढ़ाते हैं। कथक एवं भरतनाट्यम में महारत रखने वाले विपिन की लोक नृत्य में भी मजबूत पकड़ है।

कथक गुरु विपिन निगम

> कथक व भरतनाट्यम में महारत रखने वाले विपिन निगम ने लोक नृत्य को भी दिए नए आयाम

एक नहीं अनेकों मिल चुके अवार्ड

कानपुर के डांडिया किंग रह चुके विपिन निगम अनेक अवार्ड से सम्मानित हो चुके हैं। उन्हें अटल रत्न, यूपी रत्न, कानपुर गौरव, यूपी आईडल, यूथ आइडल, पर्सनॉलिटी ऑफ कानपुर, कानपुर की शान, कलाश्री नटराजन, नृत्य शिरोमणि महागुरु और कानपुर के महारथी जैसे दर्जनों अवार्ड मिल चुके हैं।

तैयार कर रहे कथक की नई पौध

कथक गुरु विपिन निगम जयपुरिया स्कूल में नृत्य विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित बच्चे अपना अलग ग्रुप बनाकर नृत्य के क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। विपिन का कहना है कि उनके कृष्णम डांस ग्रुप का उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय एवं लोक नृत्य को आगे बढ़ाना है, ताकि बच्चे भारतीय संस्कृति से जुड़े रहें और भावी पीढ़ी को भी इस ओर आकर्षित करें।

बिरजू महाराज ने दिया आशीर्वाद, सरोज खान से मिला 'महागुरु' अवार्ड

लखनऊ घराने के कथक सम्राट बृजमोहन मिश्रा उर्फ पं .बिरजू महाराज के सामने नृत्य पेश कर विपिन निगम ने खूब वाहवाही लूटी थी। अपने हुनर की बदौलत उनका आशीर्वाद पाया। वर्ष 2017 में कानपुर नगर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आईं मशहूर नृत्य निर्देशक सरोज खान ने विपिन को 'महागुरु' का अवार्ड दिया था। उन्होंने विपिन के नृत्य के साथ भाव-भंगिमाओं की खूब सराहना की थी। उनकी इसी काबिलियत को देखते हुए प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी जितनी बार कानपुर आए तो उनके स्वागत के लिए विपिन निगम को बुलाया गया और उन्होंने अपने साथी कलाकारों के साथ ग्रुप डांस पेश कर अपना जलवा बिखेरा। वह खुद एक कलाकार के रूप में मंच पर प्रस्तुतियां देने के साथ ही बेहतर निर्देशक भी हैं।

परिवार बनाना चाहता था डॉक्टर-इंजीनियर

- कानपुर के जवाहर नगर में जन्मे विपिन निगम के पांव तीन साल की उमर में ही थिरकने लगे थे। उनके पिता लक्ष्मी बहादुर निगम नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट कल्याणपुर में ऑफीसर थे। पिता के साथ मां शीला निगम ने हौसला दिया तो विपिन ने चार साल की उम्र में ही मंच पर कदम रख दिया। 10 साल की उम्र तक उन्होंने कई पुरस्कार जीते, लेकिन इसके बाद माता-पिता को पढ़ाई की चिंता सताने लगी। विपिन बताते हैं कि पिता उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते थे, लेकिन उनका पढ़ाई में ज्यादा रुझान नहीं था। नृत्य लगातार साथ-साथ चलता रहा। कथक और भरतनाट्यम में भी एमए किया। 42 वर्षीय विपिन निगम इस समय शास्त्रीय नृत्य कला में पीएचडी कर रहे हैं। वर्ष 2003 में पहले मां फिर 2005 में पिता का सिर से साया उठने के बाद विपिन ने खुद को शास्त्रीय नृत्य और संगीत के क्षेत्र में समर्पित कर लिया। कथक और भरतनाट्यम के साथ तबला और लोक गायन की शिक्षा ली। विपिन लखनऊ घराने से ताल्लुक रखते हैं।

प्रस्तुति: बृजेश श्रीवास्तव

कानपुर का माचिस मैन

80 देशों की एक लाख से ज्यादा माचिस का अनोखा संग्रह बनाने वाले आलोक मेहरोत्रा अब गिनीज बुक में दर्ज कराना चाहते नाम

कानपुर। आपने फोटोग्राफी, पेंटिंग्स, संगीत, साहित्य का शौक सुना और देखा होगा। इसी तरह दुनिया में तमाम लोगों को तरह-तरह की चीजें संग्रह करने का शौक किसी जुनून की भांति रहता है। ऐसे ही एक शख्स हैं कानपुर में बिरहाना रोड निवासी आलोक मेहरोत्रा, जिन्हें माचिस के बॉक्स एकत्र करने के शौक के कारण लोग 'माचिस मैन' नाम से जानते हैं। आलोक मेहरोत्रा के पास 80 देशों की एक लाख से ज्यादा माचिस का अनोखा संग्रह है। उनका कलेक्शन देखकर इस बात का सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि माचिस बॉक्स इकठ्ठा करने का जुनून उन्हें किस हद तक है। अपने इस अनोखे शौक के कारण आलोक का नाम इंडिया स्टार वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ दो बार लिम्का बुक आफ रिकार्ड में दर्ज हो चुका है। अब उनका सपना अपने इस शौक के जरिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराना है। इसके लिए वह दो लाख से ज्यादा माचिस बॉक्स एकत्र करने के काम में लगे हैं।

आलोक मेहरोत्रा बताते हैं कि बचपन में खेल-खेल में शुरू हुआ शौक कब जुनून बन गया पता ही नहीं चला। बचपन में जब वह घर से बाहर निकलते थे तो सड़क पर पड़े माचिस के खाली बॉक्स उठा लेते थे। सड़क से माचिस बॉक्स उठाने के कारण घर में उन्हें मां से कई बार मार तक खानी पड़ी, लेकिन शौक कम नहीं हुआ। आलोक के पिता का कपड़े का व्यवसाय था। उनकी आढ़त पर बाहरी जिलों के व्यापारी आते और रुकते थे। इनमें से तमाम व्यापारी बीड़ी या सिगरेट पीने के लिए अपने पास माचिस रखते थे। माचिस खत्म हो जाने पर खाली बॉक्स यह लोग डस्टबिन में फेंक देते थे, जिसे वह उन पर छपी तस्वीर या ब्रांड देखकर उठा लेते थे। धीरे-धीरे व्यापारियों को उनके माचिस संग्रह का पता चला तो वह अपने शहर की अलग-अलग तरह की माचिस लाकर देने लगे। वर्ष 2011 के बाद सोशल मीडिया के इस्तेमाल से आलोक ने माचिस बॉक्स के दूसरे संग्रहकों तक पहुंच बनाई। इसके बाद एक्सचेंज का सिलसिला तेजी से चल पड़ा। उनके पास जो माचिस बॉक्स नहीं थे, वह दूसरों से मिलने लगे। इसी तरह वह दूसरे संग्रहाकों को भी सहयोग करने लगे। आलोक के संग्रह में अगर अंगुली की पोर से भी छोटी माचिस है, तो उनके पास सबसे बड़ी माचिस 1.5 फिट की है। उनके संग्रह में बोतल, सिलेंडर और शेर की आकृति वाली माचिस भी हैं, जो देखने में चौंकाती हैं। उनके संग्रह वाले माचिस बॉक्स में गणेश-लक्ष्मी, कुबेर, राधा रानी, श्रीकृष्ण, भोले शंकर, बाबा अमरनाथ, तुलसी पूजा, डांडिया रास, गरबा, दीपावली, होली के अलावा विभिन्न प्रकार के खेलों, आयोजनों और राशियों के चित्र वाले माचिस बॉक्स देखने को मिलते हैं। इसी तरह आलोक के पास योगी-मोदी के साथ राजनीतिक दलों के चुनाव चिह्न वाली माचिस भी संग्रहित हैं।

प्रस्तुति: मनोज त्रिपाठी

लकड़ी पर कारीगरी का कमाल

बरेली के फर्नीचर की दुनिया में पहचान

बरेली शहर की पहचान बांस से है, इसीलिए इसे बांस बरेली भी कहते हैं। आज भी बांस-बेंत के अलावा शहर में लकड़ी का कारोबार बड़े पैमाने पर है। कहने को आज समय के साथ डिजाइन और काम के तरीके में बदलाव आया है, लेकिन 80 फीसदी कार्य हाथों से होने की वजह से बांस और लकड़ी से बने उत्पाद आज भी दुनियाभर में लोगों की पसंद बने हैं। इसका अनोखा डिजाइन, उच्च गुणवत्ता और किफायती कीमतें होने से यूपी के अलावा दिल्ली, उत्तराखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, कोलकाता, जयपुर, मुंबई समेत अन्य राज्यों में आज भी जबर्दस्त मांग है।

शहर में सिकलापुर में फर्नीचर की सबसे पुरानी और बड़ी मार्केट है। जिसे देश की सबसे बड़ी फर्नीचर मार्केट माना जाता है। यहां आज भी 70 से 80 साल पुरानी कई दुकानें है। करीब सौ वर्षों से यहां फर्नीचर का कारोबार हो रहा है। कुमार टॉकिज मार्केट और शहदाना मार्केट में भी फर्नीचर का काम बड़े पैमाने पर होता है। कई दशकों से इस कारोबार से जुड़े कारोबारी बताते हैं कि बरेली में लकड़ी का काम अंग्रेजी हुकूमत के समय से चला आ रहा है, इसलिए यहां के फर्नीचर की पहचान बड़े-बड़े शहरों में बनी है। दिल्ली, जयपुर, मुंबई और कोलकाता जैसे राज्यों के मुकाबले यहां फर्नीचर सस्ते हैं। 80 प्रतिशत डिजाइन कारीगर हाथ से तैयार करते हैं। ऐसे भी कारीगर हैं, जो 50 साल से इस काम को कर रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि यहां के फर्नीचर में प्लाईवुड का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। जिस फर्नीचर को तैयार किया जाता है, उसमें एक ही तरह की लकड़ी लगाते हैं। मिक्स नहीं करते हैं। बरेली जनपद उतराखंड से सटा होने के कारण तराई क्षेत्र में आता है। यहां साल, सागौन और शीशम की लकड़ी उतराखंड से आती है।

क्या कहते हैं फर्नीचर कारोबारी

यहां का वुड एंड फर्नीचर मार्केट बरेली देश का सबसे बड़ा मार्केट है। जहां सभी प्रकार का फर्नीचर खुद कारीगर तैयार करते हैं। मशीन का प्रयोग कम ही होता है। इसके बाद सहारनपुर और फिर दिल्ली के मार्केट का नाम आता है। यहां बड़े पैमाने पर छोटे कारीगर अपने घरों में भी फर्नीचर बनाने का काम करते हैं। बरेली के मार्केट में तैयार फर्नीचर यूपी के अलावा केरल, तमिलनाडु, चेन्नई समेत कई राज्यों में जाता है।

- रिंकू शर्मा, फर्नीचर कारोबारी, सिकलापुर

बरेली में फर्नीचर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई समेत दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी सस्ता हैं। कारण यह है कि कारीगर पुराने हैं और घर-घर लकड़ी का काम होता है। यहां के फर्नीचर में डबल बेड, सोफा सेट, राकिंग चेयर डाइनिंग टेबल मुख्य हैं। दो लाख रुपए तक का फर्नीचर भी मार्केट में मौजूद है। जैसा डिजाइन, वैसा ही पैसा है। यहां जो सामान दो लाख रुपए का है, दूसरे बड़े शहरों में वह पांच से छह लाख रुपए का हो जाता है।

-प्रदीप गोयल, अध्यक्ष, बरेली फर्नीचर डीलर एसोसिएशन

बरेली में सिकलापुर ही सबसे बड़ी फर्नीचर मंडी है। इसकी खास बात यहां कि कारीगरों खुद फर्नीचर तैयार करते हैं। मशीनों का प्रयोग कम ही किया जाता है। मार्केट ने दशकों बाद भी विश्वास नहीं खोया। यहां के मार्केट ने जो पहचान आजादी से पहले बनाई थी, वह आज तक कायम है। यहां पुरानी दुकानों और दरवाजों में जो डिजाइन मिलते हैं, वह कहीं नहीं तैयार होते। इसलिए शौकीन लोग दूसरे राज्यों से यहां फर्नीचर के लिए आते हैं।

- सुजीत जायसवाल, फर्नीचर कारोबारी, सिकलापुर

ब्रिटिश शासनकाल से बरेली में लकड़ी का काम चल रहा है। 1942 में दुकान शुरू की थी। हम तीसरी पीढ़ी है। यहां बने फर्नीचर की अपनी अलग पहचान है। उत्तराखंड के नजदीक होने की वजह से बरेली में साल, सागौन, शीशम की लकड़ी पर्याप्त मात्रा में मिलती है। महानगरों के मुकाबले बरेली का फर्नीचर सस्ता और टिकाऊ होता है। कीमत में करीब 40 फीसदी का फर्क होता है। 15 से 20 साल तक पॉलिस चमकदार बनी रहती है। इस वजह से इसकी अलग पहचान है।

-रवि, फर्नीचर कारोबारी, सिकलापुर

सालाना 500 करोड़ का कारोबार, 15 हजार को मिल रहा रोजगार

- सिकलापुर के अलावा सिविल लाइंस, कुमार टाकीज, पीलीभीत बाईपास, पुराना शहर, राजेंद्र नगर समेत कई स्थानों पर फर्नीचर के करीब 150 बड़े शोरूम हैं। जहां हर तरह की लकड़ियों से सामान तैयार किया जाता है। एक अनुमान के तौर पर यहां प्रतिवर्ष 500 करोड़ से ज्यादा का कारोबार होता है। वहीं, इस व्यवसाय से न सिर्फ एक परिवार की आजीविका चल रही है, बल्कि 15 हजार से अधिक लोग जुड़े हुए हैं। कई कारीगर ऐसे हैं जो सालों से एक ही फर्नीचर की दुकान में काम कर रहे हैं तो कुछ ने तो यहीं काम सीखकर खुद की छोटी दुकान भी खोल ली है।

प्रस्तुति: महिपाल गंगवार

शहर में बनने वाले फर्नीचर और उनकी खासियत

डाइनिंग टेबल : इसमें नक्काशी डिजाइन सबसे ज्यादा पसंद है। यह 20 साल से मार्केट में सबसे ज्यादा पसंद होने वाला डिजाइन है। इसमें भी हाथ की कारीगरी है। यह शीशम की लाल लकड़ी से बनती है।

सोफा सेट : यहां के नागफनी सोफा की सबसे अधिक डिमांड है। इसमें सभी कारीगरी हाथ से की जाती है। इसमें पूरी शीशम की लकड़ी लगी होती है।

डबल बेड : इसकी भी हाथ से कारीगरी की जाती है। यह पूरा लकड़ी का बना होता है, प्लाई का प्रयोग नहीं होता है। शीशम और सागौन की लकड़ी इसमें सबसे अधिक पसंद की जाती है।

ड्रेसिंग टेबिल : इसमें पसंद का डिजाइन बनाया जाता है। इसमें 35 से ज्यादा डिजाइन हैं। टेबल के अनुसार ही चेयर बनाई जाती है। यह सागौन की लकड़ी का अधिक बनता है।

आराम चेयर

यह गोल आकार में होती है। शीशम की बनती है। यह देखने में हल्की होती है, लेकिन एल आकार की चेयर के मुकाबले मजबूत होती है। इसमें बैठने में अधिक आराम मिलता है।

बिजनेस ब्रीफ

क्रिसिल का लाभ 14.3% बढ़कर 171.6 करोड़

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 14.3 प्रतिशत बढ़कर 171.6 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का पिछले वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा 150.1 करोड़ रुपये रहा था। रेटिंग एजेंसी एक जनवरी से 31 दिसंबर तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की एकीकृत कुल आय 6.3 प्रतिशत बढ़कर 866.6 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 815.4 करोड़ रुपये थी। क्रिसिल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ अमीश मेहता ने कहा, हमारे रणनीतिक निवेश, डोमेन-आधारित समाधान के साथ मिलकर हमें इस जटिल परिदृश्य में आगे बढ़ने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बना रहे हैं।

एक्जिम बैंक ने सरकार को दिए 325 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) ने सरकार को बीते वित्त वर्ष 2024-25 के शुद्ध लाभ में से 325 करोड़ रुपये अंतरित किए हैं। एक्जिम बैंक ने मंगलवार को कहा कि भारतीय निर्यात आयात बैंक की प्रबंध निदेशक हर्षा बंगारी ने वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण को 2024-25 के लिए शुद्ध लाभ के तहत 325 करोड़ रुपये अंतरित किए जाने की रसीद सौंपी। 2024-25 के दौरान, बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 3,243 करोड़ रुपये रहा।

शांति गोल्ड का आईपीओ 25 को, मूल्य 189-199

नई दिल्ली। स्वर्ण आभूषण विनिर्माता कंपनी शांति गोल्ड इंटरनेशनल ने अपने आगामी 360 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 189 से 199 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि आईपीओ 25 जुलाई को खुलेगा और 29 जुलाई को संपन्न होगा। आईपीओ पूर्णत: 1.81 करोड़ नए शेयर पर आधारित है इसमें ब्रिकी पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक शामिल नहीं है। मुंबई स्थित शांति गोल्ड के स्वर्ण आभूषणों के 'डिजाइन' तैयार करने और उत्पादन में विशेषज्ञता रखती है।

संतुलित रुख के साथ लागू हो जीएसटी

नई दिल्ली। जीएसटी को संवेदनशीलता और संतुलित रुख के साथ लागू किया जाना चाहिए, क्योंकि यूपीआई लेनदेन मामले में आक्रामक जांच छोटे कारोबारियों को नकदी-आधारित अर्थव्यवस्था में वापस धकेल सकती है। एसबीआई रिसर्च ने मंगलवार को रिपोर्ट में यह कहा। कर्नाटक में छोटे व्यापारियों द्वारा जीएसटी नोटिस के कारण नकद लेनदेन को प्राथमिकता देने की खबरों के बीच यह रिपोर्ट आयी है।

बीआईएस ने दिया नौ कैरेट ज्वेलरी का विकल्प

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: वैश्विक पटल पर अनिश्चितता का माहौल और भंडारण से सोने और चांदी के भाव में तेज उछाल है। इसे देखते हुए बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड) ने नौ कैरेट ज्वेलरी को मंजूरी दे दी है। यह ज्वेलरी आम उपभोक्ता के लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है। साथ ही तेजी से चढ़ती पीली धातु की कीमतों से डूब रही गोल्ड इंडस्ट्री के लिए यह एक बड़ा सहारा बनकर उभरेगी। इस विकल्प का फायदा यह होगा कि खरीदार का अगर बजट कम है तो भी वह शुद्ध ज्वेलरी खरीद सकेगा। धन एकत्र किया और थोड़ा-थोड़ा कर वह अपनी जरूरत के स्वर्णाभूषण आसानी से खरीद सकेगा।

सोने का भाव 1,00,400 प्रति दस ग्राम (24 कैरेट) है, वहीं चांदी 1,13,500 रुपये प्रति किलो का आंकड़ा छू चुकी है। ऐसे में इन दोनों धातुओं की खरीदारी आमजन की पहुंच से दूर होती जा रही है। आमजन की जरूरतों को देखते हुए 9 कैरेट की ज्वेलरी का विकल्प बनाया गया है।

- आमजन को राहत, महंगे सोने का विकल्प बनेगी यह ज्वेलरी
- अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में की जाती है खास पसंद
- बढ़ती कीमतों से डूब रही सर्राफा एजेंसी को मिला बड़ा सहारा

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में नौ कैरेट गोल्ड का चलन

सोने और चांदी को सबसे ज्यादा भरोसे का साथी माना जाता है। लेकिन लगातार कीमतों के नए कीर्तिमान गढ़ती पीली और सफेद धातु का यह ट्रेंड आमजन को ज्वेलरी से दूर करता जा रहा है। अगर लोगों को शादी में सोना और चांदी देना हो तो बजट बिगड़ जाता है। या तो वह शगुन के तौर पर जरूरी ज्वेलरी की खरीदारी करता है या फिर इन दोनों धातुओं को खरीदने से बच रहा था। इसे देखते हुए नौ कैरेट गोल्ड को चलन में लाने की अनुमति दी गई है। इसका चलन यूरोप और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी है। मध्यमवर्गीय परिवार को यह नया विकल्प काफी राहत देने वाला है।

– अनुराग रस्तोगी, नार्थ इंडिया हेड
इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इब्जा)

शुद्धता के अब ये होंगे मानक

इब्जा प्रदेश प्रमुख अनुराग रस्तोगी के मुताबिक अभी तक 14, 18, 20 और 22 कैरेट शुद्धता के सोने से जेवरात बनते हैं। अब इसमें 9 कैरेट का एक नया विकल्प दिया गया है। इसके शामिल होने से ऐसी ज्वेलरी तैयार होगी जो आमजन के बजट में होगी। नौ कैरेट से मुख्यत: कास्टिंग ज्वेलरी, डायमंड सेट, रत्न जड़ित अंगूठियां, हार, हस्त निर्मित आर्टिकिल आदि बनाए जा सकते हैं। हल्की ज्वेलरी के लिए खरीदार इस नए कैरेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं भारी और ज्यादा कैरेट वाली ज्वेलरी के खरीदार अपने हिसाब से पहले भी खरीदारी कर सकते हैं।

जेब के हिसाब से काफी प्रभावी नौ कैरेट के नए मानक आमजन और मध्यवर्गीय लोगों के जेब के हिसाब से काफी प्रभावी होंगे। इससे बाजार में छाया सन्नाटा कम होगा। आमजन खरीदारी के लिए बाजार में अपनी आमद दर्ज कराएंगे।

–विनोद महेश्वरी, यूपी संयोजक
ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन

आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण इंजन स्टार्टअप

बात काम की

स्टार्टअप आज विश्वभर में आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण इंजन बन गए हैं। ये नवाचार, रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा करते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा और गति मिलती है। डिजिटल युग में टेक्नोलॉजी आधारित स्टार्टअप से पारंपरिक उद्योगों में भी बदलाव आ रहा है। भारत जैसे विकासशील देश में स्टार्टअप ग्रामीण क्षेत्रों को भी आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक बन रहे हैं।

रोजगार सृजन में योगदान

स्टार्टअप कंपनियां बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करती हैं। पारंपरिक नौकरियों के विपरीत, ये लचीले, नवोन्मेषी व उच्च कौशल आधारित नौकरियों का सृजन करती हैं। भारत में 90,000 से अधिक स्टार्टअप हैं, जिन्होंने लाखों लोगों को रोजगार दिए।

नवाचार-प्रौद्योगिकी को बढ़ावा

स्टार्टअप का आधार नवाचार है। वे नई तकनीकों, उत्पादों व सेवाओं को विकसित कर प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता को बढ़ाते हैं। इससे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया जैसे अभियानों को बल मिलता है।

निवेश और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा

स्टार्टअप में घरेलू और विदेशी निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। वेंचर कैपिटल, एंजेल इन्वेस्टर और पीई फंड्स द्वारा स्टार्टअप में किया निवेश पूंजी प्रवाह को सक्रिय करता है। इससे न केवल उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि आर्थिक परिसंचरण भी बेहतर होता है।

ग्रामीण और क्षेत्रीय विकास

आज कई स्टार्टअप ग्रामीण क्षेत्र को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं, जैसे- एग्रीटेक, ग्रामीण ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य आदि। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और पलायन पर अंकुश लग रहा है। टियर-2-3 शहरों से भी स्टार्टअप उभर रहे हैं।

महिला सशक्तीकरण-समावेशिता

कई स्टार्टअप महिलाओं को उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे ला रहे हैं। महिला संचालित स्टार्टअप न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि सामाजिक संतुलन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं।

सरकारी सहयोग और नीतियां

भारत सरकार ने स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, डिजिटल इंडिया जैसे कई कार्यक्रम शुरू किए हैं जो स्टार्टअप को पूंजी, मार्गदर्शन, टैक्स छूट और कानूनी सरलता प्रदान करते हैं। इससे स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हुआ है।

स्वचालन बढ़ा, स्वामित्व हो रहा है कम

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने कहा - ग्राहकों की शिकायतों को लेकर बैंक कर्मचारियों में संवेदना की कमी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने धोखाधड़ी जैसे गंभीर पहलुओं पर ग्राहकों की बढ़ती शिकायतों के बीच बैंक कर्मचारियों में 'संवेदना की कमी' पर निराशा जताई है। आरबीआई प्रवर्तित एनआईबीएम (राष्ट्रीय बैंक प्रबंधन संस्थान) के कार्यक्रम में स्वामीनाथन ने कहा, स्वचालन बढ़ रहा है लेकिन स्वामित्व कम हो रहा है और ग्राहकों को 'अंतहीन' ईमेल और हेल्पलाइन नंबर से जूझना पड़ रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर बैंक कर्मचारियों को व्यवस्था में लोगों का विश्वास बनाए रखना है, तो इन मुद्दों का समाधान जरूरी है। रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर मंगलवार को स्वामीनाथन के संबोधन को डाला गया। डिप्टी गवर्नर ने कहा कि ग्राहकों की शिकायतों की संख्या, खासकर डिजिटल माध्यमों से हाल के वर्षों में काफी बढ़ी है। सोशल इंजीनियरिंग धोखाधड़ी (भरोसे में लेकर गड़बड़ी करना) से लेकर खराब शिकायत निवारण प्रणाली से जुड़ा नुकसान और निराशा वास्तविक है। अक्सर, समस्या उत्पाद या सेवा नहीं होती, बल्कि असली मुद्दा सहानुभूति की कमी है।

उन्होंने कहा कि आजकल, केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) समय-समय पर होने वाला एक 'रस्म' बनकर रह गया है। उन्होंने बैंक कर्मचारियों से डिजिटल संदर्भ में भी व्यक्तिगत जागरूकता और जिम्मेदारी वापस लाने का तरीका खोजने का आह्वान किया। स्वामीनाथन ने एटीएम पिन को लेकर वरिष्ठ नागरिकों की परेशानी, ग्रामीण क्षेत्र में कर्ज लेने वालों की ऑनलाइन ऋण चुकाने की चुनौतियों या यूपीआई भुगतान को लेकर छोटे-मोटे कारोबारियों की चिंताओं जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि ये केवल सेवा अनुरोध नहीं हैं, बल्कि समय देकर और धैर्य के साथ पेशेवर रुख दिखाकर भरोसा अर्जित करने के अवसर हैं। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी लेन-देन को संभव बनाएगी। लेकिन केवल आप ही संबंध बना सकते हैं और केवल आप ही अपने संस्थान के लिए ग्राहकों का भरोसा अर्जित कर सकते हैं। यही चीज है जो एक 'बैंकर' (बैंक कर्मचारी) को एक ऐप से अलग करती है।

- बोले- ग्राहकों को अंतहीन ईमेल और हेल्पलाइन नंबर से जूझना पड़ रहा

स्वामीनाथन जे. बोले- आज बैंकिंग पहले से कहीं ज्यादा जटिल

डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एक 'बैंकर' को तेजी से काम करना होता है, अनिश्चितताओं को सहना होता है, असफलताओं से उबरना होता है और लंबे समय तक केंद्रित रहना होता है। उन्होंने बैंक क्षेत्र में में दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने वाले छात्रों से कहा, आपको तीव्र बदलाव के क्षणों का सामना करना पड़ेगा। इनमें संकट, समयसीमा, लेखा-परीक्षण, नीतिगत बदलाव शामिल हैं। लेकिन आपको धीमी, जटिल प्रक्रियाओं से निपटने के लिए अनुशासन और सहनशक्ति की भी आवश्यकता होगी, जो महीनों या वर्षों में सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि सहानुभूति, जिज्ञासा और ईमानदारी ही छात्रों की दीर्घकालिक सफलता निर्धारित करेगी। स्वामीनाथ ने कहा कि चीजें योजना के अनुसार नहीं चलेंगी, लेकिन अपरिचित परिस्थितियों को स्वीकार करने और अप्रत्याशित परिस्थितियों को सीखने के अनुभवों में बदलने की क्षमता एक छात्र को अलग पहचान दिलाएगी। स्वामीनाथन ने छात्रों से सतर्क रहने और समय रहते सही रास्ता अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग पहले से कहीं ज्यादा जटिल है और साइबर खतरे, कृत्रिम पहचान, डीपफेक और तृतीय-पक्ष जोखिम जैसी नई चुनौतियां भी हैं।

रिजर्व बैंक का वित्तीय समावेश सूचकांक 4.3% बढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसका वित्तीय समावेश सूचकांक मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 4.3% बढ़ा है। यह देश में वित्तीय समावेश यानी वित्तीय सेवाओं तक पहुंच की स्थिति में सुधार को दर्शाता है। आरबीआई ने सरकार सहित संबंधित पक्षों के परामर्श से समग्र वित्तीय समावेश सूचकांक (एफआई-सूचकांक) तैयार किया है। वार्षिक सूचकांक पहली बार वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अगस्त, 2021 में प्रकाशित किया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा, मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष वर्ष के लिए सूचकांक संकलित किया गया है। मार्च, 2025 के लिए वित्तीय समावेश सूचकांक का मूल्य 67 है, जबकि मार्च, 2024 में यह 64.2 था। इसमें पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता समेत सभी उप-सूचकांकों में वृद्धि देखी गई है। 2024-25 में वित्तीय समावेश सूचकांक में उपयोग और गुणवत्ता आयाम का नतीजा है। यह वित्तीय समावेश के दायरे में ज्यादा-से-ज्यादा लोगों को लाने और वित्तीय साक्षरता की दिशा में निरंतर उठाये गये कदमों को दर्शाता है।

निवेशकों के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव एक चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने मंगलवार को कहा कि पूंजी बाजारों में निवेशकों की बढ़ती संख्या के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव व वित्तीय परिवेश में विश्वास की कमी इस बढ़ते निवेशक रुझान के लिए चुनौतियां पेश कर सकती हैं। देश में पूंजी बाजारों में निवेश करने वालों की संख्या बढ़कर 13 करोड़ है जो मार्च, 2020 में 4.2 करोड़ थी। अभी इसमें और वृद्धि की काफी गुंजाइश है।

नारायण ने निवेशकों की संख्या में वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए चुनौतियों के समाधान पर कहा कि साइबर-डिजिटल धोखाधड़ी जैसे जोखिम गंभीर चिंताजनक हैं। गड़बड़ी करने वाले अक्सर परिष्कृत और संगठित होते हैं और भोले-भाले निवेशकों को शिकार बनाते हैं। इससे साइबर सुरक्षा ऐसा क्षेत्र बन जाता है, जिस पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सदस्य ने कहा कि निवेशकों को बाजार की अस्थिरता के बारे में जागरूक रहने की जरूरत है। बाजार में उतार-चढ़ाव तय है और निवेशक अपने पोर्टफोलियो को व्यक्तिगत जोखिम क्षमता के अनुरूप बनाएं। नारायण ने कहा, हमें अस्थिरता और जोखिम के अर्थ को समझना और आत्मसात करना होगा। उन्होंने वित्तीय नियोजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वित्तीय परिवेश में निवेशकों का भरोसा बनाए रखने की जरूरत बतायी।

नारायण ने कहा कि बाजार को मजबूत बनाए रखने में सेबी के साथ-साथ शेयर बाजारों और डिपॉजिटरी जैसे नियामकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निवेश रणनीति के तहत निवेश परिसंपत्ति में विविधीकरण की जरूरत बताई। सेबी बॉण्ड व जिंस बाजारों की मजबूती पर काम कर रहा है ताकि अच्छे विकल्प मिल सकें।

- वर्तमान में पूंजी बाजारों में निवेशकों की संख्या 13 करोड़ है जो 2020 में केवल 4.2 करोड़ थी

भारत-ईयू के बीच अब तक 12 दौर की हो चुकी है वार्ता

लोकसभा को वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री प्रसाद ने बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-अमेरिका में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए मार्च 2025 में शुरू वार्ता के पांच दौर पूरे हो चुके हैं। सरकार ने मंगलवार को संसद में यह जानकारी दी।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा को बताया कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच 12 दौर की वार्ता हो चुकी है। अंतिम दौर की वार्ता 7 से 11 जुलाई तक ब्रसेल्स में हुई थी। प्रसाद ने बताया, भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता मार्च 2025 में शुरू की गई थी। वार्ता के पांच दौर हो चुके हैं, जिनमें से अंतिम वार्ता 14-18 जुलाई तक वाशिंगटन में हुई थी। मंत्री ने बताया कि पांच वर्षों में बौद्धिक संपदा (आईपी) फाइलिंग 2020-21 में 4,77,533 से 44 प्रतिशत बढ़कर 2024-25 में 6,89,991 हो गई हैं। सबसे अधिक वृद्धि भौगोलिक संकेतक (जीआई) में देखी गई, जिसमें 380% की वृद्धि हुई, इसके बाद डिजाइन (266), पेटेंट (180), कॉपीराइट (83), ट्रेडमार्क (28) और सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट लेआउट-डिजाइन (एसआईसीएलडी) में 20% की वृद्धि हुई। हस्तशिल्प, कृषि और खाद्य जैसे क्षेत्रों में 697 जीआई पंजीकरण जारी किए जा चुके हैं।

मानसून सत्र

- जितिन प्रसाद बोले- भारत-अमेरिका में प्रस्तावित एफटीए के लिए पांच दौर की वार्ता हो चुकी है संपन्न

आपदा से 1.58 लाख हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा को बताया कि इस साल 1 अप्रैल से अब तक 12 राज्यों में ओलावृष्टि, बारिश और बाढ़ से 1.58 लाख हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ है। उन्होंने इस साल मानसून के मौसम के दौरान ओलावृष्टि/भारी बारिश/बाढ़ के कारण प्रभावित फसल क्षेत्र का विवरण साझा किया। प्रभावित क्षेत्र में कृषि और बागवानी, दोनों फसलें शामिल हैं।

पीएलआई योजनाओं के तहत 14 क्षेत्रों के लिए अब तक 806 आवेदन किए गए मंजूर

सरकार ने कहा कि अब तक 14 क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत 806 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। भारत की विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात को बढ़ाने के लिए दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, कपड़ा और ऑटो सहित 14 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ योजनाओं की घोषणा 2021 में की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि अब तक 14 क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं के तहत 806 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। मार्च 2025 तक 14 क्षेत्रों में 1.76 लाख करोड़ का वास्तविक निवेश प्राप्त हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 16.5 लाख करोड़ से अधिक का उत्पादन/बिक्री हुई है और 12 लाख से अधिक (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का) रोजगार सृजन हुआ।

एसडीआरएफ से दिए 22 राज्यों को 9578.40 करोड़

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को बताया कि चालू वित्त वर्ष में 15 जुलाई तक राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) से केंद्रीय अंश के रूप में 22 राज्यों के लिए 9578.40 करोड़ रुपये जारी किए हैं। प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर एसडीआरएफ एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के तहत वित्तीय सहायता राहत के रूप में है, न कि नुकसान की भरपाई के लिए है। मंत्री ने कहा, हिमाचल के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) का गठन हुआ है, जो नुकसान का आकलन कर राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा।

आधार, राशन कार्ड केवल पहचान के लिए है: ईसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसआईआर अयोग्य को हटाकर बढ़ाता है चुनाव की शुचिता को

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को उचित ठहराते हुए कहा है कि यह सूची से अयोग्य व्यक्तियों को हटाकर चुनाव की शुचिता को बढ़ाता है।

बिहार से शुरू कर पूरे भारत में मतदाता सूची के एसआईआर का निर्देश 24 जून को दिया गया। इस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका के संबंध में निर्वाचन आयोग के हलफनामे में कहा गया कि कानूनी चिंताओं के बावजूद आयोग एसआईआर-2025 प्रक्रिया के दौरान पहचान के सीमित उद्देश्य के लिए आधार, मतदाता और राशन कार्ड पर पहले से ही विचार कर रहा है। आयोग ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची से अपात्रों को हटाकर चुनावों की शुचिता बढ़ाती है। मतदान का अधिकार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धाराओं 16 और 19 के साथ अनुच्छेद 326 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 62 से प्राप्त होता है।

स्वर्ण मंदिर पर श्रद्धा भरे बादल

अमृतसर में छाए घने काले वादलों ने स्वर्ण मंदिर की आभा को और भी बढ़ा दिया। जैसे मानों यह गुरुजन के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर रहे हों। प्रकृति के इस स्वरूप को देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। एजेंसी

हिमाचल: ट्रक पर चट्टान गिरी, 435 मार्ग अवरुद्ध

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भारी बारिश के दौरान पिकअप ट्रक पर चट्टान गिरने से उसका चालक व यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह हादसा लुहरी जाजर सड़क पर कानी नाले के पास सोमवार को हुआ।

राज्य में बारिश से तीन एनएच सहित कुल 435 सड़कें बंद हैं। इनमें से 260 सड़कें आपदा प्रभावित मंडी की हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, 534 बिजली वितरण ट्रांसफार्मर और 197 जलापूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। मंडी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 21, मंडी-कुल्लू मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग 154 (मंडी-पठानकोट) अवरुद्ध हैं।

इकबालिया और गवाहों के बयानों में कॉपी पेस्ट पर अदालतों ने जताई चिंता

मुंबई, एजेंसी

अदालतों ने आरोप पत्रों में इकबालिया और गवाहों के बयानों में 'कॉपी पेस्ट' संस्कृति को लेकर कई मौकों पर चिंता जतायी है। बम्बई हाईकोर्ट ने इसे खतरनाक प्रवृत्ति बताया है।

यह मुद्दा फिर सामने आया, जब हाईकोर्ट ने 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि इकबालिया बयान अधूरे और सत्य नहीं पाए गए हैं, क्योंकि कुछ हिस्से एक दूसरे के कॉपी पेस्ट हैं। मई और जून में दो मामलों में, हाईकोर्ट ने गवाहों के बयान कॉपी पेस्ट किए जाने पर ध्यान दिया था और महाराष्ट्र सरकार को इस बढ़ती समस्या को दूर करने और दिशानिर्देश जारी करने का निर्देश दिया था।

ट्रेन विस्फोट मामले में सोमवार को दिए गए आदेश में, उच्च न्यायालय ने आरोपियों के इकबालिया बयानों में समानता को गंभीरता से लिया। अदालत ने कहा कि इकबालिया बयान विभिन्न आधारों पर सत्य और पूर्ण नहीं पाए गए और कुछ अंश एक जैसे और नकल किए हुए पाए गए।

मई में, एक अन्य मामले में, उच्च न्यायालय ने गंभीर अपराधों में भी गवाहों के बयानों को कॉपी पेस्ट करने की खतरनाक संस्कृति को लेकर चेतावनी दी थी और महाराष्ट्र सरकार से दिशानिर्देश जारी करने को कहा था। तब हाईकोर्ट ने कहा था कि उसके सामने ऐसे कई मामले आए हैं, जहां उसने गवाहों के बयान कॉपी-पेस्ट किए जाने को देखा है। पिछले महीने, हाईकोर्ट ने एक और आपराधिक मामले में इसी तरह की प्रवृत्ति पर ध्यान दिया था और राज्य सरकार को इस बढ़ते खतरे से निपटने का निर्देश दिया था।

- बम्बई हाईकोर्ट ने इस गतिविधि को खतरनाक प्रवृत्ति बताया

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामला

एसआईटी से दोबारा जांच कराने की आरोपियों ने की मांग

मुंबई। मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में विशेष अदालत द्वारा 2015 में बरी किए एकमात्र व्यक्ति अब्दुल वाहिद शेख ने मंगलवार को फिर से जांच के लिए हाईकोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की।

मुंबई हाईकोर्ट द्वारा मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी करने के आदेश के बाद शेख ने यह मांग की है। न्यायायल ने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में विफल रहा है। महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते द्वारा शेख को गिरफ्तार करने के नौ साल बाद विशेष अदालत ने रिहा किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटा दूसरा जत्था

पिथौरागढ़। कैलाश मानसरोवर यात्रियों का दूसरा दल कैलाश की परिक्रमा कर मंगलवार को वापस भारत लौट आया है और मंगलवार को उसने भारतीय सीमा में प्रवेश किया। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी के अनुसार आईटीबीपी के जवानों द्वारा लिपुलेख में जत्थे का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके पश्चात यह दल नाभीढांग के रास्ते कालापानी पहुंचा। इस दल में 44 यात्रियों समेत कुल 51 सदस्य शामिल हैं, जिनमें 4 सपोर्टिंग स्टाफ हैं। सभी यात्री स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं। यह दल शीघ्र ही अगला पड़ाव गुंजी पहुंचेगा।

केरल से लौटा ब्रिटेन का लड़ाकू विमान

तिरुवनंतपुरम। केरल में एक महीने पहले तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया ब्रिटेन का लड़ाकू विमान 'एफ-35 बी' मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद मंगलवार को स्वदेश लौट गया। यह विमान पूर्वाह्न 10 बजकर 50 मिनट पर आस्ट्रेलिया के डार्विन के लिए रवाना हुआ। ब्रिटिश उच्चायोग के प्रवक्ता ने कहा, 14 जून को आपात स्थिति में उतारा गया ब्रिटेन का लड़ाकू विमान एफ-35 बी आज तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हो गया। छह जुलाई से तैनात ब्रिटेन की एक इंजीनियरिंग टीम ने मरम्मत और सुरक्षा जांच पूरी की, जिससे यह विमान फिर से सक्रिय सेवा में लौट सका। प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन भारतीय अधिकारियों और हवाई अड्डे की टीम के सहयोग के लिए बहुत आभारी है, जिन्होंने विमान की मरम्मत और उसके ठीक होने में पूरा साथ दिया।

ट्रंप ने किया यूनेस्को से हटने का फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) से हटाने का फैसला किया है। उन्होंने इस संगठन पर ऐसे मसलों को समर्थन देने का आरोप लगाया है जो विभाजनकारी होते हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट अखबार ने व्हाइट हाउस की उप प्रवक्ता अन्ना केली के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूनेस्को से अमेरिका को हटाने का फैसला किया है। संयुक्त राष्ट्र का यह संगठन विभाजनकारी सांस्कृतिक और सामाजिक मुद्दों का समर्थन करता है और उन सामान्य नीतियों से पूरी तरह अलग है जिनके लिए अमेरिकियों ने नवंबर में मतदान किया था।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में फिर सेवाएं देंगी गीता गोपीनाथ

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- सात वर्षों से आईएमएफ में थीं उप प्रबंध निदेशक पद पर कार्यरत

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में प्रथम उप प्रबंध निदेशक भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि वह हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर के रूप में पुनः सेवाएं देंगी।

आईएमएफ के इतिहास में पहली मुख्य महिला अर्थशास्त्री गोपीनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आईएमएफ में लगभग सात अद्भुत वर्षों के बाद मैंने अपनी शैक्षणिक जड़ों की ओर लौटने का फैसला किया है। गोपीनाथ एक सितंबर को हार्वर्ड के अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र की प्रथम 'ग्रेगरी और एनिया कॉफी प्रोफेसर' के रूप में फिर से सेवाएं देंगी। उन्होंने कहा कि वह आईएमएफ में बिताए गए समय के लिए वाकई आभारी हैं। वह आईएमएफ में पहले मुख्य अर्थशास्त्री थीं और फिर उन्होंने प्रथम उप प्रबंध निदेशक के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर में आईएमएफ के लिए काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है।

विद्यार्थियों की आत्महत्याएं

दुनिया के देशों में दूसरे नंबर पर है भारत

भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की लगातार बढ़ती घटनाएं एक गंभीर और चिंताजनक सामाजिक समस्या का रूप ले चुकी हैं। आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियों से यूं तो दुनिया भर के विद्यार्थियों को जूझना पड़ रहा है लेकिन दुनिया के देशों में भारत का नंबर इस मामले में दूसरा है जो साफ बताता है कि यह समस्या यहां कितनी गंभीर हो चुकी है। आईसी-3 इंस्टीट्यूट की ओर से प्रकाशित एक रिपोर्ट 'स्टूडेंट सुसाइड : एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया' के अनुसार भारत में विद्यार्थियों के आत्महत्या करने की दर कुल आत्महत्या प्रवृत्तियों और जनसंख्या वृद्धि से कहीं ज्यादा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कुल आत्महत्या के मामलों में दो प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है, जबकि विद्यार्थियों के आत्महत्या के मामले चार प्रतिशत वृद्धि के साथ बढ़े हैं।

एनसीआरबी के आंकड़े

- नेशनल क्राइम ब्यूरो रिकॉर्ड के आंकड़ों के मुताबिक 2019-20 के दौरान देश में विद्यार्थियों की आत्महत्याओं में 20 प्रतिशत की अप्रत्याशित वृद्धि हुई।
- वर्ष 2021 में देश में विद्यार्थियों की आत्महत्या के करीब 12 हजार मामले सामने आए थे, 2023 में यह आंकड़ा 13 हजार से भी ज्यादा पहुंच गया।
- भारत में हर 42 मिनट में एक विद्यार्थी आत्महत्या कर लेता है। 2022 में कुल आत्महत्याओं में 53 प्रतिशत छात्र और 47 प्रतिशत छात्राएं थीं।

घटनाओं की गंभीरता

- वर्ष 2021 और 2022 के बीच पुरुष छात्र आत्महत्याओं में 6% की कमी आई लेकिन छात्राओं की आत्महत्याओं में 7 % की वृद्धि हुई।
- वर्ष 2021 में आत्महत्या के कुल मामले 164,033 और 2022 में 170,924 दर्ज हुए, जिसमें छात्र आत्महत्या के मामले क्रमशः 13,089 और 13,044 थे।
- कुल संख्या में 7.6% छात्र आत्महत्याएं हैं, ये दर श्रमिकों, किसानों, बेरोजगारों सहित कई और श्रेणियों के लोगों की आत्महत्याओं के बराबर है।

आत्महत्या की प्रवृत्ति

- आत्महत्या की सर्वाधिक प्रवृत्ति इंजीनियरिंग और मेडिकल के विद्यार्थियों में देखी गई है।
- कोचिंग हब कहे जाने वाले कोटा, हैदराबाद और दिल्ली एनसीआर में सर्वाधिक घटनाएं।
- आईआईटी, एनआईटी और एआईआईएमस में भी आत्महत्या की चिंताजनक स्थिति।

सुप्रीम कोर्ट की चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में आईआईटी खड़गपुर और शारदा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की आत्महत्या का स्वतः संज्ञान लिया और उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई। अदालत ने दोनों विश्वविद्यालयों को चेतावनी दी कि अगर इन मामलों में एफआईआर दर्ज करने में कोई देरी हुई तो उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

दुनिया की स्थिति

- भारत में प्रति लाख विद्यार्थियों में 35 से 40 के आत्महत्या करने का औसत है।
- दक्षिण कोरिया में प्रति एक लाख में 60 से ज्यादा विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं।
- जापान में एक लाख विद्यार्थियों में से 30 से 40 विद्यार्थी ये फैसला करते हैं।
- अमेरिका में एक लाख में से 10 से 15 विद्यार्थी आत्मघाती कदम उठाते हैं।

पहलगाम हमले के आतंकियों के न पकड़े जाने से बढ़ीं सुरक्षा चिंताएं

आतंकी वारदात के तीन माह गुजरे, अब तक सिर्फ दो संदिग्ध की गिरफ्तारी

पहलगाम, एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के तीन महीने बाद भी, इसे अंजाम देने वाले आतंकवादियों के फरार रहने के कारण क्षेत्र में सुरक्षा चूक को लेकर चिंता जताई जा रही है और जवाबदेही तय करने की मांग बढ़ रही है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 22 अप्रैल को हुई इस घटना के सिलसिले में अब तक दो गिरफ्तारियां की हैं। माना जा रहा है कि गिरफ्तार किये गए लोगों ने ही हमलावरों को साजोसामान उपलब्ध कराए थे, जबकि इस हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी अब भी सुरक्षा एजेंसियों की जद में नहीं आए हैं।

अगले महीने पांच साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना को 'सुरक्षा विफलता' माना है। उनकी इस स्वीकारोक्ति की मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सराहना की, लेकिन जवाबदेही की भी मांग की है। अब्दुल्ला ने हाल में कहा, मैं उपराज्यपाल के बयान की सराहना करता हूं, लेकिन विफलता स्वीकार करने के बाद कार्रवाई भी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा था, जब इतनी गंभीर चूक के कारण कीमती जानें चली जाएं , तो इसके लिये जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कश्मीर के लोगों को यह जानने का हक है कि क्या गलत हुआ और इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। अधिकारियों का कहना है कि खुफिया एजेंसियों को आतंकी हमले होने की संभावना के बारे में सतर्क किया गया था, लेकिन इन सूचनाओं का उपयोग हमले वाले स्थान से लगभग 90 किलोमीटर दूर किसी अन्य स्थान पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। एनआईए को इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है और अब तक उसने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिन पर हमलावरों को पनाह देने और भोजन की व्यवस्था करने का संदेह है।

एजेंसी ने 22 जून को पहलगाम के बटकोट निवासी परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क निवासी बशीर अहमद जोथर को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने कहा था कि गिरफ्तार आरोपी वर्तमान में हिरासत में हैं। उन्होंने हमले में शामिल तीन हथियारबंद आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि की है कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे, जो प्रतिबंधित 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' से जुड़े हुए हैं। यह संगठन पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध है। एनआईए के अनुसार, परवेज और बशीर ने हमले से पहले तीन हथियारबंद आतंकवादियों को हिल पार्क स्थित एक झोपड़ी में पनाह दी थी। एजेंसी ने कहा कि दोनों लोगों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और साजो-सामान उपलब्ध कराया था, जिन्होंने घटना वाले दिन धार्मिक पहचान के आधार पर पर्यटकों की जान ली थी।

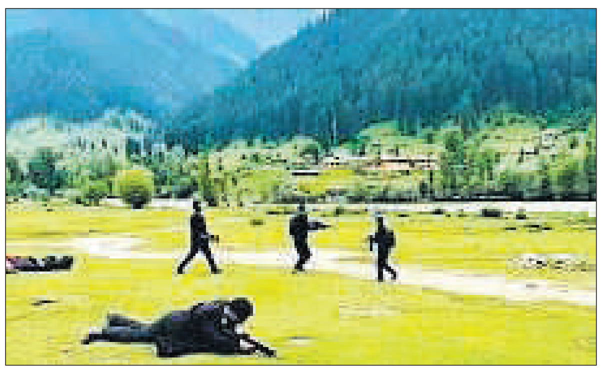

फाल्कन स्क्वाड के सदस्य थे हमलावर आतंकवादी

सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी, जो 'फाल्कन स्क्वाड' के नाम से जानी जाने वाली टीआरएफ इकाई के सदस्य हैं, सैन्य वर्दी में पहलगाम क्षेत्र में घुसे थे तथा उनके पास सेना जैसे हथियार और कैमरा-युक्त हेलमेट सहित अन्य संचार उपकरण थे। उन्होंने बताया कि हमले की साजिश कथित तौर पर सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद ने बनाई थी, जो लश्कर का शीर्ष कमांडर और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित आतंकवादी हाफिज सईद का निजी सहायक है। सुरक्षा अधिकारियों ने संकेत दिया कि हमलावरों का ऑनलाइन पता कराची और मुजफ्फराबाद में सीमा के पास स्थित सुरक्षित ठिकानों से लगाया गया था, जिससे पता चलता है कि हमलावर पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क से जुड़े हुए थे।

श्रद्धा सागर

श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा के समापन की पूर्व संध्या पर मंगलवार को दिल्ली-हरिद्वार एक्सप्रेसवे पर कांवड़ियों का रेला उमड़ पड़ा। कांवड़ियों की आवाजाही के कारण हजारों वाहन कई घंटे तक जाम में फंसे रहे। एजेंसी

तिरंगे के सियासी प्रयोग पर रोक की मांग खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्र ध्वज से मिलते-जुलते झंडों का चुनाव चिह्नों के साथ इस्तेमाल करने वाले राजनीतिक दलों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध करने संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई करने से मंगलवार को इन्कार कर दिया। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने संजय भीमशंकर थोबडे नामक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जो व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित हुए थे।

कांवड़ यात्राः ढाबों पर क्यूआर कोड प्रदर्शन के निर्देश पर रोक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट का इन्कार, लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन प्रदर्शित करने होंगे

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों के लिए 'क्यूआर' कोड संबंधी निर्देश पर रोक लगाने से मंगलवार को इन्कार कर दिया और इस मार्ग पर मौजूद सभी होटल मालिकों को निर्देश दिया कि वे वैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप अपने लाइसेंस एवं पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करें।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह होटल या ढाबा मालिक का नाम और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने के अन्य मुद्दों पर विचार नहीं कर रही, क्योंकि मंगलवार को कांवड़ यात्रा का अंतिम दिन है। पीठ ने कहा, 'हमें बताया गया है कि यात्रा का आज अंतिम दिन है, इसलिए इस स्तर पर हम केवल यह आदेश पारित कर सकते हैं कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के निर्देश का पालन करेंगे। शीर्ष अदालत ने शिक्षाविद अपूर्वानंद झा और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया।

सरकारी आवास पर लंबा कब्जा ठीक नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के एक पूर्व विधायक की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिसमें सरकारी बंगले में निर्धारित से अधिक समय रहने पर दंडस्वरूप 20 लाख रुपये की किराया मांग का विरोध किया गया था। कोर्ट ने कहा, किसी को भी सरकारी आवास पर अंतहीन कब्जा नहीं रखना चाहिए। सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ पूर्व विधायक अवनीश कुमार सिंह की अपील पर सुनवाई कर रही थी।

छह दशक सेवा के बाद भारतीय वायुसेना से विदाई लेंगे मिग-21

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस निर्मित मिग-21 लड़ाकू विमान छह दशकों से अधिक समय तक सेवा में रहने के बाद सितंबर में भारतीय वायुसेना से सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

सूत्रों ने बताया कि 23वें स्क्वाड्रन के अंतिम मिग-21 विमान को 19 सितंबर को चंडीगढ़ वायुसेना अड्डे में एक समारोह में विदाई दी जाएगी। मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना का मुख्य आधार रहे। सेवा में 1960 के दशक में पहली बार शामिल किए जाने के बाद भारतीय वायुसेना ने अपनी समग्र युद्ध क्षमता को बढ़ाने के लिए 870 से ज्यादा मिग-21 खरीदे। हालांकि इस विमान का सुरक्षा रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। मिग-21 विमान 1965 और 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में प्रमुख लड़ाकू विमान थे।

- चंडीगढ़ में 21 सितंबर को आखिरी उड़ान भरेगा लड़ाकू विमान

भारत-ब्रिटेन में व्यापक साझेदारी की जरूरत

मोदी की यात्रा से पहले हिंद-प्रशांत रणनीति को नया स्वरूप देने का आह्वान

लंदन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुप्रतीक्षित ब्रिटेन यात्रा और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर से पहले देश के प्रमुख थिंक टैंक ने मंगलवार को ब्रिटेन की हिंद प्रशांत रणनीति को नया स्वरूप देने का आह्वान किया। थिंक टैंक ने कहा कि यह रणनीति केवल व्यापार समझौते तक सीमित न रहकर भारत के साथ व्यापक साझेदारी को बढ़ावा देनी वाली होनी चाहिए।

'रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स' ने जिसे आमतौर पर 'चैथम हाउस' के नाम से जाना जाता है, 'ब्रिटेन के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता क्यों दी जानी चाहिए' शीर्षक से एक शोध पत्र जारी किया है। इस शोध पत्र में चेतावनी दी है कि यदि रणनीति केवल द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित रही और व्यापक दक्षिण एशियाई क्षेत्र की अनदेखी की गई,जो भारत जैसी आर्थिक विकास गति पर नहीं है,तो यह ब्रिटेन के क्षेत्रीय हितों के लिए सीमित प्रभाव वाली साबित हो सकती है।

इसमें नई दिल्ली के साथ ब्रिटेन के घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे अन्य देशों को शामिल करते हुए अधिक त्रिपक्षीय सहयोग का भी आह्वान किया गया है। लंदन स्थित इस 'थिंक टैंक' के विश्लेषण में कहा गया है, दक्षिण एशिया में, भारत के साथ सीमित व्यापार समझौते को सफलतापूर्वक अंतिम रूप देने के बाद अब ब्रिटेन को चाहिए कि वह द्विपक्षीय सहयोग के दायरे को और विस्तृत करे, ताकि दोनों देशों की व्यापक विदेश नीति प्राथमिकताओं जैसे अमेरिका और वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव का बेहतर लाभ उठाया जा सके।

अपनी सिफारिशों में 'थिंक टैंक' ने ब्रिटेन से आग्रह किया है कि वह भारत के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक संबंध विकसित करना जारी रखे, लेकिन साथ ही केवल द्विपक्षीय ब्रिटेन-भारत संबंधों तक सीमित रहने के बजाय व्यापक क्षेत्रीय एकीकरण और विकास को प्राथमिकता दे। कहा गया है, ब्रिटेन को भारत के साथ अपने संबंधों को हाल ही में संपन्न और लंबे समय से प्रतीक्षित व्यापार समझौते से आगे ले जाना चाहिए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थितिः 23 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी, 24 जुलाई 02.28 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

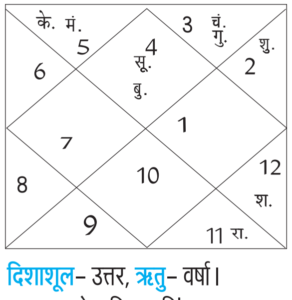

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-आर्द्रा 17.54 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष: आज अपने प्रेमी को दिल की बात कहना चाह रहे हैं तो दिन बेहद अनुकूल है। अपनी रुचि के अनुसार काम करने से मन प्रसन्न रहेगा। परिजनों के व्यवहार से आप अत्यंत आनंद और गर्व की अनुभूति करेंगे। व्यापार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा।

वृष: आज कार्यक्षेत्र में अपनी योग्यता के अनुरूप प्रदर्शन करने में कठिनाई होगी। खांसी-जुकाम की समस्या हो सकती है। रिश्तेदार आपकी अवहेलना कर सकते हैं। आप अपनी समझदारी से उलझे मामलों को सुलझा लेंगे।

मिथुन: आज कार्यक्षेत्र में आपको पुरस्कार दिया जा सकता है। व्यवसाय में बिक्री बढ़ेगी। गुरुजनों के साथ आप अच्छा समय बिता सकते हैं। आपकी सकारात्मक सोच लोगों के ऊपर विशिष्ट छाप छोड़ेगी। सहयोगी आपको बड़ा सहयोग देने का प्रयास करेंगे।

कर्क: आज कोई रुका हुआ काम आपको शीघ्र पूरा करना पड़ेगा। बाहरी लोग आपके निजी मामलों में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेंगे। शाम को सिरदर्द की समस्या हो सकती है। मौसमी बीमारियों को लेकर परेशानी होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के लिए लोग ताना दे सकते हैं।

सिंह: आज पारिवारिक जीवन में आनंद की अनुभूति करेंगे। संपत्ति में निवेश करना शुभ रहेगा। सरकारी कार्यों की बाधा दूर होगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। धर्म-कर्म में आप अत्यधिक रुचि लेंगे।

कन्या: आज घर में मेहमान आ सकते हैं। व्यापार में अचानक बड़ा लाभ मिल सकता है। विदेश जाने के अवसर बन रहे हैं। प्रेम संबंधों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। प्रेमी जन के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

तुला: आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। सभी कार्य समय पर होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। नया वाहन खरीदने का विचार बना सकते हैं। अपनी भविष्य की योजनाओं को किसी से न बोलें।

वृश्चिक: आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिनाई का अनुभव हो सकता है। बनते कार्यों में रुकावटें आने से अधिक भागदौड़ करनी पड़ेगी। पुरानी नकारात्मक बातों के उभरने से मन व्यथित हो सकता है। संतान के ऊपर ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु: आज पूरा दिन शांति से बीतेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शानदार रहने वाला है। नए प्रकल्पों पर आप काम शुरू कर सकते हैं। धन के लेन-देन में सावधानी अवश्य रखें। धार्मिक कार्यों में धन खर्च होगा।

मकर: आज यदि आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है तो उसे हल्के में न लें। अविवाहितों के विवाह तय होने में देरी हो सकती है। परिजनों के साथ आज महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। कुसंगति से आपको बचना चाहिये। परिश्रम का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा है। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा। रिश्तों में मधुरता आने से आप अत्यन्त तनावमुक्त महसूस करेंगे। आज आप कार्यक्षेत्र में काम के मूड में कम रहेंगे। नये व्यवसायिक अनुबन्ध करने से पहले थोड़ी सावधानी रखनी जरूरी है।

मीन: आज आप घर पर रहना अधिक पसंद करेंगे। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। जॉब में आपको अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। अधिकारी इस समय आपके काम पर खास प्रसन्न नहीं हैं। इसीलिए ऐसा कोई कार्य न करें जिससे आपके अधिकारी नाराज हों।

सुडोकू-47

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

7	6			5		2		3
	3	9	6	1	8	5		
	5				7			
5	9						2	
	8			3			5	
	4						1	7
			4				3	
		4	2	7	3	9	6	
6		3		8			4	1

सुडोकू - 46 का हल

3	1	6	4	7	8	5	2	9
5	8	2	6	9	3	4	7	1
7	4	9	5	2	1	6	3	8
9	2	7	8	3	6	1	4	5
8	3	4	1	5	7	2	9	6
1	6	5	9	4	2	3	8	7
2	5	3	7	1	9	8	6	4
6	7	1	2	8	4	9	5	3
4	9	8	3	6	5	7	1	2

> मुझे शुरू से ही वाशिंगटन का खेल पसंद रहा है। जब मैंने उसे पहली बार देखा तो मैंने कहा था कि वह कमाल का खिलाड़ी है और उसमें कई वर्षों तक भारत का अदद ऑलराउंडर बनने की क्षमता है।
> –रवि शास्त्री

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 23 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

अल्काराज भी टोरंटो मास्टर्स में नहीं खेलेंगे

टोरंटो : दुनिया के दूसरे नंबर से खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने टोरंटो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। इससे अमेरिकी ओपन से पहले होने वाली इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की चमक और फीकी पड़ गई है। इससे एक दिन पहले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर, छठे नंबर के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने अगले सप्ताह शुरू होने वाली इस हार्ड कोर्ट प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया था। अल्काराज ने कहा मैं अभी विंबलडन की थकान से उबर रहा हूं और इस कारण टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं ले पाऊंगा।

झेंग किनवेन अमेरिकी ओपन से हटीं

न्यूयॉर्क : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन ने कोहनी की चोट के कारण वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट अमेरिकी ओपन से नाम वापस ले लिया है। चीन की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने दो दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी दाहिनी कोहनी की लगातार दर्द के कारण आर्थोस्कोपिक सर्जरी हुई है। दुनिया में छठी रैंकिंग की खिलाड़ी झेंग पिछले महीने विंबलडन में पहले दौर में हार गई थीं। झेंग ने कहा कि उन्हें लग रहा था कि उन्हें ठीक होने में महीनों लगेंगे, इसलिए यह सुनिश्चित हो गया था कि वह 24 अगस्त से शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन में भाग नहीं ले पाएगी।

दिल्ली प्रीमियर लीग दो अगस्त से

नई दिल्ली : दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) दो अगस्त से पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ शुरू होगी जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता 17 अगस्त से खेली जाएगी। पुरुषों का फाइनल 31 अगस्त को होगा। पुरुष वर्ग में चार-चार टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। ग्रुप ए में आउटर दिल्ली वॉरियर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, न्यू दिल्ली टाइगर्स और नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स जबकि ग्रुप बी में वेस्ट दिल्ली लायंस, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ और पुरानी दिल्ली 6 शामिल हैं।

भारत का विश्व कुश्ती में भाग लेना संदिग्ध

नई दिल्ली : भारतीय कैडेट कुश्ती टीमों पर 28 जुलाई से एथेंस में शुरू होने वाली प्रतिष्ठित अंडर 17 विश्व चैंपियनशिप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि 47 सदस्यीय दल को शनिवार को रवाना होना है, लेकिन यूनान के दूतावास ने अभी तक उनके वीजा संबंधी अनुरोध का जवाब नहीं दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने 10 जुलाई को वीजा के लिए मिलने का समय मांगा था, लेकिन 12 दिन बीत चुके हैं और दूतावास से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

दिल्ली सरकार ने पुरस्कार राशि बढ़ाई

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने बताया मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपये, दो करोड़ रुपये और एक करोड़ रुपये दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को सात करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को पांच करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

प्रणय पांच मैच प्वाइंट बचाकर अगले दौर में

चांग्झू : भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने पांच मैच प्वाइंट बचाए और एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मंगलवार को यहां जापान के कोकी वतनबे को हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 18वें नंबर के वतनबे के खिलाफ 8-21, 21-16, 23-21 से जीत हासिल की। लेकिन लक्ष्य सेन का खराब प्रदर्शन जारी रहा। उन्हें चीन के ली शि फेंग से 21-14, 22-24, 11-21 से हरा दिया।

आजमाए गए फार्मूले से हटकर उतरेगी भारतीय टीम

इंग्लैंड को हराकर श्रृंखला बराबर करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगा भारत

मैनचेस्टर, एजेंसी

पिछले मैच में हार और कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के बावजूद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाले चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच में श्रृंखला में वापसी करने और ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार जीत हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारत को हालांकि अभी तक आजमाए गए अपने फॉर्मूले से हटने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नितीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर की मौजूदगी में भारत के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने की गुंजाइश थी, लेकिन मैनचेस्टर में ऐसा शायद न हो, जहां भारतीय टीम अभी तक जीत हासिल नहीं कर पाई है। भारत ने यहां अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे पराजय का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे।

इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस श्रृंखला को जीवंत बनाए रखना है तो उसे यहां हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। श्रृंखला का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले शार्दुल ठाकुर को रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है लेकिन उनका बल्लेबाजी में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाजी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में महत्वपूर्ण अवसरों पर विकेट लिए थे। भारत लीड्स के संयोजन को फिर से आजमा सकता है, जहां उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें करुण नायर और साई सुदर्शन दोनों अंतिम एकादश में थे। इसके अलावा नए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है। आकाश दीप की तरह, कंबोज भी अच्छी सीम मूवमेंट पैदा कर सकते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां की परिस्थितियों से कुछ हद तक वाकिफ हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में श्रृंखला में पहली बार भारतीय बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और और अगर भारत को श्रृंखला में वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली बल्लेबाजी लाइन-अप को फिर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गिल तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन इसके बावजूद श्रृंखला में उनके नाम पर 600 से अधिक रन दर्ज हैं। भारत के लिए उनका बड़ा स्कोर काफी मायने रखता है। जोफ्रा आर्चर ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी सफल वापसी में यशस्वी जायसवाल को दो बार आउट किया और यह बाएं हाथ का बल्लेबाज इंग्लैंड के तेज गेंदबाज की अतिरिक्त गति से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होगा। गिल ने भले ही श्रृंखला में भारत की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए हैं लेकिन वह के एल राहुल हैं जो अधिक विश्वसनीय बल्लेबाज नजर आए। भारत को फिर से उनसे ठोस प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। मैच से पहले भारत के अभ्यास सत्र को देखकर लगता है कि ऋषभ पंत अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और हमेशा की तरह अपनी दोहरी जिम्मेदारी निभाएंगे। अगर नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए बेताब होंगे।

विकेट कीपिंग का अभ्यास करते ऋषभ पंत। एजेंसी

शुभमन गिल।

- इंग्लैंड के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट मैच आज दोपहर 3:30 बजे से

हम पीछे हटने वाले नहीं हैं : स्टोक्स

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम बुधवार से यहां शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में भारतीय खिलाड़ियों की किसी भी आक्रामकता का जवाब उन्हीं की भाषा में देगी। उन्होंने इस बात का संकेत दिया कि इस कड़ी टक्कर वाली सीरीज में जुबानी जंग थमने की संभावना नहीं है। इंग्लैंड पांच मैच की सीरीज में 2-1 से आगे है लेकिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, जैक क्रॉली, बेन डकेट, स्टोक्स और हैरी ब्रूक जैसे खिलाड़ी विपक्षी खिलाड़ियों के साथ कुछ बहस करने से पीछे नहीं हटे हैं। स्टोक्स ने ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा मुझे नहीं लगता कि यह उन चीजों में से एक है जहां हम मैदान में उतरकर (छींटाकशी) शुरू कर देंगे। मुझे नहीं लगता कि दोनों टीम में से कोई भी असल में ऐसा करने की सोच रही है। मुझे लगता है कि टेस्ट सीरीज में हमेशा एक ऐसा पल आता है जब माहौल कुछ गर्म हो जाता है। यह एक बड़ी श्रृंखला है और दोनों टीम पर अच्छा प्रदर्शन करने का बहुत दबाव है। यह किसी विशेष स्थिति के प्रति स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो सकती है लेकिन स्टोक्स ने स्पष्ट संकेत दिया कि प्रतिद्वंद्वी खेमे की आक्रामकता को हल्के में नहीं लिया जाएगा। स्टोक्स ने कहा जैसा कि मैंने कहा, यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे हम जानबूझकर मैदान पर जाकर शुरू करने की कोशिश करेंगे क्योंकि इससे हमारा ध्यान उस चीज से हट जाएगा जो हमें मैदान पर वास्तव में करने की जरूरत है। लेकिन किसी भी तरह से हम पीछे हटने वाले नहीं हैं और किसी भी विरोधी टीम को हमारे प्रति आक्रामक होने की कोशिश नहीं करने देंगे।

ओल्ड ट्रैफर्ड में अभ्यास करते भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो

- जसप्रीत बुमराह को स्पष्ट संदेश दिया इरफान पठान ने

मैनचेस्टर, एजेंसी

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया। पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है।

उन्होंने कहा जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं। बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।

इरफान पठान। एजेंसी

पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं। पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।

पठान ने कहा अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया। बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने पांच विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात विकेट के साथ किया।

भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच से पहले बारिश के बीच जाते इंग्लैंड के खिलाड़ी लियाम डॉसन। एजेंसी

जहीर और बुमराह जैसे तेज गेंदबाज हैं कंबोज

- पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर अश्विन ने अंशुल कंबोज की प्रशंसा की

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने अंशुल कंबोज की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें जहीर खान और जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज करार दिया जो न केवल अपने क्षेत्र का कुशल खिलाड़ी है बल्कि अपनी रणनीति की भी अच्छी समझ रखता है।

ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी तथा तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह की जोड़ी के चोटिल होने के बाद कंबोज को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट के लिए पिछले सप्ताह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा अंशुल की सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपनी रणनीति को अच्छी तरह से समझता है। अगर आप उनसे उनकी रणनीति के बारे में पूछते हैं, तो वे खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं और खेल का आनंद लेना चाहते हैं।

हरमनप्रीत का शतक भारत ने बनाए 318 रन

चेस्टर ली स्ट्रीट (इंग्लैंड), एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर की 84 गेंद में 102 रन की पारी और जेमिमा रोड्रिग्ज के तेजतर्रार अर्धशतक की मदद से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट पर 318 रन बनाए।

हरमनप्रीत शानदार लय में नजर आईं और उन्होंने अपने कुल सातवें और इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे शतक के दौरान कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां भी की। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 14 चौके जड़े। यह इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत का दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने सितंबर 2022 में केंटरबरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट पर 333 रन का सर्वोच्च स्कोर बनाया था। कप्तान ने ऑफ साइड में शानदार शॉट खेले और अपने अधिकतर चौके वहीं मारे।

स्मृति मंधाना एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

- **दुबई :** इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है। दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन अहम का योगदान दिया था।

सहमति | बीसीसीआई स्वायत्त निकाय बना रहेगा, लेकिन इससे जुड़े विवादों का निपटारा राष्ट्रीय खेल पंचाट करेगा

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का हिस्सा होगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का हिस्सा होगा जिसे बुधवार को संसद में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के एक विश्वसनीय सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बीसीसीआई भले ही सरकार से वित्तीय मदद पर निर्भर ना हो लेकिन उसे प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल बोर्ड से मान्यता लेनी होगी। सूत्र ने कहा सभी राष्ट्रीय महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा। वे मंत्रालय से वित्तीय मदद नहीं लेते लेकिन संसद का अधिनियम उन पर लागू होता है। सूत्र ने कहा बीसीसीआई अन्य सभी एनएसएफ की तरह एक स्वायत्त निकाय बना रहेगा लेकिन उनसे जुड़े विवादों का निपटारा प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल पंचाट करेगा। यह पंचाट चुनाव से लेकर चयन तक के खेल मामलों से जुड़े विवाद का समाधान निकाय बन जाएगा। उन्होंने कहा इस विधेयक का मतलब किसी भी एनएसएफ पर सरकारी नियंत्रण नहीं है। सरकार सुशासन सुनिश्चित करने में एक सूत्रधार की भूमिका निभाएगी।

क्रिकेट (टी20 प्रारूप) को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है और इस तरह से बीसीसीआई पहले ही ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन चुका है। खेल प्रशासन विधेयक का उद्देश्य समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत खेल ढांचा तैयार करना है। राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) को पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके पास व्यापक अधिकार होंगे कि वह शिकायतों के आधार पर या 'अपने विवेक' से चुनावी अनियमितताओं से लेकर वित्तीय गड़बड़ी तक के उल्लंघनों के लिए खेल संघों को मान्यता प्रदान करे या निलंबित भी करे। इस विधेयक में प्रशासकों की आयु सीमा के पेचीदा मुद्दे पर कुछ रियायत दी गई है जिसमें 70 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई है बशर्ते संबंधित अंतरराष्ट्रीय संस्थायें आपत्ति नहीं करें। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। यह नियुक्तियां एक खोज-सह-चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी।

चयन समिति में अध्यक्ष के तौर पर कैबिनेट सचिव या खेल सचिव, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक, दो खेल प्रशासक (जो किसी राष्ट्रीय खेल संस्था के अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हों) और एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी शामिल होगा जो द्रोणाचार्य, खेल रत्न या अर्जुन पुरस्कार विजेता हो।

सूत्र ने कहा यह एक खिलाड़ी-केंद्रित विधेयक है जो स्थिर प्रशासन, निष्पक्ष चयन, सुरक्षित खेल और शिकायत निवारण के साथ राष्ट्रीय खेल संघों का वित्तीय लेखा-जोखा और बेहतर कोष प्रबंधन सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेल पंचाट यह सुनिश्चित करेगा कि अदालती मामलों में देरी के कारण खिलाड़ियों के करियर को कोई नुकसान न हो। अभी भी अदालतों में 350 विभिन्न मामले चल रहे हैं जहां मंत्रालय भी एक पक्ष है। इसे समाप्त करने की आवश्यकता है।

विधेयक ओलंपिक चार्टर के अनुरूप है

- सूत्र ने कहा अब सभी सहमत हैं। यह विधेयक स्पष्ट रूप से ओलंपिक चार्टर के अनुरूप है और यहां तक कि आईओसी भी महसूस करता है कि इसे तैयार करने में अच्छा काम किया गया है। प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल पंचाट का उद्देश्य 'खेल-संबंधी विवादों का स्वतंत्र, शीघ्र, प्रभावी और किफायती निपटान' प्रदान करना है। मंत्रालय के सूत्र ने कहा पंचाट के फैसले को केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही चुनौती दी जा सकती है। पंचाट से जुड़ी नियुक्तियां केंद्र सरकार के हाथों में होंगी। यह एक ऐसी समिति की सिफारिशों पर आधारित होंगी जिसकी अध्यक्षता भारत के प्रधान न्यायाधीश या उनके द्वारा अनुशंसित उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश करेंगे।